सूर्योदय 6.18 सूर्यास्त 5:59

आज का तापमान

शिमला	14.0 न्यू	24.0 अधि
धर्मशाला	18.2 न्यू	25.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,067
निफ्टी	22,776

सोना 1,47,000 चांदी 2,21,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 7 अक्तूबर 2026 | 21 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 163, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

विश्व बैंक ने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली। विश्व बैंक ने एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच मूडीज तथा एसएंडपी के बाद अब विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी नवीनतम 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया। यह अप्रैल में लगाए गए 6.6 फीसदी से 0.5 फीसदी अधिक है। जीडीपी दर अनुमान में यह इजाफा (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के कारण की गई है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकी अफजल गुरु के डेयरी फार्म पर चला बुलडोजर

एजेंसी, बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकी अफजल गुरु से जुड़ी संपत्ति, जिसे स्थानीय स्तर पर 'डेयरी फार्म' के नाम से जाना जाता है, उसको ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह संपत्ति सरकारी बाढ़ नियंत्रण भूमि पर स्थित थी। इसे खाली कराने के लिए वहां रहने वाले लोगों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। अधिकारियों के मुताबिक मामले में आगे की जानकारी का इंतजार है।

अमेरिकी सैनिक को गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी

एजेंसी, टेक्सास। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी सैनिक निदाल हसन को गोली मारकर मौत की सजा देने का आदेश दिया है। पेंटागन ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अगर हसन की सजा लागू होती है, तो वह 1961 के बाद अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था के तहत मौत की सजा पाने वाला पहला व्यक्ति होगा। सैन्य व्यवस्था में आखिरी बार प्राइवेट जॉन ए. बेनेट को मौत की सजा दी गई थी। हसन ने 2009 में टेक्सास के सैन्य अड्डे पर धार्मिक नारा लगाते हुए गोलीबारी की थी, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी।

अब 20 किमी. की ऊंचाई से होगी दुश्मन की निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत को 20-25 किमी. की ऊंचाई से जमीन पर नजर रखने वाली हथियार प्रणाली विकसित करने में कामयाबी मिली है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म (एचएपीएस) का सफल ट्रायल किया है। एचएपीएस ने मध्यम स्तर से 21 किमी. की ऊंचाई हासिल की और 30 मिनट से ज्यादा समय तक आसमान में रहा। इसके बाद इसे वापस जमीन पर उतरने का आदेश दिया गया। सिस्टम को सफलतापूर्वक रिकवर करने के बाद फ्लाइट परफॉर्मेंस डेटा का विश्लेषण किया गया। डीआरडीओ के मुताबिक पूरी फ्लाइट के दौरान ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन पर एयरबोर्न प्लेटफॉर्म से रियल-टाइम वीडियो डेटा और बाकी सभी पैरामीटर लिए गए।

एसआईआर के विरोध में राहुल-प्रियंका का धरना, सीईसी का मांगा इस्तीफा

चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप का आरोप, खड़गे बोले- जनता चुप नहीं रहेगी

एजेंसी, नई दिल्ली। एसआईआर के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर खबर लिखे जाने तक राहुल और प्रियंका गांधी 5 घंटे से ज्यादा समय से दिल्ली के आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठे हैं।

राहुल ज्ञानेश कुमार से मिलने के लिए अड़े हैं। उन्होंने कहा, 'वे बिना मिले कहीं नहीं जाएंगे। अगर दिल्ली पुलिस को यहां प्रदर्शन से परेशानी है, तो उन्हें दूसरी जगह दे सकती है।' इस दौरान प्रियंका तिरंगे के सामने हाथ फैलाकर खड़ी नजर आईं, जबकि राहुल ने पुलिस अफसर से कहा- 'इन्हें मत छूना।' इससे पहले इंडिया ब्लॉक का 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' सुबह 10 बजे संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ, लेकिन पुलिस ने आगे बढ़ने नहीं दिया गया। पुलिस ने मार्च रोका और राहुल-प्रियंका को हिरासत में लेकर बस में बैठाया। दोनों बस से उतरकर आकाशवाणी परिसर में पहुंचे और पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए। इससे पहले अखिलेश सिंह समेत कई सांसदों को हिरासत में लिया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा, 'दिल्ली पुलिस लोकतंत्र के हत्यारों को बचाने की कोशिश कर रही है। हालात ऐसे हैं। जो लोग शांतिपूर्ण विरोध कर रहे हैं, उन्हें उठाकर ले जाया जा रहा है।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह आंदोलन देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के अधिकारों से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सत्ता में बने रहने के लिए लोगों के अधिकार छीन रही है और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है।



300 सांसदों को ज्ञानेश कुमार से मिलने से रोका : राहुल

राहुल गांधी ने कहा 300 लोकसभा और राज्यसभा के सांसद आए थे। हम चाहते थे ज्ञानेश कुमार और उनके दो चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे। पुलिस ने हमें रोका। चुनाव आयोग से 50 गज दूर बैठाकर रखा है हमें जाने नहीं दे रहे हैं। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं। ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। अगर जनप्रतिनिधियों से चुनाव आयोग नहीं मिलेगा तो लोकतंत्र का क्या मतलब है।

पंजाब सीएम के चंडीगढ़ कैंप ऑफिस में सीबीआई की रेड, मोहाली भी पहुंची टीमें

एजेंसी, चंडीगढ़। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने चंडीगढ़ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित कोठी नंबर 50 स्थित कैंप ऑफिस में मंगलवार शाम को रेड कर दी।

इसके अलावा मोहाली और संगरूर में भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की कड़ी सुरक्षा में सीबीआई की टीमें पहुंचीं। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में स्थित सीएम के कैंप ऑफिस में लगातार छापामारी चल रही है। सीबीआई की जांच पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर हो रही है। यह मामला ईडी की तरफ से पंजाब के सीएम आफिस में ट्रांसफर-पोस्टिंग और सरकारी टेंडर समेत कई मामलों में करप्शन के आरोपों के बाद सामने आया। जिसमें ईडी ने सीएम के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन को मुख्य आरोपी बनाया था। ईडी की 3 बार की चिट्ठी के बाद भी पंजाब पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया, तो ईडी रिपोर्ट के हवाले से एडवोकेट निखिल सर्राफ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। वहीं, इसी मामले के खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, लेकिन मंगलवार को ही इसे अर्जेंट में सुनवाई करने की मांग को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज या कल इसकी सुनवाई के लिए कहा।

जनता का प्यार देखकर घबरा गई भाजपा : भगवंत मान



रेड के बाद सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा चुनाव की वजह से मुझे बदनाम करना चाहती है। जनता से मिल रहे प्यार को देखकर भाजपा घबरा गई है। बता दें कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने 5 अक्तूबर को मामले की सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट ने सीएम के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 2 महीने में जांच रिपोर्ट मांगी थी।

आशुतोष होंगे वायुसेना के नए प्रमुख, 31 अक्तूबर को संभालेंगे कमान

एजेंसी, नई दिल्ली। आशुतोष दीक्षित वायुसेना के नए प्रमुख होंगे। वह 31 अक्तूबर को एयर चीफ मार्शल का कार्यभार ग्रहण करेंगे। वह अभी वाइस एयर चीफ मार्शल हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को यह पदभार संभाला था। आशुतोष दीक्षित कारगिल जंग में भी शामिल थे। उन्होंने फाइटर जेट से घुसपैठियों पर बम गिराए थे। वह 20 तरह की लड़ाकू विमान उड़ाने में माहिर हैं। आशुतोष दीक्षित एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह लेंगे। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह 30 सितंबर 2024 को वायुसेना प्रमुख बने थे। वह 31 अक्तूबर को रिटायर्ड हो रहे हैं। वह ऑपरेशनल फाइटर स्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान भी संभाल चुके हैं। एयर मार्शल दीक्षित को करीब 40 साल का सर्विस अनुभव है।



2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

एजेंसी, स्टॉकहोम। बेल्जियम के वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है।

उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है। न्यूट्रिनो बहुत छोटे कण हैं, जो सूरज, तारों और अंतरिक्ष की बेहद ताकतवर घटनाओं से निकलते हैं। अरबों न्यूट्रिनो हर सेकंड हमारे शरीर और धरती के आर-पार निकल जाते हैं, लेकिन हमें उनका पता तक नहीं चलता। इन कणों की खास बात यह है कि वे अंतरिक्ष से निकलकर लगभग सीधी दिशा में धरती तक पहुंचते हैं और रास्ते में बहुत कम बदलते हैं, इसलिए अगर वैज्ञानिक इन्हें पकड़ लें, तो वे पता लगा सकते हैं कि ये ब्रह्मांड में कहां और किस घटना से निकले थे, लेकिन न्यूट्रिनो को पकड़ना आसान नहीं है। वे ज्यादातर पदार्थों को बिना टकराए पार कर जाते हैं।



◆अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी कणों को पकड़ने का तरीका खोजा

शिक्षा व स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सुक्खू

एम्स बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, स्नातकों को दी बधाई

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल व सफल भविष्य की कामना की।

भारत की राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू का हिमाचल प्रदेश में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश न केवल देवभूमि है, बल्कि वीरभूमि भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मंदिरों, लोक परंपराओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत ने हिमाचल प्रदेश को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोगों ने भी राष्ट्र निर्माण और विकास की कीमत के रूप में विस्थापन का दर्द सहा है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की विकास की परिकल्पना के अनुरूप निर्मित भाखड़ा बांध केवल विकास और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक ही नहीं है, बल्कि यह बिलासपुर के लोगों के त्याग और योगदान को भी दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के लोगों को राज्य के भीतर ही गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि एम्स दिल्ली की तर्ज पर प्रदेश में 3-टेस्ला एमआरआई, पैट स्कैन, उच्च क्षमता वाली एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनों सहित अत्याधुनिक डायग्नॉस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं केवल शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचे।

उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का पूरे प्रदेश में लगातार विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जो अत्याधुनिक उपचार पहले मुख्य रूप से महंगे निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध थे, अब उन्हें सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।



गुजरात के भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाइवे पर सड़क हादसा, सात की मौत

एजेंसी, भावनगर। गुजरात के भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा शिव शक्ति होटल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो एसयूवी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर के पीछे जा टकराई।

बोलेरो में अलंग शिपयार्ड के 7 कर्मचारी सवार थे। सभी काम के सिलसिले में भावनगर से अलंग शिपयार्ड जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि भारी-भरकम ट्रेलर तक के अगले पहिए टूटकर अलग हो गए थे। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान विजयभाई चंदुभाई वोरा, पीयूषभाई बिपिनचंद्र शाह, प्रितेशभाई बिपिनचंद्र भयाणी, भार्गवभाई गोसाई, हिरेनभाई मेहता और योगेशभाई शाह और जयेशभाई हिम्मतभाई वसानी के रूप में हुई है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में तेज रफ्तार बोलेरो सड़क के बाईं ओर खड़े ट्रक से टकराती दिखाई दे रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टक्कर से ट्रेलर कुछ इंच तक खिसक जाता है और ट्रेलर में बैठा ड्राइवर जमीन पर गिर जाता है। टक्कर से बोलेरो के अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। स्थानीय लोगों ने किसी तरह तीन के शव और एक घायल को निकाला। इसके बाद मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीमों ने अन्य शव निकाले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।



नौसेना की ताकत बढ़ाएगा 661 करोड़ का ब्रह्मोस करार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर खरीदे जाएंगे, जिसके लिए रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) के साथ 661 करोड़ के कॉन्ट्रेक्ट पर साइन किए। यह खरीद (इंडियन-ईडीडीएम) कैटेगरी के तहत की जाएगी। इस समझौते पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक कम से कम 68 फीसदी स्वदेशी कंटेंट के साथ यह प्रोजेक्ट लघु उद्योगों समेत अलग-अलग भारतीय इंडस्ट्रीज की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देता है। यह प्रोजेक्ट तीन साल में रोजगार पैदा करेगा। यह भारत के समुद्री सुरक्षा आर्किटेक्चर और रक्षा क्षमताओं को भी मजबूत करेगा और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी को स्वदेशी बनाने की चल रही कोशिशों में एक अहम पड़ाव है। अलग-अलग फ्रंटलाइन वॉरशिप पर लगा ब्रह्मोस सिस्टम समुद्री हमले के ऑपरेशन के लिए भारतीय नौसेना का मुख्य सरफेस टू सरफेस मिसाइल सिस्टम है। यह वेपन सिस्टम सुपरसोनिक स्पीड से बहुत दूर से जमीन और समुद्र के टारगेट पर एकदम सही निशाना लगा सकता है। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी बूस्टर के साथ ब्रह्मोस मिसाइल के एंटी-शिप वर्जन का सफल परीक्षण किया है, जो भारत की आत्मनिर्भरता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस ब्रह्मोस मिसाइल में नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम के तहत किया जा रहा है। इस संयुक्त उद्यम में डीआरडीओ भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। नौसेना अपने वॉरशिप आईएनएस विशाखापत्तनम, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस मोरमुगाओ, युद्धपोत आईएनएस दिल्ली, आईएनएस रणविजय, स्वदेशी स्टील्थ डिस्ट्रॉयर आईएनएस चेन्नई से समय-समय पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण कर चुकी है।



◆भारत के समुद्री सुरक्षा आर्किटेक्चर और रक्षा क्षमताओं को भी मजबूत करेगा यह सौदा

होर्मुज के पास जहाज पर हमला 11 भारतीय जख्मी, भारत ने तुरंत हमले रोकने को कहा

एजेंसी, मस्कट। भारत ने मंगलवार को ओमान के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पनामा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज पर हमले की निंदा की। हमले में 12 क्रू मेंबर घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जहाज एमटी ऑन पीस ओमान के तट से गुजर रहा था। इसी दौरान उस पर एक प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। जहाज पर कुल 19 लोग सवार थे। इनमें 17 भारतीय नागरिक थे। ओमानी अधिकारियों की मदद से घायलों को निकालकर ओमान के खासाब में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। भारत ने क्षेत्र में जहाजों पर जारी हमलों पर चिंता जताई। उसने शांति और स्थिरता के लिए ऐसे हमले तुरंत रोकने की मांग की।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को 'उप्र की प्रगति' से कराया साक्षात्कार

3,706 करोड़ की चिप इकाई से बढ़ेगा सेमीकंडक्टर उद्योग

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेशवासियों को उप्र की प्रगति से साक्षात्कार कराया।

उन्होंने 2017 के बाद प्रदेश की उड़ान को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। वहीं, पूर्ववर्ती सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा कि जब चिंता प्रदेश से अधिक परिवार और निवेशक से अधिक अपराधियों की हो, तो भविष्य की तकनीक के लिए वातावरण कैसे बनेगा ? मुख्यमंत्री ने लिखा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रदेश के अनलिमिटेड पोटेंशियल का उपयोग नहीं किया, बल्कि इसे 'बीमारू' ही बनाए रखा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत का जो विजन दिया, डबल इंजन सरकार ने उसे उत्तर प्रदेश में नीति, निवेश और उत्पादन से जोड़कर जमीन पर उतारा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज साढ़े नौ वर्ष के भीतर देश के करीब 60 प्रतिशत मोबाइल फोन और 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट के उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी है। जेवर में तीन हजार 706 करोड़ रुपए की एचसीएल-फॉक्सकॉन चिप इकाई बन रही है। 644 मेगावाट के डेटा सेंटर प्रस्ताव आ चुके हैं और प्रदेश में 24 हजार से अधिक स्टार्टअप व आठ यूनिकॉर्न हैं। यानी यात्रा मोबाइल से मॉड्यूल और मॉड्यूल से माइक्रोचिप तक पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की तस्वीर भी दिखाई। उन्होंने कहा कि आज के परिदृश्य से अलग पहले सिर्फ घोषणाएं होती थीं, पर परियोजनाएं जमीन पर उतरने के लिए संघर्ष करती थीं।

तकनीक का निर्माता बन रहा उत्तर प्रदेश



मुख्यमंत्री ने बताया कि एआई-प्रज्ञा के माध्यम से 10 लाख युवाओं को नई तकनीक से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश का बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम भी युवाओं को नौकरी खोजने वाले से आगे बढ़ाकर रोजगार देने वाला बना रहा है। कभी उत्तर प्रदेश तकनीक का बाजार था, आज उसका निर्माता बन रहा है। असेंबली से एआई तक यह यात्रा केवल तकनीक की नहीं, हमारे युवाओं के रोजगार, उद्यम और समृद्धि की यात्रा है।

हाउस ऑफ हिमालयाज का कारोबार छह करोड़ रुपए के पार

स्थानीय आर्थिकी मजबूत करना लक्ष्य : धामी

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए देश-विदेश में पहुंच



हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट के साथ ब्लिंकिट, सीवीजी, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इनकी उपलब्धता है। ब्रांड की अपनी वेबसाइट के माध्यम से देशभर में उत्पादों की खरीदारी की जा सकती है। अमेजन ग्लोबल के माध्यम से अमेरिका और कनाडा के बाजारों में भी उत्पाद पहुंचाए जा रहे हैं।

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को देश-विदेश के बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड का कारोबार छह करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ब्रांड का शुभारंभ किया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज के माध्यम से उत्तराखंड की मातृशक्ति, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य गांवों में तैयार उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाकर स्थानीय उत्पादकों और महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिकी को मजबूत करना है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के तहत राज्य के स्थानीय उत्पादों को एकीकृत ब्रांडिंग व आधुनिक पैकेजिंग के साथ बाजार में उतारा जा रहा है।

वर्तमान में 83 उत्पाद इस ब्रांड से जुड़े हैं। इनमें दाल, अनाज, मिलेट्स, चावल, मसाले, शहद, तेल-घी, हर्बल एवं व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद, बेकरी उत्पाद और हस्तशिल्प शामिल हैं। ब्रांड की गतिविधियों से 55 क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से करीब 5,500 ग्रामीण महिलाएं सीधे जुड़ी हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले उत्पादों को बाजार उपलब्ध होने के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों के लिए आय के अवसर भी बढ़े हैं।

◆ 5,500 ग्रामीण महिलाओं को मिला आय का नया अवसर

आयोजन

उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया शुभारंभ, आशा कार्यकर्ता का मानदेय हुआ छह हजार रुपए

टेक्नोलॉजी व मजबूत स्वास्थ्य सेवाओं से बनेगी स्वस्थ दिल्ली: रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशा सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई पहलों की शुरुआत के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता का मासिक मानदेय 3,000 से बढ़ाकर 6,000 किया गया है।

उन्होंने अनमोल योजना का विस्तार, जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकसित भारत के विजन के अनुरूप आज दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहलों की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि हमारी फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्तों की अहम भूमिका को देखते हुए उनके मासिक मानदेय को 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया है। साथ ही नवजात शिशुओं की एडवांस्ड स्क्रीनिंग के लिए अनमोल योजना का विस्तार किया गया है। इसके साथ-साथ जीबी पंत अस्पताल में एक समर्पित सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट के लिए एक पारदर्शी पोर्टल को भी शुभारंभ किया गया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और संवेदनशीलता के साथ एक स्वस्थ विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आशा कार्यकर्ता के लिए प्रोत्साहन राशि 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपए की गई है। इससे दिल्ली की 6,690 आशा कार्यकर्ता को आर्थिक संबल मिलेगा और घर-घर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर शुरू होने से अब अंगदान और प्रत्यारोपण की पूरी प्रक्रिया में बेहतर समन्वय होगा और जरूरतमंद मरीजों तक समय पर सहायता पहुंच सकेगी।



नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल से प्रक्रियाएं होंगी पारदर्शी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनमोल योजना का विस्तार किया गया है। इसके तहत दिल्ली में नवजात शिशुओं की 56 स्वास्थ्य स्थितियों की जांच बिल्कुल निशुल्क की जा रही है, जिससे बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल शुरू किया गया है जिससे नर्सिंग होम से जुड़ी प्रक्रियाएं अधिक सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगी।

कुमारसैन में मिर्च डालकर महिलाओं से आभूषण लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला पुलिस ने महिलाओं की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर आभूषण छीनने की तीन वारदातों को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 26 वर्षीय जेल सिंह पुत्र करण सिंह निवासी जिला डोडा, जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने कुमारसैन थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर महिलाओं को निशाना बनाकर वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार 31 अगस्त को जुब्बड़ के पास सीमा देवी की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर दोनों कानों की बालियां छीन ली गई थीं। इसके बाद 14 सितंबर को कण्डयाली के पास सुनो देवी को इसी तरह निशाना बनाकर उनकी सोने की बालियां छीनी गईं। 26 सितंबर को कनकु के ढाबे पर आरोपी ने मौका देखकर उनकी आंखों में मिर्च पाउडर डाला और मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। जांच में तीनों वारदातों में एक जैसी कार्यप्रणाली सामने आई। पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों की रेकी करता था और महिलाओं की आवाजाही पर नजर रखता था। सुनसान रास्ते में महिला के अकेले होने पर वह मिर्च पाउडर डालकर आभूषण छीन लेता था। वह सीसीटीवी से बचने के लिए भी सुनसान स्थानों का चयन करता था। तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की। उसकी लोकेशन नूरपुर में मिलने पर वहां की पुलिस से समन्वय कर उसे पांच अक्टूबर को हिरासत में लिया गया।

शिमला ट्विन टनल से घरों में दरारों का दावा प्रभावितों ने मांगा सुरक्षा और उचित मुआवजा

ट्विन टनल निर्माण से प्रभावित परिवारों की बढ़ी चिंता, उच्चाधिकार समिति से समाधान की उम्मीद



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के फोरलेन प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन ट्विन टनल को लेकर संजौली, शांतिविहार, भट्टाकुफर, ढली और चलौंठी क्षेत्र के प्रभावित परिवारों की चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रभावितों का दावा है कि टनल निर्माण के दौरान कई घरों में दरारें आई हैं और यदि निर्माण कार्य इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में सैकड़ों घरों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित एजेंसियों से सुरक्षा के साथ उचित मुआवजे की मांग की है।

मंगलवार को मीडिया से बातचीत में प्रभावित परिवारों ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोध में नहीं हैं। उनका कहना है कि सड़क और सुरंग जैसी परियोजनाएं शिमला के लिए जरूरी हैं, लेकिन विकास की कीमत स्थानीय लोगों के घरों और उनकी सुरक्षा से नहीं चुकाई जानी चाहिए। प्रभावितों के अनुसार टनल निर्माण शुरू होने से पहले उन्हें परियोजना से जुड़े संभावित प्रभावों और सुरक्षा उपायों की पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई।

लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान उनके मकानों पर असर पड़ा है। कई घरों में दरारें आने की बात कही गई है, जिससे परिवारों में भय का माहौल है। प्रभावित परिवारों का दावा है कि नुकसान के बावजूद उन्हें अब तक उचित मुआवजा नहीं मिल पाया है। कुछ प्रभावितों ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष से उन्हें अपने घरों से बाहर रहना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने ट्विन टनल संघर्ष समिति का गठन किया है। समिति प्रभावित परिवारों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठा रही है। समिति का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन होना चाहिए और जिन मकानों को नुकसान पहुंचा है, उनका निष्पक्ष तकनीकी आकलन करवाकर प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

प्रभावितों ने बताया कि मामले को लेकर उच्चतम न्यायालय की ओर से भी संज्ञान लिया गया है। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने शिमला पहुंचकर एनएचएआई की परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण किया। समिति के सदस्यों ने संजौली, शांतिविहार, भट्टाकुफर, ढली और चलौंठी सहित प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों से परियोजना से जुड़ी जानकारी लेने के साथ प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की गई।

प्रभावित परिवारों के अनुसार समिति ने उनकी शिकायतों और चिंताओं को गंभीरता से सुना तथा पूरे मामले पर उच्च न्यायालय को रिपोर्ट सौंपने का भरोसा दिया है। समिति के निरीक्षण के बाद प्रभावित लोगों को उम्मीद है कि उनके घरों की सुरक्षा, नुकसान के आकलन और मुआवजे से जुड़े मामलों पर जल्द ठोस कार्रवाई होगी।

लोगों का कहना है कि टनल निर्माण से यातायात व्यवस्था बेहतर होने और शिमला में सड़क दबाव कम होने की उम्मीद है, लेकिन परियोजना के कारण स्थानीय आबादी को नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य के दौरान प्रभावित मकानों की नियमित तकनीकी निगरानी कराई जाए और जहां भी खतरा पाया जाए, वहां तत्काल सुरक्षा उपाय किए जाएं।

रोहड़ू में वीरभद्र की अनदेखी पर प्रतिभा सिंह ने जताई नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रोहड़ू को पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की राजनीतिक कर्मभूमि माना जाता है। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हालिया रोहड़ू दौरे के दौरान उनके पोस्टर-बैनर और भाषणों में वीरभद्र सिंह का उल्लेख नहीं होने को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह को गुजरे अभी साढ़े चार वर्ष ही हुए हैं, ऐसे में उन्हें इतनी जल्दी कैसे भुलाया जा सकता है।



◆ प्रतिभा सिंह ने वीरभद्र सिंह की विरासत को सम्मान देने की उठाई मांग

मंगलवार को कांग्रेस नेता ईश्वर दत्त छवारू के निधन पर उनके परिवार से मिलने रोहड़ू पहुंचीं प्रतिभा सिंह से सर्किट हाउस में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और लोगों ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि कार्यक्रम के पोस्टर और बैनर में वीरभद्र सिंह की तस्वीर नहीं लगाई गई और न ही भाषण में उनका नाम लिया गया।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि वीरभद्र सिंह प्रदेश की राजनीति की एक सम्मानित शख्सियत रहे हैं। उनके योगदान का उल्लेख कार्यक्रमों में किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी भी उनके राजनीतिक जीवन और हिमाचल के विकास में योगदान को जान सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की परंपरा अपने वरिष्ठ नेताओं और पूर्व नेतृत्व का सम्मान करने की रही है।

उन्होंने सिरमौर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां किसी भी कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डा. वाईएस परमार का नाम लिए बिना नहीं होती। परमार को लोग सम्मान और श्रद्धा से याद करते हैं। उसी तरह वीरभद्र सिंह भी प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण और सम्मानित नेता रहे हैं।

प्रतिभा सिंह ने रोहड़ू कांग्रेस मंडल पर भी अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कार्यक्रम में वीरभद्र सिंह की तस्वीर नहीं लगाई गई तो स्थानीय कार्यकर्ता स्वयं उनके पोस्टर लगा सकते थे।

ओल्ड मनाली के अनुराग ने राष्ट्रीय माउंटेन बाइकिंग में जीता रजत पदक



◆ ओल्ड मनाली के युवा खिलाड़ी ने मेहनत और जज्बे से हिमाचल का नाम किया रोशन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पहाड़ों की कठिन चढ़ाइयों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर साइकिल दौड़ाने वाले कुल्लू के ओल्ड मनाली निवासी युवा खिलाड़ी अनुराग ठाकुर ने अपनी मेहनत, जुनून और साहस के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। ओडिशा के महेंद्रगिरी में एक से चार अक्तूबर तक आयोजित 23वीं राष्ट्रीय माउंटेन बाइक चैंपियनशिप में अनुराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

देशभर से पहुंचे सैकड़ों खिलाड़ियों के बीच अनुराग की यह उपलब्धि इसलिए खास है, क्योंकि माउंटेन बाइकिंग में केवल गति ही नहीं, बल्कि शारीरिक क्षमता, संतुलन, धैर्य और जोखिम उठाने के साहस की भी परीक्षा होती है। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों पर लगातार अभ्यास करने वाले अनुराग ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से यह साबित किया कि पहाड़ों में पले युवाओं में चुनौतियों से मुकाबला करने का जज्बा किसी से कम नहीं है।

प्रतियोगिता में वरिष्ठ, कनिष्ठ और उप-कनिष्ठ वर्गों में देशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। अनुराग पिछले वर्ष भी इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हुए थे, लेकिन उस समय उन्हें कोई बड़ा स्थान हासिल नहीं हो सका था। उन्होंने असफलता को कमजोरी बनाने के बजाय उससे सबक लिया और अपनी कमियों को दूर करने के लिए लगातार अभ्यास किया। इसी मेहनत और आत्मविश्वास का परिणाम रहा कि इस बार उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया।

जुब्बल में वाहन के डैशबोर्ड से अफीम बरामद, आरोपी सुशील कुमार गिरफ्तार



◆ जुब्बल में नशा तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, वाहन से 32 ग्राम अफीम बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जुब्बल में कार्रवाई करते हुए एक वाहन से करीब 32 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस ने मादक पदार्थ की बरामदगी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जुब्बल निवासी सुशील कुमार उर्फ टीटू के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार पांच अक्टूबर को पुलिस थाना जुब्बल की टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति वाहन के माध्यम से अफीम का परिवहन कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने संबंधित वाहन को जांच के लिए रोका। तलाशी की कार्रवाई स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई।

तलाशी के दौरान वाहन के डैशबोर्ड से तीन पारदर्शी प्लास्टिक पाउच बरामद हुए। पाउच के भीतर भूरे रंग का चिपचिपा पदार्थ मिला। जांच के बाद पदार्थ की पहचान अफीम के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार बरामद अफीम का कुल वजन पाउच सहित करीब 32 ग्राम पाया गया।

पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पांच अक्टूबर 2026 को पुलिस थाना जुब्बल में मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रोजगारपरक प्रशिक्षण से युवाओं को अवसर देने पर उपायुक्त अनुपम कश्यप का जोर

◆ युवाओं को हुनर के साथ नौकरी का रास्ता दिखाएगा कौशल प्रशिक्षण अभियान



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत जिले में चल रहे कौशल प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों की प्रगति तथा निर्धारित प्रशिक्षण लक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम की ओर से जिले के लिए निर्धारित प्रशिक्षण लक्ष्यों की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत जिले में कुल 2670 प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें 1080 अल्पकालिक प्रशिक्षण तथा 1590 पूर्व अर्जित कौशल की मान्यता से संबंधित प्रशिक्षण शामिल हैं। ये प्रशिक्षण विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करवाए जाएंगे।

बैठक में 38वीं कार्यकारी समिति के तहत 810 अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित अल्पकालिक प्रशिक्षण लक्ष्य पर भी चर्चा हुई। ये प्रशिक्षण मुख्य रूप से पर्यटन एवं आतिथ्य तथा पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में प्रस्तावित हैं। पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में सहायक राफ्टिंग गाइड, नेचर गाइड और अतिथि सेवा कार्यकारी जैसे रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रम शामिल हैं। पर्यावरण विज्ञान के तहत ग्रीन एनर्जी सुपरवाइजर के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसके अलावा 37वीं कार्यकारी समिति के तहत स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 270 अल्पकालिक प्रशिक्षण तथा गृह प्रबंधन एवं देखभालकर्ता क्षेत्र में 270 पूर्व अर्जित कौशल मान्यता प्रशिक्षण निर्धारित हैं। वहीं 38वीं कार्यकारी समिति के तहत 810 अल्पकालिक और 1320 पूर्व अर्जित कौशल मान्यता प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है।

भ्रष्टाचार और बिगड़ी कानून व्यवस्था पर भाजपा का प्रहार

पंजाब और हिमाचल सरकारों पर रणधीर शर्मा ने लगाए गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप



◆ रणधीर शर्मा बोले, भ्रष्टाचार के साथ बढ़ते अपराधों पर भी जवाबदेही तय हो

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार और हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों राज्यों की सरकारें भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों और बिगड़ती कानून व्यवस्था के सवालों से घिरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इन मुद्दों को आगामी विधानसभा चुनाव में प्रमुखता से जनता के बीच उठाएगी।

रणधीर शर्मा ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरी हुई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के ओएसडी और अन्य करीबियों पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। इन आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच करवाने की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गई थी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की ओर से मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से करवाने के निर्देश ने आरोपों की गंभीरता को और बढ़ा दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चल रही पंजाब सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रही है। रणधीर शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राजनीति शुरू की थी, लेकिन अब उसी पार्टी की सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भाजपा नेता ने पंजाब की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशीले पदार्थों के कारोबार, अवैध खनन और अन्य आपराधिक गतिविधियों का प्रभाव बढ़ने से आम लोगों में चिंता है। हाल के दिनों में हुई हत्याओं और पुलिसकर्मी की हत्या जैसी घटनाओं ने सरकार की कानून व्यवस्था संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

रणधीर शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय, बिजली बोर्ड, मार्केटिंग बोर्ड और अन्य विभागों से जुड़े मामलों में भाजपा लगातार जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की मांग करती रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कार्यकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था भी कमजोर हुई है। आपराधिक घटनाओं को लेकर जनता में असंतोष बढ़ रहा है, लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

कोटखाई में छह ग्राम चिट्टे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोटखाई में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को चिट्टा/हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पांच अक्टूबर को उपमंडल ठियोग की डिटेक्शन सेल की टीम कोटखाई नाला के समीप गश्त और जांच अभियान पर थी। इसी दौरान टीम ने दो संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से करीब छह ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों की पहचान आशीष उर्फ गांधी पुत्र गोपाल सिंह, निवासी तहसील जुब्बल, जिला शिमला, उम्र 33 वर्ष और राहुल पुत्र गुलटाट राम, निवासी तहसील जुब्बल, जिला शिमला, उम्र 31 वर्ष के रूप में की है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ के साथ संबंधित वाहन को भी कब्जे में ले लिया है।

विधानसभा सचिवालय में चार अधिकारियों को मिली पदोन्नति



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिवालय में विभिन्न पदों पर कार्यरत अधिकारियों की पदोन्नति की गई है। पदोन्नति के तहत संजय कुमार को अवर सचिव से उप-सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया है। वहीं धर्म पाल को अनुभाग अधिकारी से अवर सचिव, विनोद कुमार को अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय से अनुभाग अधिकारी तथा गोपाल शर्मा को अन्वेषण सहायक से अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय के पद पर पदोन्नति दी गई है। पदोन्नति के आदेश जारी होने के बाद विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी।

कर्मचारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नई जिम्मेदारियों के सफलतापूर्वक निर्वहन की उम्मीद जताई। पदोन्नत हुए अधिकारियों ने अपनी पदोन्नति के लिए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, उनका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। विधानसभा सचिवालय में हुई इन पदोन्नतियों को कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विश्वविद्यालय स्वायत्तता की रक्षा को शिक्षक आंदोलन जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ के आह्वान पर शुरू हुआ शांतिपूर्ण आंदोलन एक माह से अधिक समय बाद भी जारी है। शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी प्रस्तावित प्रावधानों के विरोध में एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। शिक्षक कल्याण संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि अकादमिक स्वतंत्रता, संस्थागत पहचान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। संघ के अनुसार शैक्षणिक और प्रशासनिक निर्णयों के लिए बार-बार बाहरी अनुमति लेने की व्यवस्था से विश्वविद्यालय की स्वतंत्र निर्णय क्षमता प्रभावित हो सकती है।

शिलाई की बेटी ऋतु नेगी को पुरस्कार से वंचित रखने पर बलदेव तोमर नाराज

ऋतु नेगी को सम्मान से दरकिनार करने पर बलदेव तोमर ने सुक्खू सरकार से जवाब मांगा



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रवक्ता एवं शिलाई के पूर्व विधायक बलदेव तोमर ने 20वें एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्ण पदक विजेता हिमाचली खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने की मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की घोषणा का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने सरकार से सवाल किया है कि भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान रह चुकीं शिलाई की बेटी ऋतु नेगी को इस सम्मान से क्यों बाहर रखा गया है।

बलदेव तोमर ने कहा कि ऋतु नेगी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और खेल कौशल के दम पर प्रदेश की बेटियों के लिए मिसाल कायम की है। ऐसे में जब सरकार स्वर्ण पदक विजेता हिमाचली खिलाड़ियों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि की घोषणा कर रही है, तो ऋतु नेगी को इसमें शामिल नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी का विवाह दूसरे राज्य में होने से उसकी हिमाचली पहचान और प्रदेश के प्रति योगदान समाप्त नहीं हो जाता। ऋतु नेगी शिलाई की बेटी हैं और उन्होंने देश के लिए खेलते हुए हिमाचल का गौरव बढ़ाया है। इसलिए सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें सम्मान और पुरस्कार के मामले में किस आधार पर अलग रखा गया है।

तोमर ने कहा कि खिलाड़ियों के सम्मान में किसी भी तरह का राजनीतिक या क्षेत्रीय भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरकार को ऋतु नेगी की उपलब्धियों को भी उसी दृष्टि से देखना चाहिए, जिस तरह अन्य स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों की उपलब्धियों को देखा जा रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मांग की कि ऋतु नेगी के मामले में स्थिति स्पष्ट की जाए और उन्हें भी उचित सम्मान एवं पुरस्कार राशि देने की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटियों ने खेल के क्षेत्र में प्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन किया है और सरकार का दायित्व है कि उनकी उपलब्धियों का समान रूप से सम्मान करे।

बलदेव तोमर ने कहा कि खिलाड़ियों का सम्मान केवल पुरस्कार राशि तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके संघर्ष, उपलब्धियों और प्रदेश के लिए किए गए योगदान को भी समान महत्व मिलना चाहिए। ऋतु नेगी की उपलब्धियों को किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा।

नशा मुक्ति केंद्रों की निगरानी होगी सख्त उपचार के साथ पुनर्वास पर रहेगा विशेष जोर



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशे के खिलाफ जिला प्रशासन के अभियान को प्रभावी बनाने के लिए मंगलवार को बचत भवन में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के संचालकों और संबंधित अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने की। उन्होंने कहा कि नशे से मुक्ति केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित व्यक्ति को परिवार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी जरूरी है।

उपायुक्त ने केंद्र संचालकों को निर्धारित नियमों और मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। केंद्रों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को नशा उपलब्ध कराने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे संस्थानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. यशपाल रांटा ने केंद्रों के लिए निर्धारित न्यूनतम मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपचार केंद्रों में प्रशिक्षित चिकित्सक, आवश्यकता के अनुसार मनोचिकित्सक और पर्याप्त संख्या में काउंसलर उपलब्ध होना जरूरी है। प्रत्येक 30 मरीज पर कम से कम एक पूर्णकालिक काउंसलर की व्यवस्था होनी चाहिए।

बैठक में मरीजों के पंजीकरण, चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सकीय मूल्यांकन, लिखित सहमति, उपचार संबंधी अभिलेख और डिस्चार्ज रिपोर्ट सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया गया। मरीजों की गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। डिटॉक्सिफिकेशन और पुनर्वास के लिए निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकाल अपनाने को भी आवश्यक बताया गया।

उपायुक्त ने केंद्रों में स्वच्छता, सुरक्षा, शिकायत निवारण और मरीजों के अधिकारों से संबंधित जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन केंद्रों की संस्थागत निगरानी के साथ उपचार और पुनर्वास की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देगा।

'हादसे लगातार, समाधान गायब—आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे?

ये हादसों का हाईवे है! मोहेबेवाला में लगातार दुर्घटनाएं फिर भी एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी कुंभकर्णी नींद में?

मोहेबेवाला को अस्थायी उपाय नहीं, स्थायी रोड सेफ्टी समाधान चाहिए।



विकास बलूनी

देहरादून। मोहेबेवाला हाईवे अब सिर्फ सड़क नहीं रह गया है, यह हादसों का हाईवे बनता जा रहा है। लगातार हो रही दुर्घटनाएं, क्षतिग्रस्त वाहन और सड़क किनारे बिखरा मलबा व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

सवाल यह नहीं कि हादसा क्यों हुआ। सवाल यह है कि लगातार हादसे होने के बावजूद स्थायी समाधान क्यों नहीं हुआ?

हादसा होता है—अधिकारी मौके पर पहुंचते हैं। निरीक्षण होता है—निर्देश दिए जाते हैं। बैठक होती है—आश्वासन मिलता है। लेकिन कुछ समय बाद फिर वही सड़क, वही खतरे और फिर एक नया हादसा। तो क्या निरीक्षण, नोटिस और आश्वासन ही सड़क सुरक्षा की पूरी व्यवस्था बनकर रह गए हैं?

एनएचएआई और पीडब्लूडी की जिम्मेदारी पर

◆मोहेबेवाला कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां हर हादसे के बाद नया प्रयोग किया जाए

सवाल उठना स्वाभाविक है। सड़क की ढलान, डिजाइन, स्पीड कंट्रोल, साइन बोर्ड, बैरियर, कट और ब्लैक स्पॉट जैसी तकनीकी कमियों को समय रहते दूर करना जरूरी है। आखिर कब तक इन कमियों की कीमत आम लोग अपनी जान देकर चुकाते रहेंगे? और समाधान के नाम पर रंबल स्ट्रिप?

रंबल स्ट्रिप वाहन की गति नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, लेकिन अगर किसी संवेदनशील मार्ग पर लगातार हादसे हो रहे हों तो केवल रंबल स्ट्रिप बिछाकर जिम्मेदारी पूरी मान लेना खानापूर्ति से ज्यादा कुछ नहीं। मोहेबेवाला को अस्थायी उपाय नहीं, स्थायी रोड सेफ्टी समाधान चाहिए।

सवाल सीधे हैं—

क्या भारी वाहनों की गति और आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होना चाहिए?, क्या ब्लैक स्पॉट की इंजीनियरिंग खामियों को स्थायी रूप से दूर नहीं किया जाना चाहिए?

मोहेबेवाला कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां हर हादसे के बाद नया प्रयोग किया जाए। यह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा मार्ग है। अब समय निरीक्षण और आश्वासन से आगे बढ़कर जमीन पर ठोस कार्रवाई का है। रंबल स्ट्रिप से आगे बढ़िए। स्थायी तकनीकी समाधान कीजिए। क्योंकि अगला हादसा सिर्फ एक खबर नहीं होगा—वह किसी परिवार की जिंदगी का ऐसा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई कोई विभाग कभी नहीं कर पाएगा।

स्मार्ट सिटी में करोड़ों खर्च, फिर भी सड़कें बेहाल!

विकास बलूनी

देहरादून। देहरादून को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। बड़े-बड़े दावे हुए, योजनाएं बनीं और विकास के सपने दिखाए गए। लेकिन आज शहर की सड़कों पर नजर डालिए तो सवाल उठता है—क्या यही है स्मार्ट सिटी? कहीं सड़क उखड़ी हुई है, कहीं गड्ढे हैं, कहीं पैबंद पर पैबंद लगाए गए हैं। बारिश के बाद हालात और बदतर हो जाते हैं। सड़क निर्माण और मरम्मत के नाम पर बार-बार सरकारी धन खर्च होता है, लेकिन स्थायी समाधान दिखाई नहीं देता। सवाल सिर्फ सड़क के गड्ढों का नहीं है, सवाल व्यवस्था के गड्ढे में गिरने का है। पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब जागेंगे? क्या उन्हें शहर की बदहाल सड़कों की तस्वीर दिखाई नहीं देती? क्या कार्रवाई के लिए हर बार किसी हादसे का इंतजार किया जाएगा? स्मार्ट सिटी का मतलब सिर्फ खूबसूरत प्रोजेक्ट, चमकती लाइटें और बड़े-बड़े बोर्ड नहीं होता। स्मार्ट सिटी की असली पहचान उसकी मजबूत, सुरक्षित और टिकाऊ सड़कें होती हैं। करोड़ों खर्च करने के बाद भी अगर सड़कें बार-बार टूट रही हैं और उन पर फिर से पैबंद लगाए जा रहे हैं, तो जनता को यह पूछने का पूरा अधिकार है— पैसा स्मार्ट सिटी का खर्च हुआ या सिर्फ सड़कें 'टाट के पैबंद' बनती रहीं?

सोते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जागेगा कौन?



सड़क सुरक्षा के दावे हुए फेल

परेशानी भारी वाहनों का रफ्तार पर नियंत्रण से लेकर सुरक्षित बैरियर तक, हाईवे पर कई चुनौतियां, ईंटों से भरा ट्रक हॉस्टल की दीवार में घुसा

मोहब्बेवाला बना हादसों का शिकार, कब जागेगी सरकार?

विकास बलूनी

देहरादून। मोहब्बेवाला हाईवे एक बार फिर हादसे का गवाह बना है। शुक्रवार तड़के करीब साढ़े चार बजे सहारनपुर की ओर से आ रहा ईंटों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित ग्राफिक एरा गर्ल्स हॉस्टल की दीवार में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हॉस्टल की बाउंड्री का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक को चोट आई।

गनीमत रही कि हादसा तड़के हुआ। यदि यही घटना दिन के व्यस्त समय में होती और हॉस्टल के बाहर छात्राएं, कर्मचारी या राहगीर मौजूद होते, तो इसका परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकता था। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर बार किसी बड़े जनहानि वाले हादसे के बाद ही व्यवस्था जागेगी?

मोहब्बेवाला में लगातार हो रहे हादसे अब महज संयोग नहीं लगते। पिछले दिनों इसी क्षेत्र में ट्रक पलटने से एक व्यक्ति की मौत और अन्य लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस की ओर से एनएचएआई को हादसों की रोकथाम के लिए नोटिस भी भेजा गया है और सड़क की तकनीकी जांच के निर्देश दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई है।

फिर भी आज का हादसा यह सवाल खड़ा करता है कि जांच, नोटिस और आश्वासन के बाद जमीन पर ठोस बदलाव आखिर कब दिखाई देगा?

मोहब्बेवाला की ढलान और भारी वाहनों की आवाजाही को देखते हुए केवल अस्थायी इंतजाम पर्याप्त नहीं हो सकते। जरूरत है कि सड़क की स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट, ढलान की इंजीनियरिंग समीक्षा, भारी वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण, पर्याप्त चेतावनी संकेत, सुरक्षित बैरियर और आवश्यकतानुसार ट्रैफिक डायवर्जन जैसे उपायों पर समयबद्ध कार्रवाई हो।

सबसे बड़ा सवाल यही है—

क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

मोहब्बेवाला हाईवे लोगों को उनकी मंजिल तक सुरक्षित पहुंचाने का रास्ता होना चाहिए, डर और अनिश्चितता का कारण नहीं। अब जरूरत खाना-पूर्ति की कार्रवाई की नहीं, बल्कि हादसों की पुनरावृत्ति रोकने वाले ठोस और जवाबदेह सुरक्षा उपायों की है।

सरकार और संबंधित एजेंसियों को तय करना होगा—अगली खबर फिर किसी हादसे की होगी या इस बार कोई स्थायी समाधान जमीन पर दिखाई देगा?



मोहब्बेवाला में लगातार हादसों पर विधायक विनोद चमोली ने जताई चिंता



मोहब्बेवाला हाईवे पर लगातार हो रहे हादसों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 20 सितंबर को सीमेंट से भरे ट्रक के पलटने से बाइक सवार की मौत और अन्य लोगों के घायल होने की घटना के बाद क्षेत्र में स्थायी सुरक्षा उपायों की मांग फिर उठी है।

क्षेत्रीय विधायक विनोद चमोली ने भी लगातार हादसों को गंभीर और चिंताजनक बताया है। मोहब्बेवाला क्षेत्र में लगातार हो रहे हादसों को लेकर भारतेंदु शिखर संवाधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सवाल उठाता रहा है। इसी क्रम में कार्यकारी संपादक विकास बलूनी ने क्षेत्रीय विधायक विनोद चमोली से सवाल किया कि यदि सड़क की तकनीकी परिस्थितियों और अन्य कारणों के चलते यहां लगातार हादसे हो रहे हैं, तो इन पर अंकुश लगाने के लिए स्थायी समाधान कब तक लागू किया जाएगा? विधायक चमोली ने बताया कि एनएच अधिकारियों और संबंधित विभागों से लगातार बातचीत की जा रही है, ताकि तकनीकी रूप से प्रभावी समाधान निकाला जा सके। मोहब्बेवाला में लगाए गए रबर स्टिप या रंबल स्टिप को लेकर भी स्पष्ट किया गया कि यह स्थायी समाधान नहीं है। सड़क की ढलान, डिजाइन, भारी वाहनों की गति और ब्रेकिंग व्यवस्था समेत सुरक्षा मानकों का व्यापक तकनीकी मूल्यांकन जरूरी है। साइन बोर्ड, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित बैरियर और आवश्यक यातायात नियंत्रण जैसे उपाय भी किए जाने चाहिए। अब स्थानीय लोग आश्वासन नहीं, समयबद्ध कार्रवाई चाहते हैं।

हादसा होता है—अधिकारी मौके पर पहुंचते हैं। निरीक्षण होता है—निर्देश दिए जाते हैं। बैठक होती है—आश्वासन मिलता है। लेकिन कुछ समय बाद फिर वही सड़क, वही खतरे और फिर एक नया हादसा।

ट्रिपल मर्डर से दहला देहरादून, बुजुर्ग दंपती और नौकरानी की हत्या

विकास बलूनी

देहरादून। थाना रायपुर क्षेत्र के तपोवन विष्णु विहार में एक ही परिवार के बुजुर्ग दंपती और उनकी नौकरानी की हत्या से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुछ बदमाश कथित तौर पर लूट के इरादे से घर में दाखिल हुए थे। इसके बाद वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हत्या के वास्तविक कारणों की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जो नलसाजी का काम करता था। जांच में सामने आया है कि मृतक बुजुर्ग के.एस. कपूर आयुध विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी थे। पुलिस को आशंका है कि हिरासत में लिए गए संदिग्ध की मृतकों से पहले



से परिचितता हो सकती है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार हत्या का सही कारण और वारदात में अन्य लोगों की भूमिका जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

पुलिस ने एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार

ताजा जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस हत्याकांड के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार व्यक्ति प्लंबर का काम करता था और उसका परिवार से पूर्व में कोई लेन-देन भी रहा था। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है। खबर लिखे जाने तक पुलिस मामले का खुलासा करने और वारदात में शामिल अन्य लोगों की पहचान एवं धरपकड़ के लिए लगातार कार्रवाई कर रही थी। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के कारणों और पूरी वारदात की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

चाकू-पेचकस से बुजुर्ग दंपति की हत्या

एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि आज दिन में थाना रायपुर में विष्णु लोक कॉलोनी में बुजुर्ग दंपति की हत्या की सूचना मिली थी। बुजुर्ग दंपति ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से रिटायर्ड हैं। उनकी बहुत ही दर्दनाक तरीके से चाकू और पेचकस से हत्या की गई है, साथ ही घर में काम करने वाली मेड पर भी हमला किया गया, अस्पताल में तीनों को मृत घोषित किया गया। पुलिस कार्रवाई में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, सीसीटीवी में एक ही व्यक्ति दिखा है। घटना के कारणों का जल्द पता चल जाएगा।



यू-ट्यूबर यूके-07 राइडर अनुराग डोभाल गिरफ्तार

सार्वजनिक स्थान पर झगड़ा कर रहे यू- ट्यूबर सहित 4 व्यक्तियों को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

विकास बलूनी

देहरादून। हरिद्वार बायपास रोड स्थित नेक्सा शोरूम के पास सोमवार रात मारपीट की सूचना पर पहुंची नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने यू-ट्यूबर एवं कंटेंट क्रिएटर अनुराग डोभाल समेत चार युवकों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, पांच अक्टूबर 2026 की रात करीब 10 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि नेक्सा शोरूम के पास कुछ युवक आपस में लड़ाई-झगड़ा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना नेहरू कॉलोनी से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, मौके पर अनुराग डोभाल और उसके साथियों द्वारा राज सिंह चौहान नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट की जा रही थी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाया और उन्हें बाईपास चौकी ले आए। चौकी पर दोनों पक्षों से बातचीत के दौरान अनुराग डोभाल, अभिषेक, अभय चौधरी और कुर्बान कथित तौर पर दोबारा राज सिंह चौहान के साथ मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे दूसरे पक्ष से दोबारा विवाद करने की कोशिश करते रहे। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। इस दौरान चौकी पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए चारों व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत नियमानुसार हिरासत में लिया गया। मारपीट में घायल राज सिंह चौहान को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए दून अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, राज सिंह की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर अनुराग डोभाल और अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध थाना नेहरू कॉलोनी में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। मामले में आगे की विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है।

एसएसपी दून की सख्ती हुडदंगियों पर पड़ी भारी





एसएसपी दून

हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में 29 वर्षीय अनुराग डोभाल पुत्र जगदंबा डोभाल, निवासी खरड़, चंडीगढ़; 22 वर्षीय अभिषेक पुत्र सतीश कुमार, निवासी घाट खेड़ा, थाना रामपुर मनिहारन, सहारनपुर; 23 वर्षीय अभय चौधरी पुत्र संजीव कुमार, निवासी बहादारपुर जट, थाना पथरी, हरिद्वार; और 23 वर्षीय कुर्बान पुत्र शराफत, निवासी गढ़ी बेसक, थाना सनोली, पानीपत, हरियाणा शामिल हैं। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी बाईपास उपनिरीक्षक विनय मोहन द्विवेदी, हेड कांस्टेबल सतेन्द्र, कांस्टेबल हितेश कुमार और पीआरडी प्रमोद शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

12 साल बाद लौटा मसूरी का शरदोत्सव बारिश में भी कलाकारों का जोश बरकरार

सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में 12 साल बाद शरदोत्सव का रंगारंग आगाज हुआ। मंगलवार को सर्वे ग्राउंड से निकली भव्य शोभायात्रा मालरोड से होते हुए गांधी चौक पहुंची। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने संयुक्त रूप से शरदोत्सव का शुभारंभ किया। बारिश के कारण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

बारिश के बावजूद कलाकारों और स्थानीय लोगों का उत्साह देखते ही बना। शोभायात्रा में विभिन्न राज्यों और प्रदेश के कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी संस्कृति की झलक प्रस्तुत





की। लोकनृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों ने मालरोड को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।

इस बार शरदोत्सव की खासियत स्थानीय प्रतिभाओं को प्राथमिकता देना है। पालिका प्रशासन के अनुसार करीब 80 प्रतिशत अवसर स्थानीय कलाकारों को दिए गए हैं। इसके साथ ही उत्तराखंड की लोक संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय विरासत को भी उत्सव में प्रमुखता दी जा रही है। आयोजकों का कहना है कि विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ यह शरदोत्सव पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा।

पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, अधिशासी अधिकारी गौरव वसीम और सभासद जसबीर कौर ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद आयोजित हो रहा यह उत्सव मसूरी की सांस्कृतिक पहचान को फिर से मजबूत करने का प्रयास है। स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ प्रदेश की संस्कृति और व्यंजनों को बढ़ावा देना उत्सव की बड़ी विशेषता है।

उत्तराखण्ड जलवायु अनूकूल बारानी कृषि परियोजना के तहत हो रहें हैं करोड़ों के काम : सतपाल महाराज

अनिल थपलियाल

देहरादून। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड बीरोंखाल में उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बरानी कृषि परियोजना और जलागम के तहत वर्ष 2024 से 2030 तक व्यापक स्तर पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर के शुभारंभ अवसर पर परियोजना की प्रगति और क्षेत्र में कराए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकासखंड की 78 ग्राम पंचायतों में से 68 ग्राम पंचायतों को परियोजना से जोड़ा गया है। वर्ष 2024 से 2030 तक बीरोंखाल में करीब 120 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।



महाराज ने बताया कि परियोजना के सफल संचालन के लिए स्यूंसी, मैठाणाघाट और स्यूंसी क्षेत्र में तीन इकाइयों का गठन किया गया है। सिंचाई सुविधा को मजबूत करने के लिए 12 एलडीपीई टैंक और सात जल संचयन टैंक तैयार किए गए हैं। उद्यान क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की 10 प्रदर्शन इकाइयां स्थापित की गई हैं। सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 30 प्रदर्शन इकाइयों के साथ मल्चिंग तकनीक की 57 इकाइयां भी स्थापित की गई हैं। किसानों को रबी फसलों के लिए गेहूं, सरसों, मटर, आलू और लहसुन के बीज 45 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादन के लिए वितरित किए गए हैं।

खरीफ फसलों के अंतर्गत मक्का, मंडुवा, उड़द, मूंग, धान, सोयाबीन और स्वीट कॉर्न के बीज 102 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादन के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। सब्जी एवं मसाला उत्पादन के लिए टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, भिंडी, फ्रास बीन, हल्दी और अदरक के बीज 25 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए वितरित किए गए। इसके अलावा नौ वर्मी कंपोस्ट और 21 जैव कंपोस्ट प्रदर्शन इकाइयां स्थापित की गई हैं।

मुफ्त बिजली और महिलाओं की आर्थिक सहायता से 2027 के चुनाव में मजबूत हुई मान सरकार की स्थिति

मुफ्त बिजली और महिला सहायता योजना से आप सरकार ने जनसमर्थन मजबूत करने की कोशिश की

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले आम आदमी पार्टी सरकार अपने प्रमुख चुनावी वादों और पांच साल के कामकाज को आधार बनाकर जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के लिए मुफ्त बिजली और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली मावां धीयां सतकार योजना दो ऐसी योजनाएं हैं, जिनका सीधा असर लोगों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। सरकार इन योजनाओं को अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में जनता के सामने रख रही है।

2022 के विधानसभा चुनाव में 92 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता में पहुंची आम आदमी पार्टी अब अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। सरकार का जोर उन योजनाओं पर है, जिनका लाभ सीधे परिवारों तक पहुंच रहा है। मुफ्त बिजली की सुविधा से बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिलने का दावा किया जा रहा है, जबकि महिलाओं के लिए शुरू की गई आर्थिक सहायता योजना के जरिये परिवारों की आय में प्रत्यक्ष मदद पहुंचाने की कोशिश की गई है।



90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली का लाभ : मान सरकार की प्रमुख योजनाओं में मुफ्त बिजली को सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार के अनुसार पंजाब के करीब 90 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिल रहा है। बिजली के बढ़ते खर्च के बीच यह राहत परिवारों के मासिक बजट पर सीधा असर डालती है। खासकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए बिजली बिल में कमी आर्थिक राहत का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

सरकार के लिए इस योजना की राजनीतिक अहमियत भी काफी है, क्योंकि इसका लाभ किसी एक सीमित वर्ग तक नहीं है। बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ता इसके दायरे में आते हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले आप सरकार इसे अपने जनकल्याणकारी कार्यों की प्रमुख उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है।

महिलाओं के खाते में पहुंच रही आर्थिक सहायता : 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा किया था। सरकार ने अप्रैल में मावां धीयां सतकार योजना शुरू कर इस वादे को लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया। योजना के तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को एक हजार रुपये और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था की गई है।

महिलाओं को मिलने वाली यह राशि परिवार के घरेलू खर्च में सीधे उपयोग हो सकती है। सरकार का तर्क है कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी और परिवारों की वित्तीय जरूरतों में भी सहायता मिलेगी। चुनावी दृष्टि से भी यह योजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसका सीधा संबंध महिलाओं और परिवार के घरेलू बजट से है।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी योजनाओं पर जोर : आप सरकार अपनी उपलब्धियों में स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी शामिल कर रही है। मोहल्ला क्लिनिक और कैशलेस उपचार जैसी सुविधाओं को सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव के प्रयास के रूप में जनता के सामने रख रही है। इसके अलावा निजी स्कूलों की फीस से जुड़े प्रावधानों के जरिये मध्यम वर्ग को राहत देने की कोशिश भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रही है।

सरकार की रणनीति अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक वर्गों को योजनाओं से जोड़ने की दिखाई दे रही है। मुफ्त बिजली से घरेलू उपभोक्ताओं को राहत, महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

भगवंत मान ही आप का प्रमुख चेहरा : 2022 में खटकड़ कलां में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले भगवंत मान अब पंजाब में आम आदमी पार्टी का सबसे प्रमुख चेहरा बन चुके हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपने पांच साल के कामकाज के साथ मुख्यमंत्री के चेहरे को भी जनता के सामने रख सकती है।

परगट सिंह 11 अक्टूबर को संभालेंगे पंजाब कांग्रेस की कमान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह की ताजपोशी की तैयारियां तेज हो गई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार वह 11 अक्टूबर को चंडीगढ़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल सकते हैं। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है।



प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने से पहले परगट सिंह दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। इन बैठकों में पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा हो रही है। पार्टी नेतृत्व का प्रयास है कि चुनाव से पहले संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा किया जाए।

चंडीगढ़ में होगी औपचारिक ताजपोशी : परगट सिंह की औपचारिक ताजपोशी का कार्यक्रम चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ पहुंच सकते हैं। पार्टी में राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा चल रही है। हालांकि उनकी मौजूदगी को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

प्रदेश अध्यक्ष का पद संभालने के बाद परगट सिंह के सामने सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस में लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी और आपसी मतभेदों को खत्म करना होगी। पार्टी के अलग-अलग धड़ों के नेताओं को एक मंच पर लाकर संगठन को एकजुट करना उनके लिए महत्वपूर्ण कार्य माना जा रहा है।

2027 के चुनाव पर नजर : कांग्रेस नेतृत्व ने परगट सिंह को ऐसे समय में प्रदेश की कमान सौंपी है, जब पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पार्टी के सामने आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ मजबूत राजनीतिक अभियान खड़ा करने के साथ संगठन को सक्रिय करने की चुनौती है।

पंजाब के विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही है। नए प्रदेश अध्यक्ष के कार्यभार संभालने के बाद इन आंदोलनों को और धार देने की तैयारी है। साथ ही जिला, ब्लाक और बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर रहेगा।

परगट सिंह के सामने प्रदेश कांग्रेस में तालमेल बढ़ाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और आगामी चुनाव के लिए मजबूत रणनीति तैयार करने की चुनौती होगी। पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में संगठन आंतरिक मतभेदों से ऊपर उठकर एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतर सकेगा।

पार्टी के भीतर यह भी माना जा रहा है कि परगट सिंह को वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय स्थापित करने के साथ युवा कार्यकर्ताओं को अधिक जिम्मेदारी देनी होगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संगठन की सक्रियता बढ़ाना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। कांग्रेस नेतृत्व को उम्मीद है कि नई टीम के साथ पार्टी चुनावी तैयारियों को गति दे सकेगी।

पंजाब में बाढ़ प्रबंधन के लिए डी-सिल्टिंग व्यावसायिक खनन नहीं, एनजीटी में सरकार का पक्ष

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के समक्ष कहा है कि बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने तथा भविष्य की आपदाओं से बचाव के लिए की जाने वाली वास्तविक डी-सिल्टिंग यानी गाद निकालने की प्रक्रिया को व्यावसायिक खनन नहीं माना जा सकता। राज्य सरकार ने कहा कि ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने से बाढ़ प्रबंधन और जल संसाधनों से जुड़े जरूरी कार्य प्रभावित होंगे।



सरकार ने स्पष्ट किया कि रखरखाव, पुनर्बहाली और आपदा प्रबंधन के लिए की जाने वाली डी-सिल्टिंग और ड्रेजिंग को खनिजों के व्यावसायिक दोहन और बिक्री के लिए किए जाने वाले खनन से अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि, सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि डी-सिल्टिंग के नाम पर व्यावसायिक खनन की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पंजाब सरकार ने अपने पक्ष में वर्ष 2025 में आई भीषण बाढ़ का उदाहरण दिया। सरकार के अनुसार, उस मानसून में राज्य में 622.1 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत अधिक थी। सतलुज, ब्यास, रावी और घग्गर नदी तंत्र में भी पानी का प्रवाह असामान्य रूप से बढ़ गया था। बाढ़ से नदी चैनलों, ड्रेनों, तटबंधों और अन्य बाढ़ प्रबंधन ढांचों को नुकसान पहुंचा।

राज्य ने बताया कि इसके बाद जल संसाधन विभाग ने नदियों और जलमार्गों की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने के लिए निवारक और सुधारात्मक कार्य शुरू किए। सरकार के अनुसार, ये कार्य उसकी वैधानिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।

एनजीटी के अंतरिम निर्देशों का हवाला देते हुए पंजाब सरकार ने बताया कि सरकारी एजेंसियों को रखरखाव और आपदा प्रबंधन के लिए डी-सिल्टिंग की अनुमति है, लेकिन इसका इस्तेमाल व्यावसायिक रेत खनन के लिए नहीं किया जा सकता।

इसी के तहत जल संसाधन विभाग ने 15 जून 2026 को महत्वपूर्ण स्थानों पर नदी की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की।

पंजाब में अब सातों दिन, 24 घंटे खुल सकेंगी दुकानें

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने दुकानदारों और कारोबारियों को बड़ी राहत देते हुए राज्य में पंजीकृत दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे तक संचालित करने की अनुमति दे दी है। श्रम विभाग ने पहले लागू समय संबंधी पाबंदियों में छूट देते हुए यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रखने का फैसला किया है। नए प्रावधान के तहत कारोबारी अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार रविवार को भी दुकान खोल सकेंगे। हालांकि, 24 घंटे दुकान खुली रखने का मतलब यह नहीं होगा कि कर्मचारियों से लगातार काम कराया जा सके। कर्मचारियों को श्रम कानूनों के तहत निर्धारित अवकाश और अन्य अधिकार देने होंगे। 24 घंटे संचालन की स्थिति में कर्मचारियों की ड्यूटी अलग-अलग पालियों में लगानी होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि तय शर्तों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों से यह सुविधा वापस ली जा सकती है। महिला कर्मचारियों की रात्रि पाली में ड्यूटी और बच्चों व किशोरों से काम कराने पर लागू कानून पहले की तरह प्रभावी रहेंगे। रात में दुकानें और प्रतिष्ठान खुले रहने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और पुलिस को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

पंजाब सरकार ने सीबीआई जांच आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

ईडी की रिपोर्ट के बाद जांच एजेंसी बदली, पंजाब सरकार ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में अधिकारियों के तबादलों, नीतियों को प्रभावित करने, निविदाओं और अन्य कथित अवैध गतिविधियों में लेन-देन के आरोपों की जांच का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पंजाब सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर हाई कोर्ट के आदेश पर राहत की मांग की है।



ईडी की चिट्ठी से शुरू हुआ विवाद : मामला प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पंजाब के पुलिस महानिदेशक को भेजी गई चिट्ठी से जुड़ा है। ईडी ने अपनी जांच के दौरान सामने आई सामग्री के आधार पर पंजाब में अधिकारियों के तबादलों और नियुक्तियों को प्रभावित करने, नीतिगत फैसलों में कथित हस्तक्षेप, सरकारी निविदाओं तथा अन्य प्रशासनिक गतिविधियों में लेन-देन के आरोपों से संबंधित जानकारी पुलिस को दी थी।

ईडी की ओर से उपलब्ध कराई गई सामग्री में विभिन्न बातचीत और दस्तावेजों का भी उल्लेख किया गया था। इसके बाद मामले की जांच और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई।

हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी थी जांच : हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता और पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। अदालत ने सीबीआई को तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करने तथा निर्धारित अवधि में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि उपलब्ध सामग्री में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध से संबंधित तथ्य दिखाई देते हैं, हालांकि आरोपों की वास्तविकता का अंतिम निर्णय जांच और मुकदमे के दौरान ही होगा।

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया। सरकार की ओर से शीर्ष अदालत में दायर याचिका में हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने और उसे रद्द करने की मांग की गई है।

हरपाल चीमा ने दिए थे संकेत : पंजाब सरकार के सुप्रीम कोर्ट जाने के संकेत वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने सोमवार को ही दे दिए थे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने हाई कोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा था कि सरकार उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगी। इसके बाद पंजाब सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दी।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज : मामले के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद पंजाब की राजनीति में भी सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। विपक्षी दल ईडी की चिट्ठी और हाई कोर्ट के आदेश को आधार बनाकर पंजाब सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वहीं, सरकार हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देकर अपना पक्ष शीर्ष अदालत के सामने रख रही है।

60 साल में डंडे-डायरी से डिजिटल जांच तक पहुंची चंडीगढ़ पुलिस

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस ने अपनी 60 साल की यात्रा में कार्यप्रणाली और तकनीक के स्तर पर बड़ा बदलाव किया है। शुरुआती दौर में पुलिसिंग मुख्य रूप से डंडे, डायरी और पारंपरिक जांच प्रक्रिया तक सीमित थी, लेकिन समय के साथ पुलिस ने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए साइबर और डिजिटल जांच को अपनी कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बना लिया है।



चंडीगढ़ पुलिस की स्थापना के बाद शहर के विस्तार के साथ पुलिस के सामने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौतियां भी बढ़ती गईं। पहले मामलों की जांच के लिए दस्तावेजों और प्रत्यक्ष पूछताछ पर अधिक निर्भरता रहती थी। अब अपराध की बदलती प्रकृति के साथ जांच में डिजिटल साक्ष्य, तकनीकी निगरानी और साइबर विशेषज्ञता का इस्तेमाल बढ़ा है।

पुलिस अब साइबर अपराध, आनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल लेनदेन और इंटरनेट मीडिया से जुड़े मामलों की जांच के लिए आधुनिक संसाधनों का उपयोग कर रही है। अपराधियों तक पहुंचने के लिए तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल माध्यमों की भूमिका लगातार बढ़ी है।

चंडीगढ़ पुलिस की 60 वर्ष की यात्रा के अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।

राजनीतिक भागदौड़ से दूर पत्नी और बेटे संग समय बिताकर यादगार बनाए खास पल

राजा वड़िंग ने इस्तीफे के बाद परिवार संग बिताए सुकून भरे पल, बेटे का पोलो मैच देखा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग कुछ समय के लिए राजनीति की भागदौड़ से दूर परिवार के साथ नजर आए। दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व को इस्तीफा सौंपने के बाद राजा वड़िंग अपनी पत्नी अमृता वड़िंग और बेटे अमानइंदर के साथ समय बिताने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बेटे का पोलो मैच देखा और परिवार के साथ यादगार पल बिताए।



राजा वड़िंग ने परिवार के साथ बिताए इन खास पलों की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद उन्हें पत्नी और बेटे के साथ सुकून के कुछ पल बिताने का अवसर मिला। बेटे अमानइंदर का पोलो मैच देखना उनके लिए इस दिन को और खास बना गया। उन्होंने कहा कि राजनीति की लगातार भागदौड़ और व्यस्त कार्यक्रमों के बीच परिवार के लिए समय निकालना कई बार मुश्किल हो जाता है। ऐसे में परिवार के साथ बिताया गया समय उन्हें काफी सुकून देता है।

राजा वड़िंग की ओर से साझा की गई तस्वीरों में वह परिवार के साथ सहज और प्रसन्न नजर आए। बेटे के पोलो मैच को देखते हुए उन्होंने मैदान पर उसके प्रदर्शन का आनंद लिया। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी उनकी चर्चा होने लगी। कई लोगों ने इसे लंबे समय से चल रही राजनीतिक व्यस्तताओं के बीच परिवार के साथ बिताए निजी समय के रूप में देखा।

अमृतसर में एएसआई पर हमले से मचा हड़कंप टीटीएच ने दी धमकी

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में ड्यूटी से घर लौट रहे रेलवे पुलिस के एएसआई सुखचैन सिंह पर चार अक्टूबर को हुए हमले के मामले में नया मोड़ आया है। तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नामक कथित संगठन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। संगठन ने हमले को 'आपरेशन नूर' के तहत की गई कार्रवाई बताते हुए पंजाब पुलिस और सरकारी कर्मचारियों को आगे भी निशाना बनाने की धमकी दी है। साथ ही हमले से संबंधित वीडियो जारी करने की बात कही गई है। चार अक्टूबर की शाम एएसआई सुखचैन सिंह ड्यूटी खत्म करने के बाद सादे कपड़ों में बाइक से घर लौट रहे थे। जगदेव खुर्द के पास पीछे से बाइक सवार हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली उनकी बाईं बाजू को चीरती हुई निकल गई।

जालंधर में फ्लैट आवंटन के बाद भी सुविधाएं गायब, ट्रस्ट पर आयोग सख्त

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। मास्टर गुरबंता सिंह एनक्लेव (इंदिरापुरम) में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट (जेआईटी) के खिलाफ फैसला सुनाया है। आयोग ने ट्रस्ट को सेवा में कोताही और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी मानते हुए दो आवंटियों की जमा राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा दोनों पीड़ितों को मानसिक परेशानी और कानूनी खर्च के लिए 40-40 हजार रुपये मुआवजा देने को कहा गया है। 45 दिनों में भुगतान न करने पर ब्याज दर 12 प्रतिशत वार्षिक हो जाएगी।



आयोग ने कहा कि वर्ष 2008-09 में फ्लैट आवंटित किए जाने के बावजूद 17 वर्ष तक सड़क, बिजली, पानी और सीवरेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराना गंभीर लापरवाही है। बिना पूर्णता प्रमाणपत्र के कब्जा देना भी अनुचित माना गया।

एक मामले में न्यू विकासपुरी निवासी 61 वर्षीय इंदु ने 3.80 लाख रुपये जमा किए थे। आवंटन पत्र के अनुसार मई 2011 तक 45 फीट चौड़ी सड़क और अन्य सुविधाओं के साथ कब्जा दिया जाना था, लेकिन निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हुईं।

दूसरे मामले में ललोई भोगपुर निवासी 62 वर्षीय रजनी शर्मा ने 4.37 लाख रुपये जमा किए थे। वर्ष 2009 में उन्हें कागजी कब्जा दिया गया, लेकिन मौके पर बिजली ट्रांसफार्मर, पानी और सीवरेज कनेक्शन तथा निर्धारित सड़कें नहीं थीं।

चंडीगढ़ के स्कूलों को साइबर हमले की धमकी पुलिस जांच में जुटी, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के स्कूलों को साइबर हमले की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यह पहला मामला है, जब स्कूलों को डिजिटल संसाधनों को निशाना बनाने की धमकी मिली है। इससे पहले शहर के स्कूलों को बम से उड़ाने की एक दर्जन से अधिक धमकियां मिल चुकी हैं। नई धमकी के बाद स्कूल प्रबंधन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए एहतियाती कदम उठाए हैं।

एयरफोर्स स्कूल थ्रीबीआरडी, सेक्टर-31बी के आधिकारिक ई-मेल पर तीन अक्टूबर की रात धमकी भरा संदेश भेजा गया। ई-मेल में पांच अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच स्कूलों के बैंक खातों, कंप्यूटर, नेटवर्क, स्मार्ट बोर्ड और अन्य डिजिटल संसाधनों को हैक करने की चेतावनी दी गई थी। संदेश के विषय में 'साइबर अटैक ञ्च सीके चंडीगढ़ स्कूल!!' लिखा था।

धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सेक्टर-31 में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस से ई-मेल के स्रोत और धमकी की विश्वसनीयता की जांच करने का आग्रह किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ई-मेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन व्यक्ति या समूह हो सकता है।



पासवर्ड बदले, ऑनलाइन बैंकिंग पर लगाई रोक : स्कूल प्रबंधन ने किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए कई एहतियाती कदम उठाए हैं। संबंधित कंप्यूटर और नेटवर्क उपकरणों की जांच की गई है। मालवेयर की आशंका को देखते हुए सिस्टम की जांच और स्कैनिंग भी कराई गई। इसके अलावा सभी जरूरी पासवर्ड बदल दिए गए हैं। स्कूल के ऑनलाइन बैंकिंग खातों तक पहुंच को भी सीमित कर दिया गया है।

ई-मेल में स्कूल के बैंक खातों और ऑनलाइन बैंकिंग से जुड़े कंप्यूटरों को भी संभावित निशाने के रूप में बताया गया था। इससे मामला केवल स्कूल के कंप्यूटर और नेटवर्क तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वित्तीय सुरक्षा से भी जुड़ गया है। स्कूल प्रबंधन ने बैंकिंग व्यवस्था की सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरती है।

रिहाई मुख्यमंत्री ने कानूनी समाधान का भरोसा दिया, लंबित मामलों पर प्राथमिकता से कार्रवाई का आश्वासन

बंदी सिंहों की रिहाई पर मान ने कमेटी से की चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। बंदी सिंहों की रिहाई के मुद्दे को लेकर गठित चार सदस्यीय कमेटी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात कर अपनी मांगें और सुझाव उनके सामने रखे। कमेटी में गुरदीप सिंह बठिंडा, अधिवक्ता जसपाल सिंह मंझपुर, पाल सिंह फ्रांस और बलविंदर पाल सिंह शामिल हैं। बैठक के दौरान बंदी सिंहों से जुड़े मामलों, उनकी रिहाई की प्रक्रिया और लंबे समय से लंबित कानूनी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कमेटी के सदस्यों की बात गंभीरता से सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार इस मामले का उचित और कानूनी समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मामले से जुड़े सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी और कानून के दायरे में रहते हुए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता देने का दावा : मुख्यमंत्री ने कहा कि बंदी सिंहों से संबंधित कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर पिछली सरकारों के कार्यकाल में लंबे समय तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। उनकी सरकार ऐसे जायज और कानूनी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि जो कदम कानून के अनुसार उठाए जा सकते हैं, उन्हें करने में सरकार पीछे नहीं हटेगी।

मान ने कमेटी को आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले को संवेदनशीलता के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि बंदी सिंहों की रिहाई से जुड़े मामलों में कानूनी प्रक्रियाओं, संबंधित प्रावधानों और उपलब्ध विकल्पों को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य ऐसा रास्ता तलाशना है, जिससे मामले का उचित और टिकाऊ समाधान निकाला जा सके।



न्याय के साथ खड़ी है पंजाब सरकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार हमेशा न्याय और कानून के अनुसार कार्य करने में विश्वास रखती है। बंदी सिंहों के मामले में भी सरकार कानून के दायरे में रहकर सभी जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस विषय से जुड़े प्रत्येक पहलू पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और संबंधित पक्षों के साथ बातचीत जारी रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक की जानकारी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भी साझा की। उन्होंने बताया कि चार सदस्यीय कमेटी के साथ बंदी सिंहों की रिहाई के मुद्दे पर विस्तार से बातचीत हुई। सरकार की ओर से कमेटी को यह भरोसा दिलाया गया कि मामले को केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय और कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भी देखा जाएगा।

बंदी सिंहों की रिहाई का मुद्दा पंजाब में लंबे समय से चर्चा में रहा है। विभिन्न सिख संगठनों और सामाजिक समूहों की ओर से समय-समय पर इस संबंध में सरकारों से हस्तक्षेप की मांग की जाती रही है। कमेटी के सदस्य भी इस मुद्दे को लेकर सरकार के समक्ष अपनी बात रखते रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में तीन साल में 23 प्रतिशत घटी स्नातकों की संख्या



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सरकारी डिग्री कॉलेजों से स्नातक होने वाले छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन अकादमिक सत्रों में स्नातकों की संख्या करीब 23 प्रतिशत कम हुई है। वर्ष 2023-24 में जहां 23,655 छात्र स्नातक हुए थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या घटकर 21,153 और 2025-26 में 18,312 रह गई। इस तरह तीन वर्षों में 5,343 स्नातकों की कमी दर्ज की गई, जो 22.6 प्रतिशत है। इस गिरावट का असर जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में देखने को मिला है। जम्मू संभाग में स्नातकों की संख्या 11,535 से घटकर 8,644 रह गई, यानी 25.1 प्रतिशत की कमी। जम्मू जिले में यह गिरावट 34.1 प्रतिशत रही। यहां 2023-24 में 5,930 छात्र स्नातक हुए थे, जबकि 2025-26 में यह संख्या 3,906 रह गई। राजौरी में स्नातकों की संख्या 1,593 से घटकर 728 रह गई, जो 54.3 प्रतिशत की गिरावट है। उधमपुर में भी 1,716 से घटकर 895, डोडा में 874 से 534 और पुंछ में 671 से 474 स्नातक रह गए। हालांकि किश्तवाड़, रियासी, सांबा, रामबन और कठुआ जैसे कुछ जिलों में स्नातकों की संख्या बढ़ी है। कठुआ में यह संख्या 121 से बढ़कर 1,001 पहुंची है। कश्मीर संभाग में भी स्नातकों की संख्या 12,120 से घटकर 9,668 रह गई, यानी 20.2 प्रतिशत की कमी। श्रीनगर में 4,190 से घटकर 3,352, बारामुला में 2,188 से 1,553 और पुलवामा में 1,075 से 802 स्नातक रह गए। कुलगाम में सबसे अधिक 42.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, सरकारी डिग्री कॉलेजों में घटते दाखिले, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में, इस गिरावट का प्रमुख कारण हैं। रोजगार के बदलते अवसरों ने भी पारंपरिक डिग्री पाठ्यक्रमों के प्रति छात्रों की रुचि को प्रभावित किया है।

रोजगारपरक पढ़ाई की बढ़ती मांग ने बदली छात्रों की पसंद

सीमावर्ती गांवों में बढ़ेगी डिजिटल रफ्तार उमर सरकार ने मोबाइल टावरों को दी जमीन

दूरदराज इलाकों में सुधरेगी संचार व्यवस्था, उरी से बनिहाल तक लगेंगे मोबाइल टावर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



सीमांत क्षेत्रों में दूर होगी नेटवर्क की समस्या, बीएसएनएल लगाएगा नए मोबाइल टावर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने दूर-दराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता वाली सरकार ने कम सुविधा वाले इलाकों में मोबाइल टावर स्थापित करने के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध कराने को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में तेज और भरोसेमंद दूरसंचार सेवाओं का विस्तार करना है।

सरकार के इस निर्णय के तहत यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के माध्यम से बीएसएनएल के मोबाइल टावर स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए उरी, तंगमर्ग, करनाह, कालाकोट, क्रालपोरा, बसंतगढ़, खौर, लट्टी मरोठी, बनिहाल, पोगल परिस्तान, रामसू और किला दरहाल जैसे क्षेत्रों में जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। ये क्षेत्र भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ कई स्थानों पर दूरसंचार सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जम्मू-कश्मीर के किसी भी नागरिक को भौगोलिक स्थिति के कारण डिजिटल सेवाओं और आधुनिक संचार सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े। दूर-दराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध होने से लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में भी सुविधा मिलेगी।

सरकार के अनुसार, प्रस्तावित मोबाइल टावरों से इन क्षेत्रों में चौथी पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क का विस्तार होगा। इससे वर्तमान में कमजोर या सीमित नेटवर्क वाले इलाकों में संचार व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। मोबाइल नेटवर्क मजबूत होने से स्थानीय लोगों को फोन और इंटरनेट सेवाओं का अधिक प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर मिलेगा।

बेहतर दूरसंचार व्यवस्था का सीधा लाभ विद्यार्थियों को भी मिलेगा। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं, अध्ययन सामग्री और डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों का इस्तेमाल आसानी से कर सकेंगे।

श्रीनगर में अल-उमर मुजाहिदीन को फिर सक्रिय करने की आइएसआइ की साजिश



मुश्ताक लटरम के जरिए कश्मीर में आतंकी नेटवर्क बढ़ाने की तैयारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवाद को फिर से सक्रिय करने के प्रयासों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों के स्तर पर चिंता बढ़ी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ पुराने आतंकी संगठन अल-उमर मुजाहिदीन को फिर सक्रिय करने की कोशिश कर रही है। संगठन का नेतृत्व मुश्ताक अहमद जरगर उर्फ मुश्ताक लटरम करता है। आशंका जताई जा रही है कि इसके जरिए लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियों को बढ़ाने के साथ स्थानीय युवाओं की आतंकी भर्ती का प्रयास किया जा सकता है। घाटी में पिछले कुछ समय में स्थानीय आतंकियों की संख्या काफी कम हुई है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां इस संभावित प्रयास को गंभीरता से देख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, आइएसआइ श्रीनगर सहित कश्मीर के कुछ हिस्सों में पुराने नेटवर्क को सक्रिय करने की कोशिश कर सकती है। मुश्ताक अहमद जरगर उन तीन आतंकियों में शामिल था, जिन्हें दिसंबर 1999 में कंधार विमान अपहरण मामले के दौरान यात्रियों की रिहाई के बदले भारत सरकार ने छोड़ा था। उसके साथ जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर और शेख उमर सईद को भी रिहा किया गया था। लटरम का संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से रहा है। उसके बारे में सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि उसने अफगानिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी प्रशिक्षण शिविरों में कश्मीरी युवाओं को प्रशिक्षण देने में भूमिका निभाई। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के बाद अल-उमर मुजाहिदीन का भी प्रभावशाली नेटवर्क रहा था। इसका कारण यह भी बताया जाता है कि लटरम श्रीनगर के डाउनटाउन क्षेत्र का रहने वाला था। संगठन पर कश्मीर में कई आतंकी घटनाओं में शामिल होने के आरोप रहे हैं।

बारामुला में अफजल गुरु के मकान के आसपास बने अवैध ढांचे प्रशासन ने किए ध्वस्त

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



उत्तरी कश्मीर के बारामुला में जिला प्रशासन ने मंगलवार को गुलनार पार्क के पास स्थित आतंकी अफजल गुरु से संबंधित मकान के आसपास बने शेड और अन्य ढांचों को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन की यह कार्रवाई सरकारी जमीन पर नियमों के विरुद्ध बनाए गए निर्माण को हटाने के तहत की गई बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान मजिस्ट्रेट के साथ राजस्व विभाग और प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, जिस परिसर में यह कार्रवाई की गई, वहां अफजल गुरु के परिवार से संबंधित डेयरी फार्म संचालित था। बताया गया है कि डेयरी फार्म के लिए बनाए गए कुछ शेड और अन्य ढांचे सरकारी जमीन पर थे। प्रशासन ने इन्हें नियमों के विपरीत निर्मित माना। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से कार्रवाई को लेकर आधिकारिक रूप से कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है।

सूत्रों ने बताया कि प्रशासन की कार्रवाई मुख्य आवासीय मकान तक सीमित नहीं रही। मकान के आसपास बनाए गए शेड और अन्य निर्माण ही हटाए गए हैं। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी रही।

अफजल गुरु जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा आतंकी था। 13 दिसंबर 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले के मामले में उसे मुख्य दोषियों में शामिल किया गया था। संसद हमले के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद उसके खिलाफ लंबी कानूनी प्रक्रिया चली।

जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्याओं के सत्यापन की प्रक्रिया तेज

घुसपैठियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, जम्मू-कश्मीर में पहचान अभियान हुआ तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया तेज होने जा रही है। प्रशासन ने 504 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट करने के बाद अब प्रदेश में रह रहे 15 हजार से अधिक रोहिंग्याओं के सत्यापन पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके साथ ही इनके जम्मू-कश्मीर में पहुंचने और यहां बसने में मदद करने वाले नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी इसी वर्ष अगस्त में जम्मू-कश्मीर में जनसांख्यिकीय बदलाव का आकलन करने पहुंचे केंद्र सरकार के उच्चस्तरीय दल के दौरे के बाद तेज हुई थी। प्रशासन अब विभिन्न इलाकों में रह रहे ऐसे लोगों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच कर रहा है।

सीमावर्ती इलाकों में अवैध बसावट रोकने के लिए प्रशासन सक्रिय

पिछले माह जम्मू के नरवाल क्षेत्र में रोहिंग्या बस्ती को खाली कराया गया था। इसके बाद रैका के जंगल में वन भूमि पर कब्जा कर बसाई गई रोहिंग्या झुग्गियों पर भी प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और बिना अनुमति रह रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

केंद्रीय दल से जुड़े आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में 504 बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी सामने आई है। इनमें कश्मीर क्षेत्र में भी बड़ी संख्या बताई गई है। वहीं, रोहिंग्याओं को शामिल करने पर केंद्रशासित प्रदेश में ऐसे लोगों की संख्या 15 हजार से अधिक होने का अनुमान है।

प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अब यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि इन लोगों को जम्मू-कश्मीर तक पहुंचाने और यहां बसाने में किन लोगों या संगठनों की भूमिका रही है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां इस पहलू को गंभीरता से देख रही हैं। जांच के दौरान दस्तावेजों, पहचान और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराए गए ठिकानों की भी पड़ताल की जा सकती है। अधिकारियों का कहना है कि सत्यापन के बाद नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरनिया में ड्रोन से हथियार-नशा मंगाने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, बिशनाह



जम्मू जिले के अरनिया क्षेत्र में पुलिस ने सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थ मंगवाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से इटली निर्मित बेरेटा पिस्तौल, दो मैगजीन, चार गोलियां, करीब आधा किलोग्राम हेरोइन और लगभग आधा किलोग्राम अफीम बरामद की है। इस संबंध में अरनिया पुलिस थाने में प्राथमिकी संख्या 64 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बेरेटा पिस्तौल, हेरोइन और अफीम की बरामद

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अजय कुमार और रोहित सहित तीन लोगों के रूप में हुई है। तीनों अरनिया क्षेत्र के त्रेवा और तलाड़ गांवों के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जम्मू के एसएसपी जोगिंदर सिंह की निगरानी में की गई। अभियान में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और अरनिया थाने की टीम शामिल रही।

पुलिस को सूचना मिली थी कि रोहित कुमार नाम का एक युवक अवैध पिस्तौल लेकर घूम रहा है। इसके बाद पुलिस ने उसे बाजार से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से बेरेटा पिस्तौल, मैगजीन और चार गोलियां बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि हथियार दो अक्टूबर को सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से त्रेवा इलाके के एक सुनसान स्थान पर गिराए गए थे।

इसके बाद पुलिस ने उसके दो कथित साथियों को भी गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उनके कब्जे से हेरोइन और अफीम बरामद होने की बात सामने आई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपितों ने पंजाब में आठ पिस्तौल आपराधिक छवि वाले लोगों तक पहुंचाने की जानकारी भी दी है।

रामनगर में 11 अक्तूबर को जलेगी मां पिंगला की 40वीं अखंड ज्योति



भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर रामनगर में मां पिंगला देवी की भक्ति का रंग चढ़ने लगा है। पिंगला माता अखंड ज्योति कमेटी की ओर से मां पिंगला की 40वीं अखंड ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस धार्मिक आयोजन को लेकर रामनगर और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। कमेटी के संयोजक विनय जंडियाल ने बताया कि 11 अक्तूबर को घास मंडी स्थित निर्माणाधीन पिंगला माता भवन में धार्मिक अनुष्ठान के साथ अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाएगी। सुबह आठ बजे हवन-यज्ञ का आयोजन होगा, जबकि 11 बजे मां पिंगला की 40वीं अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाएगी। दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मां का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मां पिंगला की अखंड ज्योति प्रज्वलित करने और ज्योति यात्रा निकालने की परंपरा वर्ष 1987 में स्वर्गीय ओपी जंडियाल ने शुरू की थी। करीब चार दशक से यह धार्मिक परंपरा लगातार जारी है। प्रत्येक वर्ष शारदीय नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

जम्मू के मोती बाजार में चार दुकानें सील, व्यापारियों ने बंद किया बाजार



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के व्यस्त मोती बाजार में मंगलवार सुबह चार दुकानों को सील किए जाने के बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया। सुबह जब व्यापारी दुकानें खोलने पहुंचे तो चार दुकानों पर नगर निगम की सील लगी देखकर उनमें रोष फैल गया। व्यापारियों का कहना था कि उन्हें बिना पूर्व सूचना दिए कार्रवाई की गई।

निगम कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद

कुछ ही देर में बाजार के अन्य दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए और नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया। व्यापारियों ने विरोध स्वरूप बाजार बंद रखने का फैसला किया। उनका आरोप था कि त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले निगम की इस कार्रवाई से कारोबार प्रभावित हो रहा है और उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक युद्धवीर सेठी भी मोती बाजार पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और नगर निगम की कार्रवाई को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय व्यापारियों को राहत देने के बजाय उन्हें परेशान किया जा रहा है। व्यापारियों ने भी विधायक के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं और कार्रवाई वापस लेने की मांग की।

जम्मू नगर निगम की राजस्व शाखा के अनुसार, चारों दुकानदारों को करीब दस दिन पहले अतिक्रमण को लेकर नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस में निर्धारित अवधि के भीतर जवाब देने को कहा गया था।

जम्मू मंडल के रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा से बदलेगा बिजली खर्च का गणित



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और रेल परिसरों में सौर ऊर्जा संयंत्रों का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत जम्मू मंडल में 18 नए सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इन संयंत्रों के चालू होने के बाद रेलवे की बिजली पर निर्भरता कम होगी और हर वर्ष बिजली बिल में लाखों रुपये की बचत होने की उम्मीद है। वर्तमान में जम्मू मंडल के पांच प्रमुख डिपो में कुल 1,745 किलोवाट यानी 1.745 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित हैं। नए संयंत्रों के शुरू होने के बाद मंडल में सौर ऊर्जा उत्पादन की कुल क्षमता बढ़कर 2,553 किलोवाट यानी 2.55 मेगावाट से अधिक हो जाएगी। इससे रेलवे परिसरों में बिजली की जरूरत का एक हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा से पूरा किया जा सकेगा। जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म, बुकिंग कार्यालय, पार्सल घर और अन्य परिसरों में पहले से ही सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर स्थापित एक मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र रेलवे की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। जम्मू मंडल में अब कुल 808 किलोवाट क्षमता के 18 नए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता विशाल राठी के अनुसार, कटड़ा रेलवे स्टेशन पर 450 किलोवाट क्षमता के नए संयंत्र की स्थापना का काम 12 सितंबर से शुरू हो चुका है। इसे दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा शहीद कैप्टन तुषार महाजन ऊधमपुर रेलवे स्टेशन पर 358 किलोवाट क्षमता के 13 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने हैं। इनके निर्माण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद जम्मू मंडल में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा।

कटड़ा और ऊधमपुर स्टेशनों पर बढ़ेगी हरित ऊर्जा की क्षमता

महबूबा मुफ्ती ने न्यायपालिका के फैसलों पर उठाए गंभीर सवाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अदालत में सुनवाई के दौरान कई बार बड़ी-बड़ी बातें कही जाती हैं, लेकिन जब फैसला सुनाने का समय आता है तो उसका परिणाम कही गई बातों से अलग दिखाई देता है।

न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर महबूबा ने जताई आपत्ति

महबूबा मुफ्ती ने यह प्रतिक्रिया भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की उस टिप्पणी के बाद दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए चुनाव आयोग द्वारा बदले गए फार्म-6 को मंजूरी नहीं दी है।

महबूबा ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में न्यायपालिका के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में ऐसी कई गतिविधियां बार-बार हुई हैं, जिन्हें अदालत की अवमानना के बराबर माना जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाओं को धीरे-धीरे सामान्य बना दिया गया और मामला आगे बढ़ता रहा।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अदालत में किसी मामले की सुनवाई के दौरान न्यायपालिका की ओर से कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां की जाती हैं। इन टिप्पणियों से यह संकेत मिलता है कि मामले को गंभीरता से देखा जा रहा है और संबंधित पक्षों के प्रति कड़ा रुख अपनाया जा सकता है। हालांकि, उनके अनुसार अंतिम निर्णय आने पर कई बार तस्वीर अलग नजर आती है।

महबूबा ने अपने बयान में कहा कि अदालत की मौखिक टिप्पणियों और अंतिम फैसले के बीच अंतर को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने न्यायपालिका के पिछले एक दशक के कामकाज का संदर्भ देते हुए कहा कि अदालत की अवमानना के दायरे में आने वाली कथित गतिविधियों को बार-बार सामान्य रूप से स्वीकार किया गया है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक स्तर पर चर्चा जारी है। महबूबा मुफ्ती पहले भी चुनावी प्रक्रिया और जम्मू-कश्मीर से जुड़े विभिन्न मामलों को लेकर अपनी राय सार्वजनिक करती रही हैं। उनके ताजा बयान से इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

नवरात्र में वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं को मिलेंगी अनेकों नई सुविधाएं



भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर। शारदीय नवरात्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने कई नई व्यवस्थाएं शुरू करने की तैयारी की है। यात्रा मार्ग से लेकर भवन परिसर तक श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इनमें विशेष प्रतीक्षा हॉल, दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क सेवाएं, परिक्रमा पथ और लिफ्ट की सुविधा प्रमुख हैं। नवरात्र के दौरान मौसम खराब होने या भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसके लिए दर्शनी ड्योढ़ी, अर्धकुंवारी, हिमकोटी और सांझीछत समेत यात्रा मार्ग के प्रमुख स्थानों पर विशेष प्रतीक्षा हॉल बनाए गए हैं। यहां श्रद्धालु कुछ समय ठहरकर आराम कर सकेंगे।

दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए घोड़ा-खच्चर और बैटरी कार की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा उनके लिए विशेष दर्शन और भोजन की व्यवस्था भी की गई है। बुजुर्ग और जरूरतमंद श्रद्धालुओं के लिए भी बैटरी कार तथा हेलीकाप्टर सेवा की विशेष व्यवस्था रहेगी।

नवरात्र में त्रिकुटा परिक्रमा लिफ्ट और दिव्यांगों को निशुल्क सेवाओं का मिलेगा लाभ

मथुरा-गोवर्धन की तर्ज पर त्रिकुटा पर्वत की परिक्रमा के लिए पथ तैयार किया जा रहा है। श्रद्धालु परिक्रमा के दौरान मार्ग में आने वाले प्रमुख मंदिरों में दर्शन और आराधना कर सकेंगे।

भवन परिसर में दो आधुनिक लिफ्ट और स्टील रैंप लगाए गए हैं। इससे बुजुर्ग, दिव्यांग और बीमार श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी।

फर्जी गृह मंत्रालय मुहर से दो करोड़ की ठगी, दो गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सरकारी नौकरी, विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की नियुक्ति और विदेश में दाखिले का झांसा देकर लोगों से करीब दो करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक अधिवक्ता जहांगीर अहमद डार और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फ्रंट के चेयरमैन फिरदौस नबी को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के ठिकानों से गृह मंत्रालय की फर्जी मुहर, नियुक्ति पत्र और अन्य जाली दस्तावेज बरामद हुए हैं। एसएसपी बड़गाम केके हरिप्रसाद के अनुसार, मामला 17 अगस्त 2026 को बीरवाह थाने में दर्ज शिकायत के बाद सामने आया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एसपीओ की नौकरी दिलाने के नाम पर उससे करीब तीन लाख रुपये लिए गए और बदले में गृह मंत्रालय के नाम से फर्जी नियुक्ति एवं सिफारिश पत्र दिया गया। जांच में सामने आया कि फर्जी पत्र पर तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन का नाम दर्ज था। पत्र में बड़गाम के विभिन्न गांवों के 10 युवाओं को एसपीओ नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी। पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए जहांगीर डार के जम्मू स्थित नानक नगर के किराये के ठिकाने पर छापा मारा। यहां से फर्जी सरकारी आदेश, मुहर, 12 एटीएम कार्ड, खाली बैंक लेटरहेड, पहचान पत्र, पासपोर्ट और वीजा संबंधी दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस को एक डायरी भी मिली, जिसमें कथित तौर पर पैसों के लेन-देन का हिसाब दर्ज था।

भारत एक देश, कोई धर्मशाला नहीं





विजय शर्मा

सोने की चिड़िया भारत को मुगलों एवं विदेशी ताकतों ने अपने ही देश में पनपे गद्दारों के साथ मिलकर जी भरकर लूटा है और आज भी कुछ ताकतें इसे लूटाने पर आमादा हैं। वे इस बात को समझ ही नहीं पा रहे हैं कि जब देश ही नहीं बचेगा तो फिर उनका क्या होगा। किंतु वे किसी भी तरह से देश को धर्म, जाति और संप्रदाय के नाम पर बांटने में लगे हुए हैं, ताकि भारत फिर उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से उसे उभरने में सैकड़ों वर्ष लग जाएं। आज भारत ऐसे मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां दुनिया उसे एक महाशक्ति के रूप में देखने लगी है, किंतु तथाकथित गद्दारों की वजह से देश को नीचा दिखाने की कोशिशें भी चरम पर हैं।

ये ताकतें अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए विदेशों में भारत की छवि खराब करने के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इसके लिए उन्हें किसी भी विदेशी ताकत का सहारा लेना पड़े, वे उससे भी गुरेज नहीं करेंगे। जब तक ऐसी मानसिकता वाले नेता और उनके समर्थक देश को बदनाम करने की साजिशें रचते रहेंगे, तब तक यह सवाल बना रहेगा कि देश को कौन और कैसे बचाएगा। लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार सभी को है, लेकिन देश की एकता, अखंडता और सम्मान को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश का विरोध होना चाहिए।

देश तभी महाशक्ति बन सकता है, जब उसकी सीमाएं चाक-चौबंद हों और कोई भी विदेशी व्यक्ति अवैध तरीके से हमारे देश की सरहद को तोड़कर अंदर दाखिल न हो सके। आज हमारे देश में बड़ी संख्या में रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध रूप से दाखिल हो चुके हैं। यदि इनमें से कोई व्यक्ति देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है तो उसकी पहचान कर उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई करना जरूरी है। इससे पहले कि कोई व्यक्ति अपने गलत मंसूबों को पूरा करने में कामयाब हो, सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क होकर ऐसे प्रयासों को ध्वस्त करना होगा।

दुर्भाग्य इस बात का है कि कुछ विदेशी ताकतें और हमारे ही कुछ तथाकथित नेता भी ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं। वे देश को ऐसी आग में झोंकने की फिराक में हैं कि सब कुछ तबाह हो जाए और जो हमारा भारत इस वक्त प्रगति के पथ पर सवार होकर सरपट दौड़ रहा है, उसकी गति को ग्रहण लग जाए। यदि देश के भीतर ही आपसी अविश्वास, धार्मिक और जातीय तनाव तथा राजनीतिक स्वार्थ बढ़ते रहे तो इसका नुकसान पूरे देश को उठाना पड़ेगा।

हमें यह समझना होगा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता, लोकतंत्र और एकता में है। धर्म, जाति और संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशें देश को कमजोर करती हैं। ऐसे किसी भी प्रयास का सामना लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से करना होगा। साथ ही देश की सीमाओं की सुरक्षा, अवैध घुसपैठ पर नियंत्रण और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है।

हमें ऐसे नेताओं और उनके मंसूबों को पूरा करने वालों के खिलाफ एकजुट होकर सामना करने की जरूरत है। देश को मजबूत बनाने के लिए नागरिकों को जागरूक होना होगा और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत तथा राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर रखना होगा। तभी हमारा देश महाशक्ति बनकर दुनिया को नई राह दिखा पाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और मजबूत भारत का निर्माण संभव होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देवभूमि की राजधानी शिमला में प्रकृति के साथ धार्मिक पर्यटन का अद्भुत संगम





तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

हिमाचल प्रदेश की देवभूमि की राजधानी शिमला जहां अपने प्राकृतिक सौंदर्य से लबालब है, वहीं धार्मिक आस्था से भी सराबोर है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता को निहारने के लिए वर्ष भर सैलानियों का महासैलाब उमड़ा रहता है। समस्त शिमला, जो पहाड़ों की रानी के नाम से विश्वविख्यात है, हर मौसम में आगंतुकों को अपनी प्राकृतिक खूबसूरती की ओर आकर्षित करता है। मुख्य शिमला में अनेकों पर्यटन स्थल हैं, वहीं इसके इर्द-गिर्द मां कालीबाड़ी का प्राचीन मंदिर, जाखू में अवस्थित हनुमानजी का अलौकिक एवं प्राचीन दिव्य मंदिर, भव्य गुरुद्वारा तथा रिज मैदान का ऐतिहासिक चर्च पर्यटकों को आत्मिक शांति प्रदान करते हैं।

वैसे भी हिमाचल प्रदेश ऋषि-मुनियों और देवी-देवताओं की तपोस्थली है। इसलिए यह राज्य देश-विदेश में देवभूमि के नाम से प्रख्यात है। राज्य के कोने-कोने में देवी-देवताओं के सैकड़ों ऐतिहासिक एवं प्राचीन मंदिर हैं, जो श्रद्धालुओं और सैलानियों के लिए आकर्षण तथा आस्था के केंद्र बने हुए हैं। शिमला के रिज मैदान के आसपास राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, हिमाचल प्रदेश के निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार तथा पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की भव्य एवं कलात्मक प्रतिमाएं पर्यटकों और छायाकारों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। लक्कड़ बाजार और माल रोड सैलानियों के लिए किसी सैरगाह से कम नहीं हैं। हरियाली से आच्छादित घने देवदार के ऊंचे-ऊंचे वृक्ष शिमला की निराली शोभा को और भी चार चांद लगा देते हैं। मंद-मंद बहती समीर के झोंके और अनगिनत पेड़ों पर चहकते पक्षियों का कलरव ऐसा अद्भुत और खूबसूरत मंजर प्रस्तुत करता है कि सैलानी आनंदित होकर इस ओर खिंचे चले आते हैं। वेदों और पुराणों में भी हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के रूप में जाना जाता है। राज्य के प्रत्येक भूभाग में देवी-देवताओं की नित्य पूजा होती है और यहां के लोगों में ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा एवं अखंड आस्था समाहित है। राज्य की विश्व प्रसिद्ध राजधानी शिमला पर्यटन की दृष्टि से अतीव सौंदर्य से आच्छादित होने के कारण पर्यटकों को अपनी ओर आमंत्रित करती है। शिमला के इर्द-गिर्द निहारने के लिए अनेकों सैरगाह स्थल हैं। यहां की अद्भुत दृश्यावली प्राकृतिक प्रेमियों और श्रद्धालुओं को बरबस अपनी ओर खींच लेती है, जिसका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि मुख्य शिमला किसी निपुण चित्रकार की कल्पना से सुशोभित किया गया हो। अगर यह कहा जाए कि पर्यटन के साथ-साथ यह क्षेत्र धार्मिक आस्था से भी सराबोर है, तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सूर्यास्त के विहंगम दृश्य के लिए मशहूर जाखू हिल शिमला की सबसे ऊंची चोटी है। समुद्र तल से 2,438 मीटर की ऊंचाई और रिज से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह पहाड़ी चोटी अत्यंत रमणीय है। यहां से पर्यटक समस्त शिमला के विहंगम चित्र उकेर सकते हैं। यह छायाकारों के लिए भी आकर्षक स्थल है। यहीं पर हनुमानजी का भव्य मंदिर और उनकी 108 फुट ऊंची अलौकिक मूर्ति हरेक के मन को आत्मिक सुकून प्रदान करती है। इस मूर्ति के अलौकिक दीदार दूर-दूर से भी किए जा सकते हैं।

इसी क्रम में शिमला के रिज मैदान में स्थित पुरातन कालीबाड़ी मंदिर शिमला के सौंदर्य में और भी श्रीवृद्धि करता है। वास्तव में यह मंदिर लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था का केंद्र है। सैलानी जब भी शिमला आते हैं, तो मां काली के इस भव्य मंदिर के दर्शन किए बगैर नहीं रहते। मंदिर में स्थापित मां काली की दिव्यता प्रदान करने वाली मूर्ति के दर्शन करके श्रद्धालुओं को सुखद एवं अलौकिक आनंद की अनुभूति होती है। मंदिर की भव्यता दूर से ही नजर आती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

यूपीएससी में बदलाव जरूरी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक अक्टूबर 1926 को अपनी स्थापना के बाद सौ वर्ष पूरे कर लिए हैं। देश के शासन-प्रशासन में प्रतिभाशाली युवाओं का चयन मेरिट और निष्पक्षता के आधार पर करने वाली इस संस्था ने लंबे समय में अपनी विश्वसनीयता कायम रखी है। 1950 में सरदार वल्लभभाई पटेल की दृष्टि के अनुरूप इसे संघ लोक सेवा आयोग का नाम मिला। यह संतोष की बात है कि इतने लंबे सफर में संस्था पर कोई बड़ा दाग नहीं लगा। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किए। हालांकि, बदलते भारत और 21वीं सदी की नई जरूरतों को देखते हुए केवल उपलब्धियों पर संतुष्ट रहना पर्याप्त नहीं है। यूपीएससी की परीक्षा प्रणाली और चयन प्रक्रिया में समयानुकूल सुधार की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

प्रारंभिक परीक्षा को लेकर पिछले एक दशक से सवाल उठते रहे हैं। इस वर्ष मई में हुई प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए कई प्रश्नों को लेकर अभ्यर्थियों ने यह सवाल उठाया कि उनका विश्वविद्यालयी शिक्षा और सामान्य अध्ययन की पारंपरिक तैयारी से कितना संबंध है। प्रारंभिक परीक्षा और सी-सेट की संरचना पर भी समय-समय पर बहस होती रही है। यदि प्रारंभिक चरण में ही देश की बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली प्रतिभाएं बाहर हो जाएं तो मुख्य परीक्षा तक पहुंचने वाले उम्मीदवारों का चयन कितना व्यापक और प्रतिनिधिक है, इस पर विचार होना चाहिए। संसदीय समिति द्वारा भी प्रारंभिक परीक्षा में सुधार की सिफारिश किया जाना इस बहस की गंभीरता को दर्शाता है। परीक्षा की पारदर्शिता और प्रश्नपत्र की उपयोगिता पर किसी भी तरह का संदेह आयोग की प्रतिष्ठा के लिए उचित नहीं है।

आरक्षित वर्ग के प्रमाण-पत्रों से जुड़ी समस्याएं भी आयोग के सामने बड़ी चुनौती हैं। ईडब्ल्यूएस और ओबीसी सहित विभिन्न श्रेणियों के प्रमाण-पत्रों की सत्यता को लेकर लगातार सवाल सामने आते रहे हैं। पूजा खेडकर प्रकरण ने भी चयन प्रक्रिया में प्रमाण-पत्रों की जांच और सत्यापन व्यवस्था की कमियों को उजागर किया था। फर्जी या संदिग्ध प्रमाण-पत्रों के इस्तेमाल को रोकने के लिए ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जिसमें आवेदन से लेकर नियुक्ति तक प्रत्येक दस्तावेज का डिजिटल और स्वतंत्र सत्यापन हो। नाम परिवर्तन, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र अथवा आरक्षण से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी यदि समय रहते पकड़ में नहीं आती तो इससे केवल एक उम्मीदवार का मामला प्रभावित नहीं होता, बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठता है। ऐसे मामलों में संबंधित विभागों और अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

नियुक्ति और प्रशिक्षण की प्रक्रिया में देरी भी गंभीर विषय है। यदि परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद भी सफल अभ्यर्थी लंबे समय तक प्रशिक्षण के लिए नियुक्त नहीं हो पाते हैं तो इसका असर प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ता है। आयोग और संबंधित सरकारी विभागों को प्रमाण-पत्रों के सत्यापन तथा अन्य औपचारिकताओं की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। करीब 25 लाख युवा यूपीएससी की ओर उम्मीद और विश्वास से देखते हैं। इसलिए चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी के साथ-साथ अनावश्यक देरी भी नहीं होनी चाहिए।

मुख्य परीक्षा में करीब डेढ़ दशक पहले नैतिकता का प्रश्नपत्र जोड़ा गया था। इसका उद्देश्य प्रशासनिक सेवा में प्रवेश करने वाले युवाओं में ईमानदारी, संवेदनशीलता और सार्वजनिक जीवन के मूल्यों को मजबूत करना था। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान अथवा सेवा के शुरुआती वर्षों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े अधिकारियों के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह समीक्षा आवश्यक है कि नैतिकता का प्रश्नपत्र अपने उद्देश्य में कितना सफल रहा है। केवल लिखित परीक्षा में नैतिकता का मूल्यांकन पर्याप्त नहीं हो सकता। चयन और प्रशिक्षण के दौरान व्यवहार, निर्णय क्षमता, सार्वजनिक सेवा के प्रति दृष्टिकोण और ईमानदारी जैसे पहलुओं का व्यावहारिक आकलन भी होना चाहिए।

अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु सीमा पर भी नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। वर्तमान में सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु 32 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 37 वर्ष है। जब सिविल सेवाओं में भर्ती की शुरुआत हुई थी, तब न्यूनतम आयु और अधिकतम आयु की व्यवस्था अलग थी। 1979 में कोठारी समिति की सिफारिशों के बाद परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव किए गए थे। उस समय उच्च शिक्षा का प्रसार आज की तुलना में सीमित था। आज देश के छोटे शहरों और गांवों तक उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों की पहुंच बढ़ चुकी है। ऐसे में युवा प्रतिभाओं को कम उम्र में प्रशासनिक व्यवस्था से जोड़ने के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। आईआईटी और अन्य संस्थानों से निकलने वाले अनेक युवा 21-22 वर्ष की उम्र में ही तकनीक, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। प्रशासनिक सेवाओं को भी ऐसी युवा प्रतिभा का लाभ मिलना चाहिए। यूपीएससी की तैयारी में बढ़ती कोचिंग निर्भरता भी चिंता का विषय है। बड़े शहरों में महंगी कोचिंग, आवास और अध्ययन का खर्च आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं के लिए बड़ी बाधा बनता जा रहा है।

-शिवांश धाकड़

कविता

पिता होते हैं भगवान

जान्हवी गोयल

पहाड़ों-सी ऊंची जिम्मेदारी, फिर भी चेहरे पर मुस्कान प्यारी,
अपनों की हर खुशी के खातिर, खुद से करते रहते तैयारी।
सबकी सुनते, सबका ध्यान रखते, मन की बात किसी से न कहते,
दर्द छिपाकर हंसते रहते, मुश्किल में भी कदम न रुकते।
मैंने देखा नहीं कभी भगवान,
मेरे पिता ही हैं मेरे भगवान।
हर मुश्किल में बनते ढाल,
हर चिंता को हंसकर देते टाल।
उनकी छांव में मिलती हमको,
हर पल जीने की नई उड़ान,
उनके शब्दों में बसता जैसे,
जीवन का सच्चा ज्ञान।
अपने सपनों को पीछे रखकर,
हमारे सपने सजाते हैं,
हम जब भी राहों में गिरते,
हाथ पकड़कर उठाते हैं।
हमारी हर छोटी खुशी को,
अपनी सबसे बड़ी खुशी मानते,
हमारे चेहरे की मुस्कान के लिए,
अपने गम भी चुपचाप छिपाते।
बाहर से चाहे कठोर दिखें,
मन से बेहद कोमल होते हैं,
बच्चों की हर एक चिंता को,
अपने सीने में लेकर सोते हैं।
हमारी हर चिंता हर लेते,
बनकर मजबूत दीवार,
पिता के चरणों में मिलता है,
जीवन का सच्चा प्यार।

साचुई गांव की प्राचीन मान्यता, भगवान शिव ने त्रिलोचन को बनाया अपना चेला





सुभाष चंद काशव
जौवा, गैहरा, जिला चंबा

आज हम बात कर रहे हैं श्री त्रिलोचन महादेव जी की जिनका भव्य मंदिर जिला चंबा में राष्ट्रीय उच्च मार्ग 154ए चंबा-भरमौर के धरवाला के समीप स्थित है। ऐसा माना जाता है कि श्री त्रिलोचन जी मूलत: भरमौर के गांव साचुई के निवासी थे।

साचुई एक ऐसा गांव जिसे प्राचीनकाल से ही शिवजी के चेलों का गांव कहा जाता है। भरमौर के एक छोर पर बसे इस गांव में समय के साथ काफी बदलाव आया है, लेकिन गांव में बने लकड़ी तथा स्लेटयुक्त मकान आज भी अपनी प्राचीनता को उजागर करते हैं। गांव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि रहा है, हालांकि समय के साथ यहां के कई लोग शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर भी पहुंचे हैं।

कहा जाता है कि भरमौर की स्थापना के समय साचुई गांव में कुछ परिवार निवास करते थे। एक दिन भगवान शिव ने गद्दी के वेश में गांव में आकर एक घर में आटा और नमक मांगा। उस घर में रहने वाली एक वृद्ध महिला ने कहा कि उनके पास आटा और नमक नहीं है, लेकिन गद्दी रूप में आए शिवजी ने कहा कि उनकी रसोई में लकड़ी के संदूक में आटा और बोरी में नमक रखा हुआ है। जब महिला ने अंदर जाकर देखा तो सचमुच वहां आटा और नमक मौजूद था। यह देखकर वह आश्चर्यचकित हो गई और श्रद्धा से आटा और नमक उस गद्दी को दे दिया।

इसके बाद शिवजी ने महिला से कहा कि यदि वह अपने बेटे त्रिलोचन को हडसर तक उनके साथ भेज दे, तो बदले में उसे एक भेड़ दी जाएगी। महिला ने अपने विवाहित पुत्र त्रिलोचन को उनके साथ भेज दिया। रास्ते में शिवजी ने कहा कि उनकी कुछ भेड़ें धनछो की ओर चली गई हैं और यदि त्रिलोचन वहां तक साथ चले तो उसे एक और भेड़ मिलेगी। इस प्रकार दोनों भेड़ों के झुंड के साथ चलते हुए मणिमहेश झील के पास पहुंच गए। वहां पहुंचकर शिवजी अचानक झील में कूद गए और त्रिलोचन भी उनके पीछे झील में उतर गए। झील के भीतर त्रिलोचन एक दिव्य स्थान पर पहुंचे, जहां शिवजी ने उनसे पूछा कि वे क्या काम जानते हैं। त्रिलोचन ने बताया कि वे दर्जी का काम जानते हैं। तब शिवजी ने उन्हें कुछ चोले सिलने के लिए दिए। लगभग पांच-छह महीने तक त्रिलोचन वहां भगवान शिव के साथ रहे। अंत में प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें दर्शन दिए और आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज से तुम त्रिलोचन महादेव कहलाओगे और तुम्हारे कुल के लोग मेरे चेले होंगे।

इसके बाद शिवजी ने उन्हें वापस घर भेजते हुए यह भी कहा कि इस रहस्य को किसी से भी न बताएं। उन्होंने आंखें बंद करने को कहा और जब त्रिलोचन ने आंखें खोलीं तो वे भरमाणी माता के मंदिर के पास एक खेत में खड़े थे। घर लौटने पर उनकी मां और पत्नी अत्यंत प्रसन्न हुईं, क्योंकि वे उन्हें मृत समझ चुकी थीं। कुछ समय बाद उनकी पत्नी ने उनसे बार-बार पूछा कि वे इतने दिनों तक कहां रहे और उनके पास आया सोना-चांदी कहां से आया।

अंतत: पत्नी के आग्रह पर त्रिलोचन ने ज्येष्ठ रविवार को सच्चाई बताई। जैसे ही उन्होंने पूरी कथा सुनाई, उसी क्षण उनके घर की छत फट गई और वे वहां से निकलकर दूसरे स्थानों पर जा गिरे। आगे की घटनाओं में उन्होंने कई स्थानों पर चमत्कार किए और अंतत: रावी नदी में बहते हुए एक स्थान पर पत्थर रूप में स्थापित हो गए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मिस वर्ल्ड 1999

युक्ता मुखी भारतीय सौंदर्य प्रतियोगिता जगत की उन चर्चित हस्तियों में शामिल हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन किया। उनका जन्म 7 अक्टूबर 1979 को हुआ था, हालांकि कुछ स्रोतों में उनकी जन्मतिथि 7 अक्टूबर 1977 भी बताई गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनका जन्म कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। उनका बचपन मुंबई और दुबई में बीता। युक्ता ने वर्ष 1999 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड 1999 का ताज जीतकर देश को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि के साथ वह मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला बनीं।



युक्ता मुखी
जन्म : 7 अक्टूबर 1979

युक्ता मुखी की पहचान केवल सौंदर्य प्रतियोगिता विजेता के रूप में नहीं रही। उन्होंने मॉडलिंग के बाद अभिनय के क्षेत्र में भी कदम रखा और हिंदी के साथ तमिल तथा तेलुगु फिल्मों में काम किया। अपने अभिनय करियर के दौरान उन्होंने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने का प्रयास किया। टेलीविजन और मनोरंजन जगत से जुड़े कार्यक्रमों में भी उनकी मौजूदगी देखने को मिली। उनकी शिक्षा और रुचियों का दायरा भी काफी व्यापक रहा है। उन्होंने मुंबई के वीजी वाजे कॉलेज से प्राणीशास्त्र की पढ़ाई की और कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा भी हासिल किया। इसके अलावा उन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण लिया, जिससे कला के प्रति उनकी रुचि का पता चलता है।

युक्ता की उपलब्धियों की चर्चा में वर्ष 1999 सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और भारत में भी उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। उनकी सफलता ने उस दौर में भारतीय सौंदर्य प्रतियोगिता को नई पहचान दिलाने में योगदान दिया। उनका व्यक्तित्व शिक्षा, मॉडलिंग, अभिनय और संगीत जैसी अलग-अलग रुचियों का मेल रहा है। आज भी युक्ता मुखी को मुख्य रूप से मिस वर्ल्ड 1999 के रूप में याद किया जाता है। उनकी यात्रा उन युवाओं के लिए प्रेरणादायक मानी जाती है, जो सौंदर्य प्रतियोगिताओं के साथ-साथ मनोरंजन और रचनात्मक क्षेत्रों में भी अपना करियर बनाना चाहते हैं।

खेतों से तालाबों तक नई संभावनाओं का विस्तार नीली क्रांति से बढ़ेगा उत्पादन और ग्रामीण रोजगार





अशोक चौबे

भारत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति के माध्यम से खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की और आज कई देशों को खाद्यान्न का निर्यात कर रहा है। इसके बाद श्वेत क्रांति ने देश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विश्व के प्रमुख देशों की कतार में खड़ा किया। अब इसी क्रम में मत्स्य क्षेत्र में आई नीली क्रांति ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और निर्यात के लिए नई संभावनाओं का आधार बन रही है। मत्स्यपालन अब केवल पारंपरिक आजीविका तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कृषि से जुड़े तेजी से विकसित होते क्षेत्रों में शामिल हो चुका है।

भारत में नीली क्रांति को संस्थागत रूप से बढ़ावा देने की प्रक्रिया सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान तेज हुई। मत्स्य किसान विकास एजेंसी की स्थापना के साथ मत्स्यपालन को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने की दिशा में कदम उठाए गए। इसके बाद गहरे समुद्र में मत्स्यपालन सहित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू हुए। देश में नीली क्रांति के विकास में डॉ. हीरालाल चौधरी और अरुण कृष्णन के योगदान को भी महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मत्स्यपालन विकास बोर्ड की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न प्रयासों में समन्वय स्थापित करना था।

भौगोलिक दृष्टि से भारत के पास मत्स्य क्षेत्र के विकास की अपार संभावनाएं हैं। देश के पास 11 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा और लगभग 24 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला विशेष आर्थिक क्षेत्र है। इसके अलावा नदियों, झीलों, तालाबों, जलाशयों और अन्य अंतर्देशीय जलस्रोतों का विशाल नेटवर्क मौजूद है। इसके बावजूद लंबे समय तक समुद्री संसाधनों और अंतर्देशीय जल क्षमता का अपेक्षित उपयोग नहीं हो पाया। अधिकांश मछली पकड़ने की गतिविधियां तटीय क्षेत्रों तक सीमित रहीं। वर्ष 2019 में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के लिए अलग मंत्रालय के गठन से मत्स्य क्षेत्र को स्वतंत्र नीतिगत पहचान मिली और विकास की दिशा में नए अवसर सामने आए।

आज भारत विश्व के प्रमुख मत्स्य उत्पादक देशों में शामिल है। मत्स्यपालन क्षेत्र देश की खाद्य सुरक्षा, पोषण और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। करोड़ों मछुआरे और मछली पालक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। उत्पादन में वृद्धि के साथ भारत समुद्री खाद्य उत्पादों के बड़े निर्यातकों में भी शामिल हो चुका है। भारतीय समुद्री खाद्य उत्पाद दुनिया के 120 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष में समुद्री खाद्य निर्यात का मूल्य 73 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह आंकड़ा वैश्विक बाजार में भारतीय समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग और क्षेत्र की आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

नीली क्रांति का दायरा केवल समुद्र में मछली पकड़ने तक सीमित नहीं है। इसमें अंतर्देशीय मत्स्यपालन, समुद्री मत्स्यपालन, गहरे समुद्र में मछली पकड़ना, मछली प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, शीत भंडारण और निर्यात जैसी गतिविधियां शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के माध्यम से कृषि तालाबों और जलस्रोतों का विकास कर मत्स्यपालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। ग्रामीण युवाओं को तालाबों का पट्टा देकर वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन से जोड़ना रोजगार और आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

इसके साथ ही नदियों और प्राकृतिक जलस्रोतों का संरक्षण भी जरूरी है। गोमती, वरुणा, घाघरा, बेतवा, यमुना और चंबल जैसी नदियों में मछली संसाधनों के संरक्षण के साथ स्थानीय मछुआरा समुदायों के पारंपरिक अधिकारों का ध्यान रखना होगा। मछुआरों के लिए नाव, जाल, दुर्घटना और जीवन बीमा जैसी सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्हें आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बेहतर मत्स्य प्रबंधन और बाजार की जानकारी उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जा सकती है।

नीली क्रांति की सफलता के लिए सतत मत्स्यपालन सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। समुद्र, नदियां और अन्य जलस्रोत सदियों से मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के आधार रहे हैं। इसलिए इनके संसाधनों का दोहन पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखकर होना चाहिए। अवैध, अनियंत्रित और बिना सूचना के होने वाली मछली पकड़ने की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ संरक्षण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। जल प्रदूषण पर नियंत्रण और जलीय जैव विविधता का संरक्षण भी समान रूप से जरूरी है।

मत्स्य क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं मछली पकड़ने तक सीमित नहीं हैं। प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, शीत भंडारण, लॉजिस्टिक्स, प्रशिक्षण, विपणन और निर्यात जैसी गतिविधियों में भी बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

भारत के लिए नीली क्रांति केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार, खाद्य सुरक्षा, पोषण, निर्यात और समुद्री अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का व्यापक माध्यम है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में मत्स्य क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए मछली पकड़ने को केवल पारंपरिक व्यवसाय के रूप में देखने के बजाय विज्ञान, तकनीक, नवाचार, आधुनिक प्रसंस्करण और वैश्विक बाजार से जोड़ना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

चंदैश-कोलनी-ढलवान सड़क 7 से 15 अक्तूबर तक बंद

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के अंतर्गत पटड़ीघाट-चंदेश सड़क पिछले करीब पांच माह से बड़े वाहनों के लिए बंद होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क क्षेत्र की तीन पंचायतों को आपस में जोड़ती है, लेकिन बसों और अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही बंद होने से लोगों को चंदेश, गेहरा, ज्वाली और जाजली आदि क्षेत्रों में आने-जाने के लिए निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों पर अतिरिक्त किराए का बोझ पड़ रहा है। कोट वार्ड की जिला परिषद सदस्य सुष्मिता शर्मा ने कहा कि सड़क पिछले पांच माह से बड़े वाहनों के लिए बंद है। समस्या को कई बार विभागीय अधिकारियों के ध्यान में लाया गया, लेकिन अभी तक सड़क को बस योग्य नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए निजी वाहन किराए पर लेने पड़ रहे हैं। सुष्मिता शर्मा ने आरोप लगाया कि कई बार अधिशाषी अभियंता से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन नहीं उठाया जाता। उन्होंने विभाग से सड़क की स्थिति जल्द सुधारकर बड़े वाहनों और बसों की आवाजाही बहाल करने की मांग की।

दिन से लेकर शाम तक बेतरतीब ढंग से चालक खड़ा कर देते है अपने वाहन, गाडियों को बना देते है बार

नादौन क्षेत्र का रंगस का नेशनल हाईवे बना पार्किंग, हर तीसरे दिन हो रही दुर्घटनाऐं

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर





सुरेंद्र कटोच। नादौन क्षेत्र के कस्बा रंगस में पूरे नेशनल हाईवे पर नजर दौड़ाई जाए तो यहां सबसे खुला मार्ग है, लेकिन इस खुले मार्ग को लोगों ने पार्किंग बना रखा है। शाम ढलते ही यहां न केवल लोग अपनी गाड़ियों को बेतरतीब ढंग से खड़ा कर देते हैं बल्कि गाड़ियों को वॉर रूम बनाकर उनमें शराब पी जाती है। हालात ये हैं कि आए दिन यहां दुर्घटनाएं हो जाती हैं। यही नहीं बस चालक भी चिह्नित स्थान पर बसों को खड़ी न करके अपने हिसाब से इधर-उधर बसों को खड़ा करते हैं।

इसके अलावा यहां बस स्टॉप होने के चलते कई चालक दस से पंद्रह मिनट तक बसों को खड़ा रखते हैं, इससे भी कई बार यहां खुले मार्ग पर जाम की स्थिति बन जाती है। बताते चलें कि इन दिनों धर्मशाला के लिए इस मार्ग पर वीआईपी मूवमेंट भी ज्यादा है, लेकिन बावजूद इसके यहां जाम की स्थिति बनी रहती है। काबिलेगौर है कि यहां एक होमगार्ड दिन में ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नियुक्त किया गया है, लेकिन इसके बावजूद बस चालक अपने निर्धारित स्थान पर बसें खड़ी नहीं करते हैं। बताया जा रहा है कि इस बारे स्थानीय लोगों ने कई बार मौखिक तौर पर नादौन पुलिस थाना में स्थिति सुधारने के लिए अनुरोध किया, लेकिन शिकायत आने के समय ही कुछ पल के लिए पुलिस वहां आती है और बाद में फिर वहीं अव्यवस्था बन जाती है।

इससे स्थानीय दुकानदारों को भी खासी परेशानी होती है। व्यापार मंडल ने बताया कि न केवल लोकल अपितु बाहर से आने वाले लोग भी खुला मार्ग देखकर बेतरतीब ढंग से यहां वाहन खड़े कर जाते हैं। इससे दुकानों के पास जाने को भी जगह नहीं बच पाती और उनके व्यापार पर भी इसका खासा असर पड़ता है।

चिह्नित स्थान पर नहीं खड़ी होती हमीरपुर की तरफ से जाने वाली बसें: काबिलेगौर है कि रंगस में आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा हमीरपुर से नादौन की तरफ जाने वाली एवं नादौन की तरफ से हमीरपुर की ओर जाने वाली बसों को सवारियां लेने के लिए बाकायदा बोर्ड लगाकर चिह्नित किया गया है, लेकिन हमीरपुर से नादौन की तरफ जाने वाली बसें चिह्नित स्थान पर खड़े न होकर कभी ऊपर रंगस बाजार के तंग स्थान तो कभी मनमाने तरीके से आगे कहीं भी बसें खड़ी कर देते हैं। हालांकि हमीरपुर से नादौन के लिए जाने वाली बसों को खड़ी होने के लिए बाकायदा बोर्ड लगाकर चिह्नित भी किया है, लेकिन न वहां खड़ा होमगार्ड व्यवस्था बना पाता है और न ही कभी-कभार चालान करने आती पुलिस व्यवस्था बना पाती है।

चिह्नित स्थान पर खड़ी करवाई जाए बसें: व्यापार मंडल प्रधान: स्थानीय व्यापार मंडल के प्रधान विजय अतुल का कहना है कि रंगस में बाकायदा बसों को सवारियां चढ़ाने के लिए स्थान चिह्नित किया गया है। इसके लिए नीचे खुले मार्ग पर पुलिस द्वारा बोर्ड भी लगाए गए हैं, लेकिन केवल नादौन से हमीरपुर की ओर जाने वाली बसें ही चिह्नित स्थान पर खड़ी करती हैं, जबकि हमीरपुर से नादौन की जाने वाली बसों को पीछे बाजार के तंग मार्ग पर ही खड़ा कर दिया जाता है। इससे न केवल जाम लगता है बल्कि दुर्घटनाएं भी खासी हो जाती हैं।

समीरपुर से जल शक्ति सब-डिवीजन हटाने पर विधायक से जवाब मांग रहे अध्यक्ष : राकेश ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर



भाजपा जिला हमीरपुर अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने भोरंज के विधायक सुरेश कुमार से समीरपुर से जल शक्ति विभाग का सब-डिवीजन दूसरी जगह स्थानांतरित करने के फैसले का औचित्य स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विधायक को समीरपुर में विकास की घोषणाएं करने से पहले जनता को बताना चाहिए कि कांग्रेस सरकार ने यहां उपलब्ध विभागीय सुविधाओं को कमजोर करने का निर्णय क्यों लिया। राकेश ठाकुर ने कहा कि यदि कांग्रेस सरकार क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर है तो समीरपुर में पहले से मौजूद प्रशासनिक एवं विभागीय ढांचे को मजबूत किया जाना चाहिए था।

उन्होंने सवाल किया कि समीरपुर से जल शक्ति विभाग का सब-डिवीजन हटाने के फैसले में विधायक की सहमति थी या नहीं। यदि विधायक इस निर्णय से सहमत नहीं थे तो उन्होंने इसका विरोध कब और किस मंच पर किया, यह भी जनता को बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल घोषणाओं और भाषणों के बजाय धरातल पर काम और ठोस जवाब चाहती है। एक ओर सरकार स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण विभागीय सुविधाओं को स्थानांतरित कर रही है और दूसरी ओर विधायक समीरपुर में विकास के दावे कर रहे हैं। ऐसे में विधायक को पहले अपनी ही सरकार के फैसले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इससे पहले भाजपा जिला हमीरपुर की कार्यसमिति की बैठक में आगामी तीन महीनों के संगठनात्मक कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। बैठक में जिला प्रभारी एवं प्रदेश भाजपा सचिव अमित ठाकुर ने पदाधिकारियों से पूर्व कार्यक्रमों की रिपोर्ट ली और आगामी गतिविधियों के लिए दिशा-निर्देश दिए।

राकेश ठाकुर ने बताया कि अगले तीन महीनों में जिला स्तर पर अल्पकालिक विस्तारक योजना चलाई जाएगी। इसके तहत अन्य विधानसभा क्षेत्रों से आने वाले विस्तारक विभिन्न मंडलों में जाकर संगठनात्मक ढांचे का विश्लेषण करेंगे। आवश्यकता के अनुसार संगठन को मजबूत करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को गंभीरता और सक्रियता से सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में भाजपा जिला हमीरपुर की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला प्रभारी अमित ठाकुर ने पदाधिकारियों से पूर्व कार्यक्रमों की रिपोर्ट ली और आगामी योजनाओं के लिए दिशा-निर्देश दिए। अगले तीन महीनों में अल्पकालिक विस्तारक योजना के तहत विभिन्न मंडलों में संगठनात्मक ढांचे का विश्लेषण किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

डिग्री से आगे, जीवन की समझ जरूरी: प्रो. सत प्रकाश बंसल

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रो. राज नेहरू की पुस्तक 'मन से परेः चेतना के गहन आयामों की खोज' का विमोचन किया गया। वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को मैनेजर या उद्यमी बनाना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील इंसान बनाना भी है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से विकसित हो रही है, लेकिन मानवीय संवेदना, विवेक, नैतिकता और मूल्यों का कोई विकल्प नहीं है। प्रो. बंसल ने बताया कि विद्यार्थियों में मानवीय गुणों के विकास के लिए पुस्तक को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। प्रो. राज नेहरू ने आत्मबोध, चेतना, जागरण और आत्म-परिवर्तन को समग्र विकास से जोड़ते हुए भारतीय दर्शन की महत्ता बताई। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के उद्देश्य और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया।

एआईएनएससी में चमके प्रताप वर्ल्ड स्कूल के दो एनसीसी कैडेट



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। अशोक ठाकुर। प्रताप वर्ल्ड स्कूल ने एआईएनएससी 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित एनसीसी नेवल कैडेट रमिरा सिंह और अर्णव सिंह का स्वागत किया। दोनों कैडेट्स ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं चंडीगढ़ डायरेक्टरेट का प्रतिनिधित्व करते हुए आईएनएस शिवाजी, लोनावला में आयोजित कैंप में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर पर चयन उनकी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। कैंप में देशभर से चयनित कैडेट्स ने नौसेना संबंधी ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और विभिन्न कौशलों का प्रदर्शन किया। निदेशक सनी महाजन और प्रधानाचार्या सुश्री रानी ने दोनों कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करती हैं।

वित्तीय विश्लेषण में करियर अवसरों से रूबरू हुए विद्यार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। अभिलाषी विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट ने विद्यार्थियों को वित्तीय विश्लेषण के क्षेत्र में उभरते करियर अवसरों से परिचित करवाने के लिए विशेष वेबिनार आयोजित किया। आईएएफए चंडीगढ़ की विशेषज्ञ टीम ने विद्यार्थियों से संवाद कर वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत 30 मिनट की वित्तीय योग्यता परीक्षा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों की विषय संबंधी समझ परखी गई। विशेषज्ञों ने वित्तीय ज्ञान के साथ तकनीकी, डेटा विश्लेषण और व्यावहारिक कौशल विकसित करने पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने रोजगार और करियर विकल्पों से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को वित्तीय विश्लेषण में रोजगार और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत करवाया।

पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर खिलाड़ियों का बढ़ाया सम्मान : केवल सिंह पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय शाहपुर में आयोजित एचपीयू इंटर कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप के समापन समारोह में शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जापान से एशियन गेम्स से लौटने के बाद सोमवार देर रात करीब तीन बजे प्रदेश पहुंचे पठानिया मंगलवार सुबह खिलाड़ियों के बीच पहुंचे और उन्हें शुभकामनाएं दीं।



उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और हिमाचल में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। सरकार ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि तीन करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए तीन प्रतिशत खेल कोटा निर्धारित किया गया है और वर्ष 2024 से अब तक 99 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को रोजगार दिया जा चुका है। प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर यात्रा सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। चैंपियनशिप में प्रदेश के 20 महाविद्यालयों के करीब 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा विजेता, राजकीय महाविद्यालय सोलन उपविजेता और राजकीय महाविद्यालय ऊना तीसरे स्थान पर रहा।

स्वस्थ बच्चों से बनेगा स्वस्थ समाज, मजबूत राष्ट्र: हेमराज बैरवा

बच्चों के पोषण को मजबूत करने के लिए कांगड़ा में शुरू हुआ 'मिशन भरपूर 2.0'

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला



बच्चों में कुपोषण की रोकथाम और उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन कांगड़ा के सहयोग से रक्कड़ (धर्मशाला) में 'मिशन भरपूर 2.0' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर मिशन का शुभारंभ किया।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं। आज के बच्चे देश की आने वाली पीढ़ी हैं। उन्हें बचपन से उचित पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का पोषण केवल सरकार या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि माता-पिता और परिवार की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली और एकल परिवारों की बढ़ती संख्या के कारण कई बार बच्चों को पर्याप्त समय और व्यक्तिगत ध्यान नहीं मिल पाता। ऐसे में वैज्ञानिक अनुसंधान और पारंपरिक पोषण पद्धतियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। 'मिशन भरपूर' इसी दिशा में एक अभिनव पहल है, जिसके तहत बच्चों को स्वादिष्ट और पोषणयुक्त सप्लीमेंट्री उत्पाद उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। ये उत्पाद मुख्य भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक आहार हैं। बच्चों को संतुलित भोजन के साथ इनका निर्धारित तरीके से उपयोग करना चाहिए।

उपायुक्त ने अभिभावकों से बच्चों को पर्याप्त समय देने और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ खेलना, बातचीत करना, उन्हें बाहर घुमाना और उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

- **उन्होंने** अभिभावकों को बच्चों के विकासात्मक पड़ावों पर नजर रखने की सलाह दी। एमसीपी कार्ड में दर्ज स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी को गंभीरता से लेने तथा किसी कमी या देरी पर विशेषज्ञों से सलाह लेने की बात कही। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से भी बच्चों को उत्पादों के सही उपयोग और संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

पालमपुर चुनाव पर भाजपा का बड़ा आरोप, 4,037 फर्जी वोटों का दावा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला



सन्नी महाजन, धर्मशाला। पालमपुर नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने कांग्रेस पर फर्जी वोटों के सहारे जनादेश प्रभावित करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को धर्मशाला में मीडिया के सामने कपूर ने दावा किया कि पालमपुर के 14 वार्डों में भाजपा महज 1,341 वोटों से चुनाव हारी, जबकि 4,037 फर्जी, बाहरी और अयोग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए।

कपूर ने पालमपुर विधायक आशीष बुटेल और उनके परिवार पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि एक ही परिवार के वोट अलग-अलग मकान नंबरों के आधार पर दो मतदान केंद्रों की सूचियों में दर्ज किए गए। विधायक के बगीचे में काम करने वाले बाहरी लोगों, होटल कर्मचारियों और मजदूरों के नाम भी सूची में जोड़ने का आरोप लगाया।

भाजपा नेता ने कहा कि आरटीआई से मिले दस्तावेजों में मतदाता सूची में गड़बड़ी सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी राज्यों से जुड़े लोगों के नाम बिना सही पते के जोड़े गए, जबकि स्थानीय युवाओं और दलित वर्ग के मतदाताओं के नाम काटे गए। भाजपा ने मामले की सीबीआई जांच, दोहरे वोटर कार्ड धारकों पर एफआईआर और मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण की मांग की है।

अंतर-संसदीय संघ की बैठक में भारत का पक्ष रखेंगे अनुराग ठाकुर



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। वरिष्ठ सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने तंजानिया के अरूशा में आयोजित 153वीं अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) असेंबली के उद्घाटन समारोह में बहुदलीय भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया। असेंबली में सुशासन, समावेशिता, जन-केंद्रित विकास और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इन मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण और अनुभव को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। अनुराग ठाकुर ने तंजानिया सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय संवाद में भी भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने तंजानिया के विदेश मंत्री डॉ. महमूद थाबित कोम्बो, सूचना, संस्कृति, कला एवं खेल मंत्री पॉल मकोंडा तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री पालामागाम्बा जॉन ऐडन म्वालुको कबुडी से मुलाकात की। बैठकों में सुशासन, समावेशिता और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने तंजानिया की स्थानीय विरासत और अफ्रीकी संस्कृति का अनुभव किया।

सामाजिक कार्य के विद्यार्थियों ने किया आश बाल विकास केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण

- **कुल्लू में विद्यार्थियों ने समझी पुनर्वास सेवाओं की कार्यप्रणाली**



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। केरल के त्रिशूर स्थित नैपुण्य प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने दिव्यांगता एवं पुनर्वास के क्षेत्र में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सांफिआ के आश बाल विकास केंद्र, कुल्लू का शैक्षणिक एवं अभिमुखीकरण भ्रमण किया।

विद्यार्थियों का दल सामाजिक कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिजू के नेतृत्व में कुल्लू पहुंचा। सांफिआ की कार्यकारी निदेशक डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज ने विद्यार्थियों और डॉ. शिजू का स्वागत किया। कार्यक्रम प्रबंधक बीजू हिमदल ने विद्यार्थियों को सांफिआ की ओर से दिव्यांगता एवं सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों के लिए उपलब्ध सेवाओं, प्रारंभिक पहचान, पुनर्वास तथा समुदाय स्तर पर समावेशन संबंधी गतिविधियों के बारे में बताया। इसके बाद विद्यार्थियों ने आश बाल विकास केंद्र का भ्रमण किया।

उन्होंने केंद्र में बच्चों को दी जा रही ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजियोथेरेपी, स्पीच थैरेपी, विशेष शिक्षा और अभिभावक परामर्श जैसी सेवाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों और कर्मचारियों से बातचीत कर दिव्यांग बच्चों के विकास एवं पुनर्वास में विभिन्न विशेषज्ञों की भूमिका के बारे में जानकारी हासिल की। डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव देते हैं और सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

महिला कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करें पदाधिकारी : दीपक शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी

जिला महिला कांग्रेस कमेटी मंडी में सदर विधानसभा क्षेत्र से नवनियुक्त पदाधिकारियों गीतांजलि शर्मा, नर्बदा मोहन और रजनी चंद्रा ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव दीपक शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दीपक शर्मा ने तीनों पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि महिला शक्ति कांग्रेस संगठन की मजबूत आधारशिला है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन को जमीनी स्तर पर प्रभावी और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने और जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया। दीपक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कई जनकल्याणकारी पहल की हैं।

महिला कांग्रेस पदाधिकारी सरकार की नीतियों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं तथा पात्र महिलाओं को इनका लाभ लेने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत कार्यकर्ताओं में है। महिला कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहकर संवाद बढ़ाना और नए महिला नेतृत्व को तैयार करना चाहिए।

परेशानी सांसद कंगना रनौत, विधायक भुवनेश्वर गौड़ और डीसी कुल्लू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं मनाली, सासे हेलीपैड पर हुआ भव्य स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू



धनेश गौतम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार दोपहर मनाली पहुंचीं। करीब एक बजे उनका हेलीकॉप्टर सासे हेलीपैड पर उतरा। यहां सांसद कंगना रनौत, मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ और कुल्लू के उपायुक्त ने पुष्पगुच्छ भेंट कर राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राष्ट्रपति का काफिला मनाली स्थित सर्किट हाउस के लिए रवाना हुआ।

राष्ट्रपति के मनाली पहुंचने को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। उनके काफिले के मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित किया गया। मनाली के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय लोग और पर्यटक भी राष्ट्रपति के काफिले को देखने के लिए मौजूद रहे। मनाली सर्किट हाउस पहुंचने के बाद राष्ट्रपति ने कुछ समय विश्राम किया।

राष्ट्रपति बुधवार को ऐतिहासिक माता हिडिंबा मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगी। इसके अलावा उनके अटल टनल रोहतांग जाने का भी कार्यक्रम है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए कुल्लू जिला प्रशासन ने दोनों स्थानों पर सुरक्षा और यातायात के विशेष प्रबंध किए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 6 से 8 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। मंगलवार को उन्होंने बिलासपुर स्थित एम्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इसके बाद वह मनाली के लिए रवाना हुईं और दोपहर करीब एक बजे सासे हेलीपैड पहुंचीं।

राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर मनाली को सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न सेक्टरों में बांटा गया है। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में ड्रोन, यूएवी, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 अक्टूबर को मनाली स्थित ऐतिहासिक माता हिडिंबा मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचेंगी। इस दौरान हिमाचल की लोक संस्कृति और देव परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिलेगी। राष्ट्रपति मंदिर में प्रवेश के लिए भांग के पौधे के रेशों से पारंपरिक तरीके से तैयार की गई हिमाचली पूलें पहनेंगी।

राष्ट्रपति के दौरे में दिखेगी देव परंपरा

राष्ट्रपति के मंदिर दौरे के दौरान हिमाचल की पारंपरिक संस्कृति और देव परंपरा की झलक देखने को मिलेगी। माता हिडिंबा मंदिर में प्रवेश से पहले राष्ट्रपति अपने जूते उतारकर भांग के पौधे के रेशों से तैयार पारंपरिक हिमाचली पूलें पहनेंगी। इसके लिए अलग-अलग नाप की पूलें तैयार करवाई गई हैं। मंदिर परिसर के समीप इसके लिए विशेष पंडाल भी बनाया गया है। कुल्लू में भांग के रेशों से बनी पूलों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इनका इस्तेमाल धार्मिक अनुष्ठानों, यज्ञ और देवकार्य के दौरान किया जाता है। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए हैं।

बदलती दुनिया में बच्चों को समझना जरूरी पढ़ाई से आगे बढ़कर पालन-पोषण पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बच्चों के समग्र विकास, सकारात्मक अभिभावकत्व और बेहतर शिक्षण को लेकर समाजसेविका मानवी शर्मा की पहल पर डीएवी पब्लिक स्कूल कटराई के सहयोग से विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय 'शैक्षणिक पढ़ाई से आगे पालन-पोषण और शिक्षण: बदलती दुनिया में बच्चों को समझना' रहा। इसमें अभिभावकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या चंद्रिका मल्होत्रा, जिला युवा अधिकारी प्रतिभा शर्मा, मुख्य वक्ता इशिता राजन और मनोवैज्ञानिक तोशिबा आचार्य ने सहभागिता की। विशेषज्ञों ने बच्चों के पालन-पोषण, व्यवहार तथा मानसिक और भावनात्मक जरूरतों से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यशाला में कक्षा पहली से सातवीं तक के



- **बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव**

विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों के विकास के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि बच्चों को केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उनके मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। इसके लिए अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

हांसी-जींद मार्ग पर अज्ञात स्पीड ब्रेकर बना हादसे का कारण, बाइक सवार गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हांसी-जींद मार्ग पर गांव माढ़ा स्थित कस्तूरबा गांधी स्कूल के बाहर बनाया गया स्पीड ब्रेकर सोमवार को एक और हादसे का कारण बन गया। स्पीड ब्रेकर पर किसी तरह की स्पष्ट मार्किंग नहीं होने के कारण बाइक सवार को इसका पता नहीं चल पाया। बाइक स्पीड ब्रेकर पर उछलकर अनियंत्रित हो गई, जिससे चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान गांव चानौत निवासी बंटी के रूप में हुई है।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से स्पीड ब्रेकर की स्थिति सुधारने और उस पर स्पष्ट मार्किंग कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार बंटी सोमवार को बाइक पर अपने गांव चानौत से नारनौंद की ओर जा रहा था। जब वह हांसी-जींद मार्ग पर गांव माढ़ा स्थित कस्तूरबा गांधी स्कूल के पास पहुंचा तो सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर पर उसकी बाइक अचानक उछल गई। स्पीड ब्रेकर दिखाई नहीं देने के कारण वह बाइक को नियंत्रित नहीं कर सका और सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं।

हादसा होते देख आसपास से गुजर रहे लोगों ने घायल युवक की मदद की। मौके से गुजर रहे संजय राजपुरा ने तुरंत एंबुलेंस और डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। एंबुलेंस की मदद से घायल बंटी को उपचार के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल के बाहर सड़क पर बना स्पीड ब्रेकर वाहन चालकों को दूर से दिखाई नहीं देता। स्पीड ब्रेकर पर न तो पर्याप्त सफेद पट्टी की मार्किंग है और न ही वाहन चालकों को पहले से सावधान करने के लिए कोई स्पष्ट संकेतक लगाया गया है। इस कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को अचानक ब्रेकर का सामना करना पड़ता है।

गुरुग्राम में हनीट्रैप का खेल, युवक से 90 लाख की ठगी

प्यार के नाम पर रकम ऐंठती रही युवती, इनकार पर रेप केस की दी धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



ऑनलाइन दोस्ती और प्यार के नाम पर शुरू हुआ रिश्ता एक युवक के लिए भारी पड़ गया। गुरुग्राम में एक युवती पर आरोप है कि उसने करीब तीन साल तक युवक को अपने जाल में फंसाकर अलग-अलग बहानों से करीब 90 लाख रुपये ऐंठ लिए। युवक के पैसे देने से इनकार करने पर कथित तौर पर उसे झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी दी गई। इसके बाद युवक ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने जाल बिछाकर युवती को 50 हजार रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित गुरुग्राम का रहने वाला है और सेक्टर-40 स्थित एक कंपनी में काम करता है। वह शादीशुदा है। शिकायत में युवक ने बताया कि करीब तीन साल पहले उसकी दोस्ती सीकिंग एप के माध्यम से सूर्यदिता दास नाम की युवती से हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। युवती ने खुद को कोलकाता निवासी बताया और गुरुग्राम के सुशांत लोक में रहने की बात सामने आई। वह एमबीए पास है और एसजीटी से पढ़ाई कर चुकी है। शिकायत के मुताबिक, दोस्ती के बाद युवती ने अपनी जरूरतों का हवाला देकर युवक से रुपये मांगने शुरू किए। शुरुआत में युवक ने इसे सामान्य मदद समझकर पैसे दिए। दोनों के बीच संबंध और नजदीकी बढ़ती गई और युवक कथित तौर पर प्यार के चलते युवती की आर्थिक मदद करता रहा। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि समय के साथ पैसों की मांग बढ़ती गई। अलग-अलग मौकों पर उससे लाखों रुपये लिए गए। पुलिस जांच के अनुसार, करीब तीन साल में यह रकम बढ़कर लगभग 90 लाख रुपये तक पहुंच गई। युवक ने जब आगे पैसे देने से इनकार किया तो मामला कथित तौर पर ब्लैकमेलिंग तक पहुंच गया। युवती पर आरोप है कि उसने युवक को झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर दबाव बनाया। इससे परेशान होकर युवक ने पुलिस से संपर्क किया और पूरे मामले की शिकायत दी।

कैफे में युवती गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद टीम ने युवती को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। तय योजना के तहत कैफे में 50 हजार रुपये लेते समय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में युवती से पूछताछ कर रही है और लेनदेन से जुड़े साक्ष्यों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित ब्लैकमेलिंग और रकम वसूली में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

पानीपत में दो बैंक खातों से 2.85 लाख निकले

पीड़ित बोला- न मैसेज आया, न ओटीपी मिला

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



हरियाणा के पानीपत में एक मजदूर के दो बैंक खातों से 2 लाख 85 हजार 700 रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित का कहना है कि उसने खुद कोई लेन-देन नहीं किया और उसे पैसे निकलने की जानकारी भी काफी बाद में मिली। खास बात यह है कि उसके मोबाइल पर किसी तरह का संदेश या ओटीपी भी नहीं आया। पीड़ित पिंटू विश्वकर्मा ने साइबर अपराध थाना पुलिस को शिकायत देकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पिंटू विश्वकर्मा पानीपत शहर की गंगा राम कॉलोनी में रहता है और मेहनत-मजदूरी करता है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया कि 28 अगस्त 2026 को उसने अपने दोनों बैंक खातों की जांच की। इस दौरान उसे खातों से हुई कई संदिग्ध निकासी का पता चला। पीड़ित के अनुसार, उसके केनरा बैंक खाते से 23 अगस्त को दो बार रकम निकाली गई। पहली बार 25 हजार रुपये और दूसरी बार 29 हजार रुपये निकाले गए। इसके बाद उसने अपने पंजाब नेशनल बैंक खाते की जानकारी जांची तो वहां से भी बड़ी रकम निकाले जाने का पता चला।

पीएनबी खाते से 99,800 रुपये और 99,900 रुपये की दो बड़ी निकासी की गई थीं। इसके अलावा 24 अगस्त को भी खाते से 32 हजार रुपये निकाले गए। इस तरह दोनों बैंक खातों से कुल 2 लाख 85 हजार 700 रुपये निकाल लिए गए। पिंटू का कहना है कि इन सभी लेन-देन से उसका कोई संबंध नहीं है। उसने न तो किसी को पैसे भेजे और न ही खुद इन रकमों की निकासी की। उसके अनुसार, किसी भी लेन-देन से पहले या बाद में मोबाइल पर कोई ओटीपी अथवा बैंक संदेश भी प्राप्त नहीं हुआ। इससे उसे आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैंक खातों से धोखाधड़ी कर रकम निकाल ली। मामले की शिकायत मिलने के बाद साइबर अपराध थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस बैंक खातों से हुई निकासी, लेन-देन के माध्यम और संबंधित विवरण की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रकम किस खाते या माध्यम में गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों से हुई निकासी और लेन-देन के माध्यम की जांच कर रही है। साथ ही रकम किस खाते में गई और इसमें कौन शामिल है, इसका पता लगाया जा रहा है।

मंडी में फसलों की खरीद प्रभावित आढ़तियों ने गेट पर जड़ा ताला

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के जींद जिले की नरवाना अनाज मंडी में फसलों की खरीद और उठान की समस्या को लेकर आढ़तियों ने मंगलवार को मंडी गेट पर ताला जड़ दिया। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान जयदेव बंसल की अगुवाई में करीब 11 बजे आढ़तियों ने तालाबंदी कर नारेबाजी की और प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। आढ़तियों का कहना है कि मंडी में फसलों की आवक लगातार बढ़ रही है, लेकिन खरीद और उठान की व्यवस्था सुचारु नहीं है। इससे मंडी परिसर में फसल के ढेर लगते जा रहे हैं और आढ़तियों के साथ किसानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय पर उठान नहीं होने के कारण मंडी में जगह की कमी भी होने लगी है। प्रदर्शन कर रहे आढ़तियों ने आरोप लगाया कि संबंधित विभागों को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उनका कहना है कि यदि खरीद और उठान की प्रक्रिया तेज नहीं की गई तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है। आढ़तियों ने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की। तालाबंदी की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और आढ़तियों से बातचीत शुरू की।

गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, डिलीवरी ब्वॉय की मौत

बाइक सवार डिलीवरी ब्वॉय सुरक्षा दीवार से टकराया, हुई मौत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में 37 वर्षीय डिलीवरी ब्वॉय अजय कुमार की मौत हो गई। सिग्नेचर टावर के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे की कंक्रीट सुरक्षा दीवार से जा भिड़ी। हादसा इतना भीषण था कि दीवार पर लगा लोहे का पाइप अजय के सीने के आरपार हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, अजय दिल्ली के सुल्तानपुरी का रहने वाला था और दिल्ली-गुरुग्राम में डिलीवरी एक्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। सोमवार तड़के करीब 2:45 से 3 बजे के बीच वह बाइक से इफको चौक की ओर से राजीव चौक की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद अजय बाइक समेत अपना नियंत्रण खो बैठा। बाइक एक्सप्रेसवे की सुरक्षा दीवार से टकरा गई। दीवार पर सुरक्षा के लिए लगा लोहे का पाइप हादसे के दौरान बाइक सवार के सीने में जा घुसा।

गंभीर चोटों के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा सके। एक्सप्रेसवे पर लगे कैमरों के अलावा आसपास के प्रतिष्ठानों और अन्य स्थानों पर लगे कैमरों की फुटेज भी जांची जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसे के समय अजय किस लेन में बाइक चला रहा था और टक्कर मारने वाला वाहन किस दिशा में गया। अधिकारियों को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज से वाहन की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

◆ डिलीवरी के लिए निकले युवक की सड़क हादसे में जान चली गई

रेवाड़ी में युवक की हत्या पर बवाल

परिवार ने सड़क जाम कर मांगी गिरफ्तारी

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी



हरियाणा के रेवाड़ी में दो भाइयों पर हुए जानलेवा हमले के बाद एक युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने मंगलवार को सर्कुलर रोड जाम कर दिया। परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मृतक के पिता ने एक भाजपा नेता पर बेटे की हत्या कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है। जानकारी के अनुसार, दोनों भाई घर लौट रहे थे।

इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने दोनों भाइयों को बीच सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मारपीट के बाद दोनों को गंभीर हालत में सड़क पर छोड़कर आरोपी फरार हो गए। परिजन दोनों भाइयों को उठाकर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को पीजीआई रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बड़े भाई केशव की मौत हो गई, जबकि छोटे भाई का उपचार जारी है। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए सड़क पर बैठकर विरोध शुरू कर दिया और सर्कुलर रोड को जाम कर दिया। मृतक के पिता ने भाजपा नेता एवं ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन पंकज उर्फ रोंज पर अपने बेटे की हत्या कराने का आरोप लगाया। उन्होंने रामपुरा थाना प्रभारी पर भी आरोपियों को बचाने और समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। परिवार ने भाजपा नेता की गिरफ्तारी के साथ ही एसएचओ को निलंबित करने की मांग रखी।

सूचना मिलने पर डीएसपी संजीव बल्हारा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे परिवार को समझाया और मामले में अब तक की कार्रवाई की जानकारी दी। डीएसपी ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। काफी देर तक समझाने के बाद परिजनों ने सड़क से जाम हटा लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपों की भी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

तीन दिन में नोटिस और 45 दिन में निस्तारण, यातायात उल्लंघन पर होगी समयबद्ध कार्रवाई

हरियाणा में लागू हुई नेक्स्ट जेन ई-चालान प्रणाली

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



हरियाणा पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने के लिए नेक्स्ट जेन ई-चालान प्रणाली प्रदेशभर में लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत चालान जारी करने से लेकर उसके निस्तारण तक की प्रक्रिया डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह होगी। यातायात नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को तीन दिन के भीतर नोटिस भेजा जाएगा, जबकि चालान का निपटारा अधिकतम 45 दिन में करने की व्यवस्था की गई है।

पुलिस मुख्यालय पंचकूला में हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और वाहन स्क्रैपिंग से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तकनीक आधारित पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अधिकारियों से कहा गया कि नई डिजिटल व्यवस्था का लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए और कार्रवाई में किसी तरह की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में एडीजीपी विकास अरोड़ा ने प्रदेश में यातायात प्रबंधन और प्रवर्तन को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से 20 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना के अनुरूप हरियाणा में 16 जून 2026 से नेक्स्ट जेन ई-चालान प्रणाली लागू की गई है।

◆ सड़क सुरक्षा को लेकर हरियाणा पुलिस का बड़ा कदम

नई व्यवस्था के माध्यम से यातायात उल्लंघनों की निगरानी और कार्रवाई को अधिक व्यवस्थित बनाया जाएगा। चालान की प्रक्रिया डिजिटल होने से रिकॉर्ड तैयार करने, नोटिस भेजने और मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता बढ़ेगी।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम में चाकू की नोक पर युवक से लूट, तीन बदमाशों ने घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के सरस्वती एन्क्लेव में तीन बदमाशों ने चाकू की नोक पर युवक से नकदी, मोबाइल फोन, बैग और जरूरी दस्तावेज लूट लिए। वारदात एक अक्टूबर की सुबह करीब पांच बजे एफ ब्लॉक स्थित शिव शक्ति मंदिर के पास हुई। पीड़ित युवक काम के सिलसिले में घर से निकला था। मंदिर के पास पहुंचते ही तीन बदमाशों ने उसे घेरकर रोक लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू निकालकर उसकी गर्दन पर रख दिया और सामान छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची और उनकी पहचान की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दोस्त की हत्या कर पहाड़ों में छिपाई लाश झील में डूबने की रची कहानी

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में एक युवक की उसके 17 वर्षीय दोस्त ने कथित तौर पर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने परिजनों और पुलिस को गुमराह करने के लिए युवक के सेल्फी लेते समय झील में गिरकर डूबने की झूठी कहानी सुनाई। आरोपी पुलिस के साथ मिलकर झील में शव की तलाश भी करता रहा। उसके बार-बार बयान बदलने पर पुलिस को शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपी की निशानदेही पर सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे शव झील से लगभग 200 मीटर दूर पहाड़ में पत्थरों के बीच से बरामद किया गया। धौज थाना पुलिस ने आरोपी और उसके पिता के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चला है।

सीएनजी भरवाने जा रहे थे तीन दोस्त, रास्ते में कार बनी आग का गोला

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद में तिगांव रोड स्थित श्मशान घाट के पास रात में चलती टाटा नेक्सॉन कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार तीन युवकों ने इंजन से धुआं निकलता देख समय रहते वाहन रोक दिया और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में कार पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। ड्राइवर मनीष ने बताया कि वह अपने दोस्तों हिमांशु और कृष्णा के साथ सीएनजी भरवाने के लिए सेक्टर-8 की ओर जा रहा था। इसी दौरान भीकम कॉलोनी के पास कार में आग लग गई। प्रारंभिक जांच में एसी में शॉर्ट सर्किट को आग का संभावित कारण बताया जा रहा है।

रोहतक एमडीयू में आधी रात हंगामा, वीसी हाउस की दीवार पर चढ़े छात्र

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (एमडीयू) में हॉस्टल में कूलर पर लगाए गए 2 हजार रुपये जुर्माने को लेकर छात्रों ने देर रात जमकर हंगामा किया। विरोध करते हुए छात्र वीसी हाउस पहुंच गए और गेट व दीवार पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान इनसो प्रदेशाध्यक्ष दीपक मलिक भी छात्रों के साथ मौजूद रहे। छात्रों ने हॉस्टल में कूलर इस्तेमाल करने पर लगाए गए जुर्माने को गलत बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चीफ वार्डन पर भी आरोप लगाए। छात्रों का कहना है कि हॉस्टल में कई समस्याएं हैं, लेकिन उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया जा रहा। आधी रात को छात्रों के वीसी हाउस पहुंचने से विश्वविद्यालय परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रशासन से मामले का समाधान करने की मांग की गई है।

सोनीपत में आदतन अपराधी को झटका

कोर्ट ने दूसरी जमानत याचिका भी ठुकराई

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत



हरियाणा के सोनीपत में कोर्ट ने बार-बार अपराध करने के आरोपी शुभम उर्फ 'बंबं' को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपी के खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह फिलहाल सोनीपत सिटी थाना क्षेत्र में देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद होने के मामले में जेल में बंद है। सीजेएम कोर्ट ने उसकी दूसरी नियमित जमानत याचिका भी खारिज कर दी।

जानकारी के अनुसार, सोनीपत की सीआईए पुलिस ने शुभम उर्फ बंबं को 13 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, उसके पास से 30 बोर का देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ था। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी की ओर से कोर्ट में नियमित जमानत के लिए याचिका दायर की गई थी। इससे पहले भी जमानत को लेकर प्रयास किया गया था, लेकिन एक याचिका वकील ने वापस ले ली थी। इसके बाद दोबारा नियमित जमानत याचिका दाखिल की गई, जिसे अदालत ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

अदालत ने मामले में आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों को भी ध्यान में रखा। कोर्ट के समक्ष यह तथ्य रखा गया कि आरोपी के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं और उस पर बार-बार अपराध में शामिल होने के आरोप हैं। अदालत ने परिस्थितियों को देखते हुए उसे फिलहाल जमानत का लाभ देना उचित नहीं माना। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच की जा रही है। हथियार बरामदगी के मामले में भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

विरोध सिरसा कांग्रेस में फिर घमासान, बीरेंद्र सिंह की नियुक्ति पर सेतिया नाराज

सिरसा प्रदर्शन के पर्यवेक्षक बने बीरेंद्र सिंह, सेतिया ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा



कांग्रेस में सिरसा की राजनीतिक खींचतान एक बार फिर सार्वजनिक हो गई है। आठ अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर होने वाले प्रदर्शन के लिए पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह को सिरसा का पर्यवेक्षक बनाए जाने पर विधायक गोकुल सेतिया ने आपत्ति जताई है। सेतिया ने इंटरनेट मीडिया पर लाइव आकर पार्टी के इस फैसले पर सवाल उठाए।

कांग्रेस की ओर से आठ अक्टूबर को देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किए जाने हैं। इसी कड़ी में सिरसा में भी पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन की निगरानी और व्यवस्था के लिए पार्टी ने पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है। बीरेंद्र सिंह की नियुक्ति सामने आने के बाद स्थानीय कांग्रेस की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया।

विधायक गोकुल सेतिया ने कहा कि सिरसा में पार्टी के कार्यक्रम के लिए स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए थी। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए सवाल किया कि आखिर उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए क्यों नहीं चुना गया। सेतिया ने कहा कि वह कांग्रेस के विधायक हैं और पार्टी के कार्यक्रमों में उनकी भी भूमिका होनी चाहिए।

सेतिया ने बीरेंद्र सिंह की नियुक्ति को लेकर उचाना से जुड़े राजनीतिक मतभेदों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उचाना के लोगों के साथ उनका राजनीतिक टकराव रहा है। ऐसे में सिरसा जैसे जिले में होने वाले पार्टी कार्यक्रम का पर्यवेक्षक किसी ऐसे नेता को बनाए जाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है, जिसके साथ स्थानीय स्तर पर राजनीतिक मतभेद रहे हैं। विधायक ने इंटरनेट मीडिया लाइव के दौरान अपनी बात रखते हुए पार्टी नेतृत्व के फैसले पर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि वह पार्टी के लिए लगातार काम कर रहे हैं और ऐसे में उन्हें नजरअंदाज किए जाने से कार्यकर्ताओं में भी सवाल उठ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने और कांग्रेस के मुद्दों को मजबूती से उठाने की बात कही। सिरसा कांग्रेस में पहले भी अलग-अलग नेताओं के बीच राजनीतिक खींचतान सामने आती रही है। अब प्रदर्शन के पर्यवेक्षक की नियुक्ति को लेकर विवाद ने एक बार फिर पार्टी की अंदरूनी राजनीति को चर्चा में ला दिया है। आठ अक्टूबर को होने वाले प्रदर्शन के दौरान पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी महत्वपूर्ण रहेगी।

राहुल गांधी के मार्च से दिल्ली में सुरक्षा कड़ी, यातायात प्रभावित

संसद मार्ग पर विपक्ष का प्रदर्शन, कई रास्तों पर जाम

एजेंसी, नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में मंगलवार को विपक्षी नेताओं ने संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर मार्च निकाला। मार्च में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। विपक्षी नेताओं का मार्च संसद भवन से निर्वाचन सदन की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पुलिस ने नीति आयोग के पास बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया।

कुछ नेताओं को हिरासत में भी लिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बाद में आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। मार्च और सुरक्षा व्यवस्था के कारण मध्य दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। संसद मार्ग समेत आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई। बैरिकेडिंग के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और कई मार्गों पर जाम की स्थिति बनी। विपक्षी दलों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग से जवाब मांगा जा रहा है। इसी के साथ विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग तक पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी।

मार्च के दौरान राहुल गांधी बैरिकेड पर भी चढ़े और उनके हाथ में एक तख्ती नजर आई। प्रदर्शन को देखते हुए नई दिल्ली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पुलिस ने कानून-व्यवस्था



बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर बैरिकेड लगाए और प्रदर्शनकारियों को निर्धारित सीमा से आगे बढ़ने से रोका। विपक्ष के इस प्रदर्शन के चलते राजधानी के व्यस्त इलाकों में लोगों को यातायात संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए गए।

मार्च के बाद भी संसद मार्ग और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की मौजूदगी बनी रही। इस प्रदर्शन के साथ चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच एसआईआर को लेकर राजनीतिक विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। विपक्ष अपनी मांगों को लेकर आगे भी आंदोलन जारी रखने की बात कह रहा है, जबकि चुनाव आयोग ने प्रक्रिया को लेकर उठाए गए आरोपों को खारिज किया है।

रामलीला-दुर्गा पूजा के लिए तुरंत मिलेगा अस्थायी बिजली कनेक्शन

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में रामलीला, दुर्गा पूजा, शादी समारोह और अन्य धार्मिक व सार्वजनिक आयोजनों के लिए अब अस्थायी बिजली कनेक्शन लेने में ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। टाटा पावर-डीडीएल ने आयोजनों को ध्यान में रखते हुए 24 घंटे के भीतर तत्काल अस्थायी बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की पहल की है। कंपनी के अनुसार, आयोजक नजदीकी कस्टमर केयर सेंटर या ऑनलाइन माध्यम से इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। अस्थायी कनेक्शन लेने के लिए आयोजकों को संबंधित डिवीजन कार्यालय के कस्टमर केयर सेंटर पर जरूरी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।

आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने और डिमांड नोट के अनुसार निर्धारित राशि का भुगतान करने के बाद मीटर उपलब्ध कराया जाएगा और



त्योहारों के आयोजनों को 24 घंटे में बिजली कनेक्शन

कनेक्शन जारी कर दिया जाएगा। कंपनी ने आयोजन सीजन को देखते हुए अपने जोनल कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में मीटरों की व्यवस्था भी की है। कंपनी की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह सुविधा दिल्ली में होने वाले विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों के दौरान बिजली की जरूरत को तेजी से पूरा करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रामलीला और दुर्गा पूजा जैसे बड़े आयोजनों में रोशनी, साउंड सिस्टम, मंच और अन्य व्यवस्थाओं के लिए बिजली की आवश्यकता होती है। ऐसे में अस्थायी कनेक्शन की प्रक्रिया आसान होने से आयोजकों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए टाटा पावर-डीडीएल की टीमें आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर रही हैं। कंपनी के कर्मचारी बिजली के खंभों, स्ट्रीट लाइट, टावर, तारों, सब-स्टेशन और फीडर आदि की नियमित जांच कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

नकली नोटों के नाम पर ठगी, हिस्ट्रीशीटर साजिद का खेल बेनकाब



एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर साजिद पिस्टल और उसके गिरोह से जुड़ी ठगी के मामले का राजफाश किया है। आरोप है कि साजिद पिछले चार वर्षों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नकली नोटों के नाम पर लोगों से ठगी कर रहा था। इस खेल में कुछ पुलिसकर्मियों के शामिल होने की बात भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह पहले असली नोट दिखाकर लोगों का भरोसा जीतता था और इसके बाद कागज की गड्डी थमाकर रकम लेकर फरार हो जाता था। साजिद के साथ कुछ पुलिसकर्मी कथित तौर पर जोड़ीदार की भूमिका निभाते थे। बताया गया कि दो जुलाई 2022 को साजिद पिस्टल और उसके गिरोह के सदस्यों को नकली नोटों की गड्डी के साथ पकड़ा गया था। अब मेरठ पुलिस की जांच में उसके ठगी के पुराने मामलों और गिरोह से जुड़े लोगों की भूमिका सामने आने लगी है। पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपितों की जानकारी जुटा रही है।

प्रशासनिक गलती का खामियाजा, आईजीआरएस से बाहर हुआ गांव



एजेंसी, नई दिल्ली प्रयागराज के उमरपुर नींवा गांव के करीब 30 हजार ग्रामीणों के लिए आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा बंद है। प्रदेश की 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में यह गांव अपनी तरह का अनोखा मामला बताया जा रहा है, जहां ग्रामीणों की शिकायतें आईजीआरएस के माध्यम से दर्ज नहीं हो पा रही हैं। संगम नगरी की शहरी बस्ती के बीच बसे इस गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं, स्थानीय समस्याओं और अन्य शिकायतों के समाधान के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए उन्हें दूसरे माध्यमों का सहारा लेना पड़ता है। बताया जा रहा है कि जिला बंटवारे के दौरान हुई प्रशासनिक त्रुटि के कारण उमरपुर नींवा गांव आईजीआरएस व्यवस्था में सही तरीके से दर्ज नहीं हो पाया। इसी वजह से पोर्टल पर गांव से जुड़ी शिकायतें दर्ज करने में समस्या आ रही है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन जल्द तकनीकी और प्रशासनिक खामी दूर कर आईजीआरएस पोर्टल की सुविधा बहाल करे, ताकि उनकी शिकायतों की भी ऑनलाइन सुनवाई और निगरानी हो सके।

ग्रेटर नोएडा में किसान आंदोलन तेज, लंबित आबादी मामलों के समाधान की मांग



एजेंसी, नई दिल्ली । नोएडा के सेक्टर-28 से सेक्टर-61-66 चौराहे तक 4.8 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड पर वाहनों के शोर और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए साउंड बैरियर लगाए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है। परियोजना पर करीब 18 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एलिवेटेड रोड के दोनों ओर कुल 9.6 किलोमीटर हिस्से में पारदर्शी और कम ऊंचाई वाले मॉड्यूलर नाइज बैरियर लगाए जाने की योजना है। इनसे सड़क के आसपास रहने वाले लोगों के साथ स्कूलों और अस्पतालों को वाहनों के शोर से राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना को वर्ष 2021 में तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद से बैरियर का डिजाइन भी तैयार कराया गया था। हालांकि, करीब छह वर्षों से परियोजना वर्क सर्किल-दो की फाइलों में अटकी रही। एलिवेटेड रोड के आसपास दो स्कूल, दो अस्पताल, कई सेक्टरों की ग्रुप हाउसिंग सोसायटियां, निठारी गांव और शांत आवासीय क्षेत्र हैं। ऐसे में साउंड बैरियर से इन इलाकों में ध्वनि प्रदूषण कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा में गंभीर घायलों को इलाज के लिए जाना पड़ता है बाहर

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा और गौतमबुद्ध नगर की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से मजबूत हो रही है। जिले में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी विकसित हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद यहां गंभीर सड़क हादसों के घायलों के लिए ट्रामा सेंटर की सुविधा का अभाव है। हादसों में गंभीर रूप से घायल मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली या आसपास के निजी अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है।

स्थानीय अस्पतालों की इमरजेंसी में सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर मरीज पहुंचते हैं, लेकिन ट्रामा सेंटर जैसी विशेष सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण चिकित्सकों को उन्हें दूसरे अस्पतालों में भेजना पड़ता है। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को रेफर करने में लगने वाला समय कई बार उनके लिए जोखिम बढ़ा



देता है। ट्रामा सेंटर की कमी का असर केवल मरीजों के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके स्वजन को भी आर्थिक और मानसिक परेशानी उठानी पड़ती है। निजी अस्पतालों में उपचार महंगा होने के कारण परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए लंबे समय तक महंगा इलाज कराना कई बार मुश्किल हो जाता है। ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ती आबादी, तेज विकास और सड़कों पर बढ़ते यातायात के बीच गंभीर हादसों का खतरा भी बना रहता है।

नोएडा पीजी अग्निकांड ने उठाए सुरक्षा इंतजामों पर बड़े सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली।

नोएडा के सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव में बुधवार सुबह एक पीजी में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, पीजी की तीसरी मंजिल पर अचानक आग लगी थी। आग इतनी तेजी से फैली कि वहां मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया। धुएं के कारण कुछ लोग कमरों में फंस गए थे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

दिल्ली में लंबे समय बाद सिविल डिफेंस वालंटियर्स के एनरोलमेंट शुरू

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने लंबे समय के बाद सिविल डिफेंस वालंटियर्स के नए एनरोलमेंट की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए इच्छुक लोगों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। लंबे अंतराल के बाद शुरू हुई इस प्रक्रिया से राजधानी में सिविल डिफेंस वालंटियर्स की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

सिविल डिफेंस वालंटियर्स आपदा या आपात स्थिति के दौरान प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नए वालंटियर्स को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, जनजागरूकता अभियान और मॉक ड्रिल जैसे कार्यों में लगाया जा सकेगा। इसके अलावा किसी आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और राहत कार्यों में भी उनकी मदद ली



जा सकती है। राजधानी दिल्ली में भूकंप, आग, बाढ़, इमारतों से जुड़ी दुर्घटनाओं और अन्य आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की जरूरत रहती है।

ऐसे में नए वालंटियर्स के जुड़ने से स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार की ओर से शुरू की गई नामांकन प्रक्रिया उन लोगों के लिए अवसर है, जो समाज की सेवा के साथ आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यों में योगदान देना चाहते हैं। चयनित वालंटियर्स को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आपात स्थिति में प्रभावी तरीके से काम कर सकें। सिविल डिफेंस वालंटियर्स का नेटवर्क मजबूत होने से प्रशासन को भीड़ प्रबंधन, जागरूकता कार्यक्रमों और आपातकालीन तैयारियों में अतिरिक्त सहयोग मिल सकता है। मॉक ड्रिल के माध्यम से वालंटियर्स को वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास भी कराया जा सकेगा।

मोदी-अमित शाह संग तस्वीरें वायरल आगरा के हिस्ट्रीशीटर ने मांगी माफी

एजेंसी ,नई दिल्ली

आगरा के कमला नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर मनोज अग्रवाल एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। उसके फेसबुक अकाउंट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ तस्वीरें पोस्ट की गईं। बताया जा रहा है कि इनमें से तस्वीरें एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार की गई थीं। फेसबुक पर तस्वीरें पोस्ट होने के बाद वे तेजी से वायरल हो गईं। तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हुई और मामला पुलिस तक पहुंच गया।

इसके बाद मनोज अग्रवाल की ओर से फेसबुक पर एक माफीनामा भी पोस्ट किया गया। माफीनामे में उसने दावा किया कि उसका फेसबुक अकाउंट हैक हो गया था और उसके अकाउंट से ये तस्वीरें किसी अन्य व्यक्ति ने पोस्ट की थीं। मनोज अग्रवाल के इस दावे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सोशल



मीडिया अकाउंट से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि तस्वीरें किसने तैयार कीं और फेसबुक अकाउंट से इन्हें किसने पोस्ट किया।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अकाउंट वास्तव में हैक हुआ था या फिर तस्वीरें जानबूझकर पोस्ट की गई थीं। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मनोज अग्रवाल पहले से कमला नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर बताया जाता है। एआई से तैयार तस्वीरों के जरिए नेताओं के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद उसका नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

गुरुग्राम के उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में नए प्रदूषण अधिकारी तैनात

एजेंसी ,नई दिल्ली

गुरुग्राम में बढ़ते वायु प्रदूषण और प्रदूषण नियंत्रण में लापरवाही के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। बोर्ड ने गुरुग्राम नार्थ और गुरुग्राम साउथ के रिक्त क्षेत्रीय अधिकारी पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। बोर्ड चेयरमैन शेखर विद्यार्थी की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार हरीश कुमार को गुरुग्राम नार्थ और प्रवीण कुमार को गुरुग्राम साउथ का नया रीजनल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। यह बदलाव गुरुग्राम-मानेसर क्षेत्र में लगातार बढ़ते प्रदूषण और नियंत्रण व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच किया गया है। इससे पहले प्रदूषण नियंत्रण में कथित लापरवाही के मामले में गुरुग्राम नार्थ और साउथ के दो रीजनल अधिकारियों को निलंबित किया गया था। इसके बाद दोनों पद रिक्त हो गए थे।

जंतर-मंतर पर बॉडी कैमरों से होगी पुलिस की निगरानी

एजेंसी ,नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर एसआइआर को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में भी तैयारी तेज कर दी है। प्रदर्शन स्थल पर तैनात पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इन कैमरों के जरिए पुलिसकर्मियों की गतिविधियों और प्रदर्शन के दौरान होने वाली घटनाओं की रिकॉर्डिंग की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बॉडी कैमरों का इस्तेमाल प्रदर्शन के दौरान किसी भी विवाद, आरोप या अप्रिय घटना की स्थिति में वास्तविक घटनाक्रम की पुष्टि करने के लिए किया जाएगा।

इससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जुड़े मामलों की जांच में मदद मिलेगी। किसी घटना को लेकर यदि कोई आरोप लगाया जाता है तो रिकॉर्डिंग के आधार पर उसकी वास्तविकता की जांच की जा सकेगी। जंतर-मंतर



प्रदर्शन स्थल पर बॉडी कैमरे तैनात

दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के लिए निर्धारित प्रमुख स्थलों में शामिल है। यहां अलग-अलग मुद्दों को लेकर समय-समय पर प्रदर्शन होते रहते हैं।

बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए महत्वपूर्ण चुनौती होती है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरे उपलब्ध कराने से निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने की कोशिश की गई है। पुलिस की ओर से तैनात कर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रदर्शन के दौरान स्थिति पर नजर रखें और जरूरत के अनुसार कैमरों का इस्तेमाल करें। रिकॉर्डिंग से प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की कार्रवाई का भी दस्तावेज तैयार होगा। इससे बाद में किसी घटना की जांच करते समय घटनाक्रम को समझने में सहायता मिल सकती है। पुलिस का मानना है कि कैमरों के इस्तेमाल से मौके पर पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी विवाद की स्थिति में उपलब्ध रिकॉर्डिंग महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में काम आ सकती है।

जंतर-मंतर मामले में स्वतंत्र भारद्वाज को नियमित जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को नियमित जमानत दे दी है। यह मामला जुलाई में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान एक छात्र-कार्यकर्ता के पिता के साथ कथित मारपीट से जुड़ा है। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) सौरभ प्रताप सिंह लाले ने मंगलवार को भारद्वाज की नियमित जमानत याचिका पर आदेश पारित किया। इससे पहले अदालत ने उन्हें तीन सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत प्रदान की थी।

उस समय अदालत ने कहा था कि नियमित जमानत पर फैसला लेने से पहले वह आरोपी के आचरण का अवलोकन करेगी। अब अदालत ने उनके आचरण को ध्यान में रखते हुए नियमित जमानत मंजूर कर ली है। अदालत के इस फैसले के बाद मामले में भारद्वाज को फिलहाल राहत मिल गई है।

यह मामला जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान हुई कथित घटना से संबंधित है। आरोप के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान एक छात्र-कार्यकर्ता के पिता के साथ मारपीट की गई थी। इसी मामले में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की गई थी और उन्हें हिरासत में लिया गया था।

अदालत ने पहले अंतरिम जमानत देते हुए उनके व्यवहार पर नजर रखने की बात कही थी। तीन सप्ताह की अवधि के दौरान उनके आचरण का मूल्यांकन करने के बाद अदालत ने अब नियमित जमानत देने का फैसला किया है। नियमित जमानत मिलने के बाद भारद्वाज को मामले में बड़ी राहत मिली है।

ग्रेटर नोएडा में 'बुलडोजर एक्शन' पर ब्रेक, 1.33 करोड़ के टेंडर पर भी नहीं मिला ठेकेदार

जाम और अतिक्रमण से मुक्ति की योजना को झटका, मशीनों के लिए ठेकेदार नहीं मिला

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में सड़क, फुटपाथ और नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की प्राधिकरण की योजना फिलहाल मुश्किल में पड़ गई है। अतिक्रमण हटाने के लिए जरूरी मशीनें और वाहन किराए पर लेने के लिए ठेकेदार आगे नहीं आ रहे हैं। यही वजह है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अर्बन सर्विस विभाग को करीब 1.33 करोड़ रुपये का टेंडर दूसरी बार जारी करना पड़ा है। पहले टेंडर पर किसी भी ठेकेदार के सामने नहीं आने से पूरी प्रक्रिया अटक गई। प्राधिकरण की योजना शहर में लगातार एक साल तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की है। इसके तहत सड़कों, फुटपाथों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों पर हुए अवैध कब्जों को हटाया जाना है।

अभियान का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर करना, सड़कों को जाम से मुक्त करना और सार्वजनिक जगहों को



अतिक्रमण हटाओ अभियान पर फिर लगा ब्रेक

साफ-सुथरा बनाए रखना है। इसके लिए जेसीबी, बुलडोजर, ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर और अन्य जरूरी मशीनरी किराए पर लेने की योजना बनाई गई है।

हालांकि, टेंडर प्रक्रिया में ठेकेदारों के रुचि नहीं दिखाने से प्राधिकरण की परेशानी बढ़ गई है। करीब 1.33 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च वाले टेंडर के बावजूद जब कोई एजेंसी काम लेने के लिए आगे नहीं आई, तो विभाग को दोबारा टेंडर जारी करना पड़ा। अब प्राधिकरण की नजर इस बात पर है कि दूसरी बार की प्रक्रिया में कितने ठेकेदार हिस्सा लेते हैं। अतिक्रमण हटाने के लिए मशीनरी की उपलब्धता बेहद जरूरी है, क्योंकि बड़े पैमाने पर अभियान चलाने के दौरान कब्जे हटाने के साथ-साथ मलबा उठाने और उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने का काम भी करना होता है। मशीनें और वाहन उपलब्ध नहीं होने पर अभियान की गति प्रभावित हो सकती है। ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग इलाकों में सड़क किनारे अस्थायी दुकानें, फुटपाथ पर कब्जे और नालों के ऊपर किए गए अतिक्रमण यातायात तथा सफाई व्यवस्था के लिए चुनौती बने हुए हैं। प्राधिकरण लगातार कार्रवाई की योजना बना रहा है, लेकिन मशीनरी किराए पर लेने की प्रक्रिया में आ रही दिक्कत ने अभियान की शुरुआत पर असर डाला है।

पिकअप को साइड देने पर विवाद युवक की उपचार के दौरान मौत

एजेंसी ,नई दिल्ली

रेवाड़ी में पिकअप वाहन को साइड देने को लेकर हुए विवाद में दो युवकों पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में गंभीर रूप से घायल 21 वर्षीय केशव ने करीब 15 दिन बाद सोमवार रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरा घायल युवक राम अभी अस्पताल में उपचाराधीन है। जानकारी के अनुसार करीब 15 दिन पहले केशव और राम पिकअप वाहन में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बाइक सवार युवक वहां पहुंचे। पिकअप को साइड देने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया।

आरोप है कि विवाद के बाद कुछ युवकों ने केशव और राम पर लाठी-डंडों तथा कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। केशव की हालत गंभीर होने के कारण उसका उपचार जारी था, लेकिन करीब 15 दिन बाद सोमवार रात उसकी मौत हो गई। केशव की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक के स्वजन का आरोप है कि पुलिस ने मामले में आरोपितों के खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं की और उन्हें बचाने का प्रयास किया गया। परिजनों के अनुसार, हमले में शामिल आरोपित अभी तक फरार हैं।

परिवार ने पुलिस से सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। केशव की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ गया। आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के स्वजन और ग्रामीण नागरिक अस्पताल के बाहर सर्कुलर रोड पर पहुंच गए और जाम लगाकर बैठ गए। इससे सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ।

न्यूज ब्रीफ

जोगिंद्रनगर अस्पताल में स्टाफ की कमी से सेवाएं प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। आयुर्वेदिक अस्पताल जोगिंद्रनगर में नर्सिंग स्टाफ के चार, स्वीपर के दो और क्लास-4 का एक पद लंबे समय से खाली चल रहा है। स्टाफ की कमी के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में वर्तमान में केवल दो डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। यहां पंचकर्म की पांचों सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन पर्याप्त स्टाफ न होने के कारण दूर-दराज से आने वाले कई मरीज इनका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा देने के दावे कर रही है, लेकिन अस्पताल में कर्मचारियों की कमी चिंता का विषय है। उन्होंने प्रदेश सरकार और आयुर्वेद विभाग से रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की है, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

बरोट या टिक्कन में अग्निशमन केंद्र खोलने की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी की ग्राम पंचायत बरधाण के पालाखूंटी गांव में हाल ही में हुए अग्निकांड के बाद बरोट या टिक्कन में अग्निशमन केंद्र खोलने की मांग जोर पकड़ने लगी है। ग्राम पंचायत बरधाण की प्रधान अर्चना ठाकुर ने कहा कि आपात स्थिति में समय पर अग्निशमन वाहन पहुंचने के लिए क्षेत्र में केंद्र होना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में करीब 40 किलोमीटर दूर पधर स्थित अग्निशमन केंद्र से वाहन को बरोट पहुंचने में लगभग दो घंटे लग जाते हैं। तब तक आग से भारी नुकसान हो जाता है। बरोट या टिक्कन में केंद्र खुलने से चौहार घाटी के साथ छोटा भंगाल घाटी में भी आग की घटनाओं पर समय रहते काबू पाया जा सकेगा। अर्चना ठाकुर ने प्रदेश सरकार से अग्निशमन केंद्र को प्राथमिकता के आधार पर खोलने की मांग की है।

देशभर के प्रतिभागियों ने टैलेंट शो में दिखाई प्रतिभा



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। अपना कांगड़ा एंटरटेनमेंट के बैनर तले जीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 'टैलेंट दे दन दना दन' ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल के गायक पीयूष राज बतौर सेलिब्रिटी कलाकार शामिल हुए। कुमार साहिल, सौरभ शर्मा, राज जैरी, अमन कौर, अकांक्षा मैहरा और ईशा डोगरा सहित कलाकारों को सम्मानित किया गया। समाजसेवी वीरेंद्र चौधरी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में ब्रांड और इवेंट प्रमोटर भी मौजूद रहे। नृत्य, संगीत, मॉडलिंग और पेंटिंग के निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। संचालक सुमित गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को स्मृति चिह्न, मेडल, प्रमाण पत्र और गिफ्ट हैंपर देकर सम्मानित किया गया।

आज से 9 अक्तूबर तक चलेगा विशेष मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडी की ओर से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे, बेसहारा और सार्वजनिक स्थलों पर रहने वाले लोगों की पहचान तथा उन्हें उपचार और पुनर्वास से जोड़ने के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान 7 से 9 अक्तूबर तक जिला भर में संचालित होगा। प्राधिकरण के सचिव एवं वरिष्ठ सिविल जज विवेक कायस्थ ने बताया कि अभियान के दौरान जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान कर चिकित्सकीय परीक्षण, उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था संबंधित विभागों के सहयोग से की जाएगी। गंभीर मामलों को विशेष मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के लिए भेजा जाएगा। अभियान में प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभाग के साथ पैरा लीगल वालंटियर्स सहयोग करेंगे। लोगों से जरूरतमंद व्यक्तियों की सूचना संबंधित विभागों को देने की अपील की गई है।

पड्डल व आसपास के क्षेत्रों में 3 दिन बिजली बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राज्य बिजली बोर्ड के उपमंडल-1 मंडी के सहायक अधिशाषी अभियंता नरेश ठाकुर ने बताया कि 11 केवी पड्डल फीडर की क्षमता बढ़ाने के लिए री-कंडक्टरिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके चलते 8 से 10 अक्तूबर तक प्रतिदिन सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चरणबद्ध विद्युत शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान एचआरटीसी बस स्टैंड, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी, पड्डल, मांडव कॉम्प्लेक्स, पुलिस लाइन और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग करने तथा बिजली बंद रहने की अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से करने की अपील की है।

घुरकड़ी चौक के पास कार-स्कूटी की टक्कर, दो घायल



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। घुरकड़ी चौक से पालमपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर तेज रफ्तार कार और स्कूटी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार एक व्यक्ति और महिला घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चालक गलत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही स्कूटी को कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कूटी सवार दोनों सड़क पर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मार्ग से गुजर रही एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को टांडा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पांवटा साहिब के बाता पुल पर टिप्पर और ट्रक में भिड़ंत, हाईवे पर लगा भारी जाम

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। मंगलवार सुबह देहरादून-पांवटा साहिब-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बाता पुल के समीप एक दर्दनाक हादसा पेश आया। तेज रफ्तार टिप्पर और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रक संतुलन खोकर बीच सड़क पर ही पलट गया। हादसा होते ही बाता पुल के दोनों छोरों पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया। शिमला और देहरादून की ओर आवाजाही करने वाले यात्रियों तथा स्थानीय लोगों को घंटों जाम में जूझना पड़ा। व्यस्त मार्ग होने के कारण देखते ही देखते पुल के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। क्रेन की मदद से सड़क पर पलटे वाहन को हटाने और यातायात व्यवस्था को दोबारा सुचारू करने का कार्य शुरू किया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसा वाहनों की अनियंत्रित गति के कारण हुआ माना जा रहा है। राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है। हादसे के सही कारणों और घायलों की स्थिति को लेकर पुलिस द्वारा पूरी गहनता से जांच की जा रही है।

भाजपा हमीरपुर जिला कार्यसमिति की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राकेश ठाकुर ने बताया कि मंगलवार को आयोजित भाजपा जिला हमीरपुर की कार्यसमिति की बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और आगामी तीन महीनों के कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। बैठक के दौरान जिला हमीरपुर के प्रभारी एवं प्रदेश भाजपा सचिव अमित ठाकुर ने पार्टी पदाधिकारियों से पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग ली तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बताया कि आगामी तीन महीनों के लिए जिला स्तर पर अल्पकालिक विस्तारक योजना चलाई जाएगी। इसके तहत अन्य विधानसभा क्षेत्रों से आने वाले विस्तारक प्रत्येक मंडल में जाकर संगठनात्मक ढांचे का विस्तृत विश्लेषण करेंगे तथा जहां भी आवश्यक होगा, वहां संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और आगामी समय में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

चार लाख नौकरियां कहां गईं, जनता को जवाब दे सरकार : जयराम ठाकुर

कांग्रेस ने झूठ की सारी हदें पार कीं, हर साल आउटसोर्स के हजारों लोगों की नौकरियां छीनी गई



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा/नगरोटा बगवां। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विजय मनकोटिया और स्वर्गीय रामचंद्र भाटिया के आवास जाकर उनके परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदना जताकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद वह नगरोटा बगवां में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों से मिले। इसके बाद मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने सुक्खू सरकार पर जमकर हमला बोला। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने झूठ बोलने की सारी हदें पार कर दी। नेता चौक-चौराहे पर खड़े होकर 58 साल वाली नौकरी देने की कसमें खा रहे थे। पहले कैबिनेट में एक लाख और कुल पांच लाख नौकरियां देने की गारंटी दे रहे थे। अब सरकार बने 4 साल हो गए हैं। उनकी चार लाख नौकरियां कहां गईं? नौकरियां देना तो दूर, उन्होंने हर साल पूर्व सरकार में आउटसोर्स पर रखे गए हजारों लोगों को नौकरी से निकाल दिया। सरकार के अंदर रहम नाम की कोई चीज नहीं है। बीते कल ही मंडी के नेर चौक मेडिकल कॉलेज में कार्यरत एक आउटसोर्स कर्मी ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। क्योंकि सरकार ने बिना कुछ पूछे-समझे उसे नौकरी से निकाल दिया। सरकार प्रदेशवासियों से आंखें मूंद सकती है लेकिन जिसका परिवार है, वह कहां जाएगा? उनकी बातें सुनकर किसी का भी हृदय द्रवित हो जाएगा। आए दिन का हाल हो गया है, मित्रों के अलावा सरकार किसी के हित की चिंता नहीं कर रही है।

कांग्रेस पार्टी और सुक्खू सरकार के बीच की कलह पूरे प्रदेश के सामने है। बड़ी-बड़ी बातें करने वाले मुख्यमंत्री बार-बार कैबिनेट की बैठकें टाल रहे हैं। उन्हें यह बताना चाहिए कि यह बैठकें क्यों टाली जा रही हैं, क्या कैबिनेट मंत्री ही बैठकों से किनारा कर रहे हैं, क्योंकि सरकार में मंत्रिमंडल के बजाय मित्र मंडल की चल रही है? सरकार की नाकामी की कीमत पूरे प्रदेश के लोग चुका रहे हैं और मुख्यमंत्री सिर्फ झूठ बोलकर अपनी नाकामियों को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनके झूठ का भांडा फूट चुका है।

पंचायतीराज और स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश की जनता का भरोसा कांग्रेस से उठ गया है। लाहौल स्पीति में भी जिला परिषद के अध्यक्ष के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी की जीत के बाद 12 में से 11 जिला परिषद पर भारतीय जनता पार्टी के कब्जे से मुख्यमंत्री के सभी षड्यंत्र नाकाम हुए हैं।

नूरपुर पुलिस ने पकड़ा 270 टीन विरोजा से भरा ट्रक, चालक काबू



भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर में वन संपदा के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई के तहत नूरपुर पुलिस ने कंडवाल बैरियर पर एक ट्रक से 15 लीटर क्षमता के 270 टीन विरोजा बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई की है।

एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज ने बताया कि पुलिस चौकी कंडवाल की टीम कंडवाल बैरियर पर नाकाबंदी व यातायात चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान बीती रात्रि जसूर की ओर से आ रहे ट्रक नंबर एचपी38बी-6400 को चैकिंग के लिए रोका गया। ट्रक की तलाशी लेने पर पीले रंग की तिरपाल के नीचे लोहे के टीन पाए गए। जांच करने पर इनमें विरोजा पाया गया। चालक से विरोजा के परिवहन संबंधी वैध परमिट/अधिकार पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। मौके पर वन विभाग के रेंज अधिकारी एवं वन रक्षक की मौजूदगी में टीनों को ट्रक से उतारकर गिनती की गई, जिनकी कुल संख्या 270 टीन, प्रत्येक 15 लीटर क्षमता पाई गई। वन विभाग के अधिकारी द्वारा भी उक्त सामग्री को विरोजा के रूप में सत्यापित किया गया। पुलिस द्वारा सभी टीनों को कब्जे में लेकर नियमानुसार ट्रक सहित जब्त किया गया। आरोपी की पहचान करण मन्हास पुत्र चूड़ सिंह मन्हास, निवासी गांव एवं डाकघर वेही पठियार, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामले में धारा 41, 42 इंडियन फारेस्ट एक्ट, 1927 एवं धारा 303(2) बीएनएस, 2023 के तहत पुलिस थाना नूरपुर में मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगामी जांच जारी है।

एमसीएम डीएवी कॉलेज में कर्नल जेके जोसेफ ने परखी कैडेट्स की ड्रिल और प्रशिक्षण क्षमता



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में 5 एचपी बटालियन एनसीसी धर्मशाला से कर्नल जेके जोसेफ ने प्रशिक्षण जेसीओ मानद कैप्टन सुभाष के साथ एनसीसी गतिविधियों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने एनसीसी कैडेट्स की ड्रिल स्किल्स, अनुशासन एवं प्रशिक्षण स्तर का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही एनसीसी कार्यालय का निरीक्षण करते हुए आवश्यक अभिलेखों एवं दस्तावेजों की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान कर्नल जेके जोसेफ ने एनसीसी कैडेट्स के साथ आत्मीय संवाद किया और उनके अनुभवों, रुचियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कैडेट्स को एनसीसी के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में उपलब्ध विभिन्न करियर एवं रोजगार के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देते हुए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा के प्रधानाचार्य डॉ. बलजीत पटियाल ने कर्नल जेके जोसेफ एवं मानद कैप्टन सुभाष का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के एएनओ लेफ्टिनेंट सुमित पठानिया भी उपस्थित रहे।

कांगड़ा घाटी में 11 अक्तूबर से तीन रेलगाड़ियां चलाने का आश्वासन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल ने मंगलवार को कांगड़ा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज और रेलवे अधिकारियों के साथ कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त रेल ट्रैक का निरीक्षण किया। उन्होंने बरसात से बंद रेल यातायात को शीघ्र बहाल करने और बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे ट्रैक का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई। काजल ने कोपड़ लाहड़, बाथू पुल और रानीताल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने को कहा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 11 अक्टूबर से पठानकोट-रानीताल और कांगड़ा-जोगिंद्रनगर मार्ग पर तीन ट्रेनें नियमित चलाने का प्रयास किया जाएगा। शेष सात ट्रेनों को बहाल करने के लिए करीब चार माह का समय मांगा गया है। सांसद डॉ. भारद्वाज ने भी रेल यातायात प्राथमिकता से बहाल करने और स्थायी समाधान के निर्देश दिए।

मुंबई में आशियाने की तलाश से कोरोना त्रासदी तक, लघु फिल्मों ने दर्शकों को झकझोरा

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पड्डल मैदान में सोसायटी फॉर हिमाचल आर्ट एंड कल्चर द्वारा प्रस्तुत शाख मंडी उत्सव एवं कुल्लू मनाली अंतरराष्ट्रीय सिनेमा महोत्सव के तीसरे दिन दो लघु फिल्मों 'एमबीए' और 'चप्पल' का प्रदर्शन किया गया।

दोनों फिल्मों ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील कहानियों के जरिए दर्शकों को भावुक करने के साथ गंभीर मुद्दों पर सोचने के लिए मजबूर किया। लघु फिल्म 'एमबीए' की कहानी आसिफ खान नामक युवा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो करियर बनाने के सपने के साथ मुंबई पहुंचता है। नौकरी और करियर की चुनौतियों के बीच उसके लिए रहने को मकान तलाशना सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। बेरोजगारी, कुंवारे होने और नाम को लेकर सामने आने वाले



◆ 'एमबीए' और 'चप्पल' ने सामाजिक सरोकारों से दर्शकों को कराया रूबरू

सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण उसे मकान नहीं मिल पाता। फिल्म में व्यंग्य और संवादों के माध्यम से महानगर में आशियाना तलाशने वालों की परेशानियों को प्रभावी ढंग से दिखाया गया है। फिल्म के लेखक, निर्माता और निर्देशक हैदर अली हैं, जबकि आसिफ की भूमिका भी उन्होंने निभाई है। राजू भाई की भूमिका मंडी के अरुण बहल ने निभाई। वहीं 'चप्पल' ने कोरोना महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों की त्रासदी को मार्मिक तरीके से प्रस्तुत किया। फिल्म में एक प्रवासी मजदूर अपने पिता के लिए चप्पल खरीदकर गांव लौटने की तैयारी करता है, लेकिन लॉकडाउन लगने के बाद बस छूट जाती है। वह अन्य मजदूरों के साथ पैदल घर की ओर निकल पड़ता है। रास्ते में वाहन दुर्घटना में उसकी मौत हो जाती है। गले में लटकी पिता के लिए खरीदी गई चप्पल फिल्म के मार्मिक अंत का प्रतीक बनती है। रवि टंडन निर्मित और शुभम शर्मा निर्देशित फिल्म में रवि करनवाल ने मुख्य भूमिका निभाई। दोनों फिल्मों ने मानवीय संघर्ष, सामाजिक भेदभाव और महामारी की पीड़ा को प्रभावशाली ढंग से सामने रखा।

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हिमाचल में होंगे विशेष कार्यक्रम : डॉ. राजीव बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और शासन में सेवा के 25 वर्ष 7 अक्टूबर को पूर्ण हो रहे हैं। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश में 17 संगठनात्मक जिलों और 68 विधानसभा क्षेत्रों में 'विकसित भारत संकल्प सभा — सेवा ज्योति यात्रा' के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. बिंदल मंगलवार को नाहन विधानसभा क्षेत्र के क्यारी और कौलावाला भूड़ पंचायतों में आयोजित विभिन्न बैठकों के अवसर पर बोल रहे थे।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया और सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। राष्ट्र सेवा, गरीबों की सेवा, किसानों की सेवा, बहनों की सेवा



और युवाओं की सेवा को उन्होंने सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री देश को नई दिशा और नई गति प्रदान कर रहे हैं।डॉ. बिंदल ने कहा कि इसी कड़ी में नाहन विधानसभा क्षेत्र में 7 अक्टूबर को बर्मा पापड़ी पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूरे विधानसभा क्षेत्र से भाई-बहन एकत्रित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरणादायी संबोधन सुनेंगे। डॉ. बिंदल ने कहा कि पूरे हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर 7 अक्टूबर को प्रात: 10:00 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सुना जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे बड़ी संख्या में इन कार्यक्रमों में सहभागिता करें और प्रधानमंत्री के संदेश को अवश्य सुनें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है।

ऋण लेकर सरकार चलाने की नीति से हिमाचल का भविष्य गिरवी रखने का प्रयास : विपिन परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र से विधायक विपिन सिंह परमार ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विकास कार्यों एवं प्रतिबद्ध वित्तीय दायित्वों की पूर्ति के लिए 600 करोड़ का नया ऋण लेने की प्रक्रिया पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि सरकार की वित्तीय नीति आखिर किस दिशा में जा रही है।



विपिन सिंह परमार ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने 600 करोड़ के सरकारी प्रतिभूति ऋण को पुन: जारी करने की अधिसूचना जारी की है। सरकार भले ही इसे विकास आवश्यकताओं और वित्तीय दायित्वों से जोड़कर प्रस्तुत करे, लेकिन असली प्रश्न यह है कि हिमाचल की आय और व्यय के बीच बढ़ते अंतर को कम करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक कार्ययोजना क्या है? उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे छोटे पहाड़ी राज्य के लिए लगातार ऋण पर निर्भरता केवल वर्तमान सरकार का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। सरकार को जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि नया ऋण किन मदों में खर्च होगा, उससे कितने विकास कार्य पूरे होंगे और राज्य पर ब्याज एवं मूलधन का अतिरिक्त कितना भार पड़ेगा। परमार ने कहा कि एक ओर सरकार आर्थिक कठिनाइयों का हवाला देती है और दूसरी ओर प्रदेश के कर्मचारियों तथा विभिन्न वर्गों से जुड़े वित्तीय दायित्वों को लेकर लगातार असंतोष सामने आता रहा है।

अप्रैल 2026 में राज्य सरकार ने वित्तीय परिस्थितियों का हवाला देते हुए कुछ वरिष्ठ श्रेणियों के सरकारी अधिकारियों के वेतन के एक हिस्से को छह महीने के लिए स्थगित करने का आदेश भी जारी किया था।

राजगढ़ की स्वास्तिका हिमाचल अंडर-19 टीम में, बेंगलुरु में खेलेगी बीसीसीआई टी-20 मुकाबले

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला सिरमौर के राजगढ़ क्षेत्र की होनहार क्रिकेट खिलाड़ी स्वास्तिका दीपक कंवर ने अपनी प्रतिभा के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वास्तिका का चयन हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। वह बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता 2026-27 में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। खास बात यह है कि जिला सिरमौर से हिमाचल की अंडर-19 टीम में चयनित होने वाली स्वास्तिका एकमात्र खिलाड़ी हैं। स्वास्तिका इससे पहले भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। स्वास्तिका के क्रिकेट सफर में उनके पिता एवं क्रिकेट कोच दीपक कंवर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बेटी को शुरुआती दौर से ही क्रिकेट की बारीकियां सिखाने के साथ नियमित प्रशिक्षण दिया।

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में सीएससीए पदाधिकारियों ने ली शपथ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में मंगलवार को महाविद्यालय केंद्रीय छात्र परिषद (सीएससीए) के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने मुख्यातिथि और पीटीए अध्यक्ष तरुण टाडू ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह का शुभारंभ वंदे मातरम्, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। प्राचार्य डॉ. कटवाल ने सीएससीए अध्यक्ष मन्नत शर्मा, उपाध्यक्ष प्रियंका शर्मा, सचिव अंकित ठाकुर और संयुक्त सचिव गौरी शर्मा को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। विभिन्न क्लबों, एनएसएस, एनसीसी, रोवर-रेंजर और कक्षा प्रतिनिधियों ने भी शपथ ली। अध्यक्ष मन्नत शर्मा ने कहा कि वह विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाकर उनके समाधान का प्रयास करेंगी और महाविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने में सहयोग देंगी।

राहुल पहले हिमाचल के बेरोजगारों की चिंता करें : राकेश जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व सुंदरनगर विधायक राकेश जम्वाल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने के लिए लिखे पत्र पर तीखा हमला बोला है।



उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को रोजगार के नाम पर राजनीतिक दिखावा करने और सुर्खियां बटोरने के बजाय पहले अपनी ही पार्टी की हिमाचल सरकार से रोजगार का हिसाब मांगना चाहिए। यदि उन्हें वास्तव में देश के युवाओं के भविष्य की चिंता है तो सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवाओं की आवाज सुननी चाहिए। राकेश जम्वाल ने कहा कि राहुल गांधी मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों के पद बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहे हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश में उनकी ही पार्टी की सरकार दो वर्ष या उससे अधिक समय से खाली पड़े सरकारी पदों को समाप्त करने की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस रोजगार के नाम पर बड़े-बड़े दावे करती है और दूसरी तरफ सरकारी विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को समाप्त करने का फैसला लिया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि उन्होंने हिमाचल की अपनी सरकार को रोजगार के मुद्दे पर अब तक कितनी चिट्ठियां लिखीं? क्या उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से पूछा कि जिन सरकारी पदों पर प्रदेश के युवा वर्षों से नौकरी की उम्मीद लगाए बैठे हैं, उन्हें खत्म क्यों किया जा रहा है? क्या राहुल गांधी ने यह सवाल पूछा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं को दी गई पांच लाख रोजगार की गारंटी का क्या किया? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की रोजगार संबंधी चिंता क्या केवल उन राज्यों तक सीमित है, जहां कांग्रेस सत्ता में नहीं है? जम्वाल ने कहा कि हिमाचल की जनता कांग्रेस की पांच लाख सरकारी नौकरी देने की गारंटी को भूली नहीं है। चुनाव के समय युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाए गए, लेकिन सत्ता में आने के बाद स्थायी और सम्मानजनक रोजगार देने के बजाय उन्हें अलग-अलग नामों से कम मानदेय वाली अस्थायी व्यवस्थाओं में उलझा दिया गया।

'द पावर ऑफ नंबर्स' से छात्रों को मिली महत्वपूर्ण जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से 'सपोर्ट फॉर स्टैटिस्टिकल स्ट्रेंथनिंग' योजना के तहत एकदिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। सम्मेलन कक्ष में 'युवाओं में सांख्यिकीय उत्पादों के प्रति जागरूकता' विषय पर हुए कार्यक्रम में बीएससी, एमएससी और बीए के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. अतुल गुप्ता ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी के दौर में आंकड़ों को समझना और उनका सही विश्लेषण करना जरूरी है। मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. बसु गर्ग ने 'द पावर ऑफ नंबर्स' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि डेटा आधारित निर्णय आज हर क्षेत्र की आवश्यकता बन चुके हैं और सांख्यिकी सही निर्णय लेने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया पर समय व्यर्थ करने के बजाय आधिकारिक आंकड़ों और ज्ञानवर्धक सामग्री का अध्ययन करने का आह्वान किया। सत्र में विद्यार्थियों ने सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं।

9 अक्तूबर को कुल्लू पहुंचेंगे जेपी नड्डा 11 को पतलीकूहल में करेंगे जनसभा

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा 9 अक्तूबर को कुल्लू पहुंचेंगे। उनके कुल्लू दौरे के दौरान 9 और 10 अक्तूबर को कार्यकर्ताओं से मुलाकात का कार्यक्रम रहेगा।



◆ गोविंद सिंह ठाकुर बोले—जनसभा में केंद्र की उपलब्

न्यूज ब्रीफ

वार्ड बदलने के विरोध में पांचवें दिन भी हड़ताल, चरमराई सफाई व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। नगर परिषद पांवटा साहिब में वार्ड बदलने के फैसले के विरोध में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों के काम पर न आने से शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। मुख्य बाजार, गुरुद्वारा बाजार, बस स्टैंड सहित नगर परिषद के सभी 13 वार्डों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। नालियां जाम होने से लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। सफाई कर्मचारियों ने वर्तमान वार्डों में ही ड्यूटी लगाने और ईएसआई सुविधा देने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें करीब 12 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। दूसरे वार्ड में ड्यूटी लगाने पर रोजाना करीब 30 रुपए आने-जाने में खर्च होंगे, जिससे परिवार का पालन-पोषण मुश्किल होगा। मामले को सुलझाने के लिए समाजसेवी अवनीत सिंह लांबा की मध्यस्थता में बातचीत भी हुई, लेकिन समाधान नहीं निकल पाया। सोमवार को नगर परिषद की बैठक में भी दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनी। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि मांगों को हाउस की बैठक में रखने तक हड़ताल जारी रहेगी। इससे शहर की सफाई व्यवस्था पर संकट और गहराने लगा है।

नागरिक अस्पताल कांगड़ा में चलाया स्वच्छता अभियान



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नागरिक अस्पताल कांगड़ा में मंगलवार को एसएमओ डॉ. अल्पना कायस्थ की अगुवाई में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी सफाई की गई। अभियान में अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वच्छता अभियान के दौरान अस्पताल परिसर में जमा कूड़ा-कचरा हटाया गया और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया गया। अस्पताल प्रशासन ने कर्मचारियों को नियमित रूप से स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। एसएमओ डॉ. अल्पना कायस्थ ने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता का विशेष महत्व है, क्योंकि यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार पहुंचते हैं। स्वच्छ वातावरण संक्रमण से बचाव के साथ मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि नियमित आदत और सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल कर्मचारियों और लोगों से परिसर व आसपास की सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

ब्रिलियंट ग्लोबल स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। ब्रिलियंट ग्लोबल स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, नाट्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। उपस्थित अभिभावकों और दर्शकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। स्कूल के एमडी प्रगत सूद और प्रधानाचार्य पूजा सोहल सहित समस्त स्कूल स्टाफ ने समारोह के मुख्यातिथि वीरेंद्र सूद का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रगत सूद ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए शानदार कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर मिलता है। समारोह में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और उपलब्धियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

आंगनबाड़ी केंद्र ब्यास मोड़ में मनाया पोषण माह



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला व बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र ब्यास मोड़ में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद कुल्लू की अध्यक्ष आशा ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए पौष्टिक एवं पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्यातिथि आशा ठाकुर ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान एक प्रसूता महिला की गोद भराई की रस्म भी निभाई गई, जबकि छह माह की आयु पूरी कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार करवाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं व अन्य लोगों को 'सही पोषण, देश रोशन' की शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण और पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर सीडीपीओ गजेंद्र ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पहले खंड स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और अब जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को संतुलित आहार, उचित पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। 'सही पोषण, देश रोशन' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना ही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

राष्ट्रीय साइक्लिंग प्रतियोगिता में सुदीप्त कटोच ने हासिल की आठवीं रैंक



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति के युरामूर्ति गांव के युवा साइकिलिस्ट सुदीप्त कटोच ने राष्ट्रीय स्तर की साइक्लिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर बॉयज वर्ग के XCO (क्रॉस कंट्री ओलंपिक) मुकाबले में आठवीं रैंक हासिल की है। राष्ट्रीय स्तर पर देशभर के प्रतिभाशाली साइकिलिस्टों के बीच हुए इस कठिन मुकाबले में सुदीप्त ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय देते हुए शीर्ष खिलाड़ियों के बीच जगह बनाई। पहाड़ी क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले सुदीप्त ने चुनौतीपूर्ण क्रॉस कंट्री ओलंपिक रेस में दमदार प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि से लाहौल-स्पीति के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। अध्यापक सुरेंद्र कटोच और गृहिणी अहिल्या कटोच के घर जन्मे सुदीप्त ने अपनी मेहनत और खेल प्रतिभा के दम पर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। सुदीप्त की उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उनके पिता सुरेंद्र कटोच को भी बेटे की इस उपलब्धि पर बधाइयां मिल रही हैं। लाहौल-स्पीति साइक्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील और महासचिव अशोक ने सुदीप्त को बधाई देते हुए कहा कि लाहौल-स्पीति के युवाओं में साइक्लिंग की प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यदि खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएं तो यहां के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

करुणा व सेवा भावना के साथ काम करें चिकित्सक दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा से पीछे न हटें : राष्ट्रपति

एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने 89 डॉक्टरों को दी उपाधियां

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिकित्सकों से चिकित्सा पेशे को केवल आजीविका का साधन न मानकर करुणा, संवेदनशीलता और निस्वार्थ सेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया है।



उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जिससे मरीजों को आत्मीयता का अनुभव हो और संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को ईश्वर की संज्ञा दी जाती है और मानवता की सेवा उनका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने एम्स बिलासपुर के प्रथम बैच के 89 प्रशिक्षु डॉक्टरों को उपाधियां प्रदान कीं और पांच मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। उन्होंने प्रथम बैच के सभी उत्तीर्ण छात्रों और स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस संस्थान के पहले बैच का हिस्सा होना उनके लिए गर्व और ऐतिहासिक क्षण है। राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों का मूल कर्तव्य बीमारी की सटीक पहचान और उसका इलाज करना है, लेकिन इसके साथ मरीज के प्रति संवेदनशीलता और करुणा का भाव भी जरूरी है। डॉक्टर का सहानुभूतिपूर्ण और आत्मीय व्यवहार मरीज के इलाज में मददगार साबित होता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से कहा कि वे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के प्रति प्रेम और अपनत्व का भाव रखें। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में दुर्गम क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। चिकित्सकों के प्रयास और मनोबल से इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से प्रशिक्षित डॉक्टर दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने से पीछे नहीं हटेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि कई बार डॉक्टर दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देने से कतराते हैं, लेकिन एम्स जैसे संस्थान से निकलने वाले चिकित्सकों से देश को अलग उम्मीद है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना चिकित्सकों के जीवन का मुख्य ध्येय होना चाहिए। सच्ची आत्मसंतुष्टि निःस्वार्थ सेवा से मिलती है।

एम्स बिलासपुर ने कम समय में बनाई मजबूत पहचान : नड्डा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एम्स बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा सांसद जगत प्रकाश नड्डा ने संस्थान की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि एम्स बिलासपुर ने कम समय में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि करीब चार वर्षों की अवधि में एम्स की ओपीडी में 12 लाख से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंच चुके हैं, जबकि एक लाख से अधिक मरीजों को आईपीडी सेवाएं प्रदान की गई हैं।



नड्डा ने कहा कि किसी भी बड़े चिकित्सा संस्थान को पूरी तरह स्थापित होने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन एम्स बिलासपुर के चिकित्सकों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने जिस तेजी और समर्पण के साथ संस्थान को आगे बढ़ाया है, वह सराहनीय है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दो-तीन वर्षों में एम्स बिलासपुर देश के प्रमुख एम्स संस्थानों के साथ खड़ा होगा। उन्होंने दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल रोजगार या व्यवसाय का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज और मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने नए डॉक्टरों से अपने ज्ञान, कौशल और अनुभव का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

इसके तहत एमबीबीएस और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में लगातार वृद्धि की जा रही है, ताकि अधिक युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अवसर मिलें और देश में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़े। उन्होंने नए चिकित्सकों से ईमानदारी, संवेदनशीलता और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की।

पांवटा साहिब में राज्य स्तरीय शरद महोत्सव की तैयारियां तेज

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। पांवटा साहिब में 23 से 25 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय शरद महोत्सव-2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं।



प्रशासन महोत्सव को भव्य और आकर्षक बनाने में जुटा है। इस बार यमुना आरती और दीपमाला मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी। एसडीएम पांवटा साहिब द्विज गोयल ने बताया कि महोत्सव से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंट, लाइट डेकोरेशन, एलईडी, डीए साउंड सिस्टम और मंच सज्जा सहित अन्य कार्यों के लिए पारदर्शी तरीके से निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। स्थानीय फर्मों को समान अवसर देते हुए गुणवत्ता और न्यूनतम दर के आधार पर कार्य आवंटित किए जाएंगे। महोत्सव के तीनों दिन अलग-अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। युवाओं के लिए खेल प्रतियोगिताएं, जबकि विद्यार्थियों के लिए क्विज, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। विजेताओं को मंच से सम्मानित किया जाएगा। हिमाचली नाटी, पंजाबी भांगड़ा, हरियाणवी और उत्तराखंडी लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों के साथ स्टार नाइट भी आयोजित होगी। साहित्य प्रेमियों के लिए अलग पंडाल में विशाल कवि सम्मेलन होगा। इसमें सिरमौर सहित बाहरी राज्यों के हास्य और वीर रस के प्रसिद्ध कवि भाग लेंगे। महोत्सव के दौरान यमुना घाट को सैकड़ों दीपों से सजाया जाएगा। बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर भव्य यमुना महाआरती आयोजित होगी। प्रशासन का उद्देश्य धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से महोत्सव को यादगार बनाना है।

पीएमएफएमई योजना में मंडी प्रदेश में तीसरे स्थान पर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई) के प्रभावी क्रियान्वयन में जिला मंडी ने प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। योजना के तहत जिले में अब तक 328 आवेदन अनुमोदित किए जा चुके हैं। इससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में स्थानीय युवाओं और उद्यमियों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। डीसी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। समिति ने 20 नए प्रकरणों को भी मंजूरी दी। डीसी ने अधिकारियों को योजना का लाभ दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचाने व अनाज, फल, सब्जी, दुग्ध, मसाले तथा हर्बल उत्पादों से जुड़ी इकाइयों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, अब तक 343 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 305 की अनुशंसा और 209 को बैंक स्वीकृति मिल चुकी है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 35 प्रतिशत तक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी, अधिकतम 10 लाख रुपए तक मिलती है।

वन संरक्षण अधिनियम के मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें : डीसी अपूर्व देवगन



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिले में विकास परियोजनाओं को गति प्रदान करने तथा वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) के अंतर्गत लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को डीसी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित एफसीए प्रस्तावों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। डीसी ने बताया कि जिले में वन संरक्षण अधिनियम के तहत अब तक 38 मामलों को स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि जनहित व विकास परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब को न्यून करने के दृष्टिगत एफसीए प्रस्तावों का समयबद्ध निस्तारण आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वन भूमि हस्तांतरण से जुड़ी सभी औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरी करें, ताकि विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण हो सकें। अपूर्व देवगन ने कहा कि वन भूमि से जुड़े सभी मामलों का निपटारा निर्धारित नियमों एवं समय-सीमा के अनुसार किया जाए।

विभाग विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित प्रस्ताव पूर्ण दस्तावेजों के साथ समय पर प्रस्तुत करें, ताकि स्वीकृति प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। डीसी ने जिले के सभी डीएफओ को ड्रैजिंग से संबंधित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने तथा संबंधित कार्यों को जल्द पूरा करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में आवश्यक औपचारिकताएं समय पर पूरी की जाएं, ताकि संबंधित विकास एवं पुनर्स्थापन कार्यों में तेजी लाई जा सके। बैठक का संचालन एसीएफ (मुख्यालय) नवजोत ने किया। उन्होंने जिले में लंबित एफसीए प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति, प्रगति तथा विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े मामलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती, डीएफओ मंडी संजीव शर्मा सहित लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जीत का जज्बा रखें, लेकिन हार से कभी न घबराएं : बिट्टू

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा है कि खेलकूद प्रतियोगिताओं में और हमारे आम जनजीवन में भी जीत एवं हार का सिलसिला चलता रहता है।



◆छात्र-छात्राओं की जिला स्तरीय अंडर-19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता के शुभारंभ पर एथलीटों को दिया संदेश

जीवन में कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए, खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों को जीत के जज्बे के साथ लगातार मेहनत करनी चाहिए, लेकिन इसके बावजूद अगर हार मिल जाए तो उससे कभी भी घबराना नहीं चाहिए। बल्कि, कामयाबी के लिए और ज्यादा मेहनत करनी चाहिए। मंगलवार को राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर में छात्र एवं छात्राओं की जिला स्तरीय अंडर-19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने प्रतिभागियों से यह अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में खेलों के लिए ढांचागत विकास और खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में बहुत ही सराहनीय निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश का कार्यभार संभालते ही स्कूली खिलाड़ियों की डाइट मनी में कई गुणा वृद्धि की तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए रेलवे की उच्च श्रेणी और आवश्यकता पड़ने पर हवाई यात्रा की सुविधा का प्रावधान भी किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं के लिए करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि दी जा रही है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत को-एजूकेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का प्रावधान करके बच्चों को हमीरपुर शहर में ही सीबीएसई या एचपी बोर्ड से शिक्षा प्राप्त करने के दोनों विकल्प प्रदान किए हैं। इससे स्थानीय व्यापारियों को भी लाभ होगा। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मेजबान पाठशाला की प्रधानाचार्य पूनम चौहान और एडीपीईओ राजेंद्र शर्मा ने मुख्यातिथि, अन्य अतिथियों, टीम प्रभारियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

श्री लुटरू महादेव मंदिर अर्की की जिम्मेदारी हरिओम भारती को

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ऐतिहासिक श्री लुटरू महादेव मंदिर अर्की में विशेष धार्मिक व आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया।



समारोह में सर्वसम्मति से तथा निरंजनी अखाड़ा के श्री महंत चंद्रभारती के दिशा-निर्देशानुसार आश्रम की नई जिम्मेदारी हरिओम भारती को सौंपी गई। इस अवसर पर परंपरागत रस्मों के साथ अग्रज विजय भारती ने अपने अनुज हरिओम भारती को चादर ओढ़ाकर आश्रम की बागडोर व समस्त जिम्मेदारियां सौंपीं। समारोह में आश्रम के संतों, सेवादारों, गुरु भाइयों और गुरु-भक्तों ने भाग लिया। विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बीच गद्दी चादर की रस्म पूरी की गई। समारोह के दौरान वरिष्ठ गुरु भाइयों ने हरिओम भारती को तिलक लगाकर अंगवस्त्र भेंट किया और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने आश्रम की जिम्मेदारी संभालने पर हरिओम भारती को अपना पूर्ण समर्थन देने की बात कही। जिम्मेदारी संभालने के बाद हरिओम भारती ने कहा कि पूज्य गुरुदेव द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना उनका प्रमुख उद्देश्य रहेगा। वह आश्रम की धार्मिक परंपराओं, सेवा व जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी गुरु भाइयों, संतों और साधक-भक्तों के सहयोग से वह मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

जल निकायों की स्वच्छता पर रील बनाएं, पुरस्कार पाएं

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मत्स्य पालन विभाग की ओर से 20 सितंबर से 31 अक्तूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छ जल निकाय अभियान के तहत लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने बताया कि प्रतिभागी 30 सेकंड से दो मिनट तक की रील बनाकर जल निकायों की सफाई और संरक्षण का संदेश दे सकते हैं। रील को फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर साझा कर विभाग को टैग किया जा सकता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 21 नवंबर को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कारों में नकद राशि, प्रमाण पत्र, उपहार और स्मृति चिह्न शामिल हो सकते हैं। नीतू सिंह ने सफाई अभियान में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने दस्ताने, मजबूत जूते और मास्क का इस्तेमाल करने तथा सफाई के बाद हाथों को साबुन या सैनिटाइजर से साफ करने को कहा। उन्होंने लोगों से जल निकायों में कूड़ा न फेंकने और जलीय जीवन की रक्षा करने का आह्वान किया।

शाहपुर कॉलेज का नाम मेजर विजय सिंह मनकोटिया के नाम पर रखने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर निवासी श्रेय अवस्थी ने प्रदेश सरकार से राजकीय महाविद्यालय शाहपुर का नाम मेजर विजय सिंह मनकोटिया के नाम पर रखने और कांगड़ा जिले में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मेजर मनकोटिया ने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में देश की सेवा की। इसके बाद उन्होंने पांच बार शाहपुर का विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व किया और मंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाली। श्रेय अवस्थी ने कहा कि शाहपुर महाविद्यालय की स्थापना में भी मेजर मनकोटिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने कहा कि उनके योगदान को स्थायी सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से मिलने का समय मांगा गया है और जल्द शाहपुर का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलेगा। उन्होंने 15 दिनों के भीतर कॉलेज के नामकरण की घोषणा करने की मांग की।



भाट नाला गांव के शहीद करण सिंह की याद में मुख्य द्वार का होगा निर्माण : मोंगरा



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। खोली के समीप भाट नाला गांव के शहीद करण सिंह की याद में एक मुख्य द्वार का निर्माण करीब 1 लाख 60 हजार रुपए से जल्द ही शुरू किया जाएगा। वहीं गांव के वार्ड नंबर एक में एक हेड पंप, वही लगभग 40 लाख से खोली गांव में पेयजल पाइप डाली जा रही है।

दिसंबर माह में पेयजल योजना का उद्घाटन कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। यह बात एपीएमसी के जिला, 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला व प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा ने आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत भाट नाला गांव में जनता को संबोधित करते हुए कही इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और समस्याओं को जल्द करवाने का आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और पंचायत स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा पिछले लगभग तीन सालों में कांगड़ा विधान सभा क्षेत्र का तेजी से विकास कार्य चला हुआ है। उन्होंने कहा उनके द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से विकास कार्यों को उठाया गया, जिन्हें सरकार द्वारा गति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन ओर करोड़ों की विकास परियोजनाओं कांगड़ा विधान सभा क्षेत्र का स्वरुप बदल रहा है।

उन्होंने कहा कि कांगड़ा विधान सभा क्षेत्र में सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को ओर मजबूत करने के भी प्रयास चल रहे हैं। इस मौके पर पंचायत प्रधान कुलवंत सिंह, पंचायत वार्ड सदस्य, महिला शक्ति व गांव के अन्य गण मान्य लोग मौजूद रहे।

गुड टच-बैड टच और साइबर बुलिंग के प्रति बच्चों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शांशा में चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट और जिला बाल संरक्षण इकाई लाहौल-स्पीति के संयुक्त तत्वावधान में बाल अधिकार, बाल संरक्षण व किशोर स्वास्थ्य पर एकदिवसीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों और महिला मंडल की सदस्यों सहित करीब 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संरक्षण अधिकारी जोगिंदर कुमार ने किशोर न्याय अधिनियम और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी डॉ. हीरा नंद ने बाल अधिकारों, बाल विवाह, बाल श्रम और पोक्सो अधिनियम के बारे में बताया। चाइल्ड हेल्पलाइन काउंसलर शशि धीमान ने गुड टच-बैड टच, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जागरूक किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. निर्भय भानु ने किशोर स्वास्थ्य, पोषण, माहवारी स्वच्छता और नशामुक्ति पर जानकारी दी। अंत में प्रतिभागियों को बाल अधिकारों की शपथ दिलाई गई।

टोल प्लाजा पर अवैध वसूली के खिलाफ भाजपा नेता मनीष शर्मा ने उठाई आवाज



◆जयराम ठाकुर को सौंपा ज्ञापन, एनएचएआई से मामला उठाने का मिला आश्वासन

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा टोल प्लाजा पर अधूरे फोरलेन कार्य के बावजूद वाहन चालकों से पूरी टोल राशि वसूले जाने को लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

इस जनहित के मुद्दे को लेकर भाजपा नेता मनीष शर्मा ने धर्मशाला में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। मनीष शर्मा ने कहा कि कांगड़ा टोल प्लाजा पर की जा रही पूरी टोल वसूली से आम जनता के साथ-साथ ट्रांसपोर्टरों को भी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले ट्रक, बस व टैक्सी ऑपरेटरों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है, इसके बावजूद वाहन चालकों से पूरा टोल शुल्क लिया जाना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि अधूरे सड़क निर्माण के कारण लोगों को कई स्थानों पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में टोल वसूली को लेकर सरकार और संबंधित विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने भविष्य में टोल दरों में संभावित बढ़ोतरी को लेकर भी चिंता जताई और जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ

अन्निमारी कोर्ते खूबसूरत अंदाज में

अन्निमारी कोर्ते फिनलैंड की प्रमुख 100 मीटर बाधा दौड़ एथलीट हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी तेज गति, तकनीक और बाधाओं को पार करने की क्षमता उन्हें एक प्रतिभाशाली धाविका बनाती है।



हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला टीम की कप्तानी छोड़ी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की रिव्यू मीटिंग के बाद लिया फैसला



एजेंसी, नई दिल्ली

हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हर फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी। उन्होंने यह फैसला गुवाहाटी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट टीम की रिव्यू मीटिंग के एक दिन बाद लिया। इस बैठक में टीम के कोच अमोल मजूमदार के अलावा उप-कप्तान स्मृति मंधाना भी हिस्सा थीं, जो उनकी उत्तराधिकारी हो सकती हैं।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई में हाल ही में भारतीय टीम एशिया कप और एशियन गेम्स में चैंपियन बनी थी। हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप में उसे हार का सामना करना पड़ा था। 2025 में घरेलू सरजमीं पर पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीती थी। कप्तानी छोड़ने का ऐलान करते हुए हरमन ने यह भी कहा कि वह खेलना जारी रखेंगी। इस टीम वह जो कुछ भी दे सकती थीं वह दे चुकी हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं

37 साल के हरमनप्रीत कौर ने एक दशक तक भारतीय टी20 टीम की कप्तानी की। उन्होंने 2016 में यह जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद 2022 में उन्हें वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। 2023 में वह सभी फॉर्मेट में टीम के कप्तान बन गईं। हरमन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज, मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह फैसला आसान नहीं है। इसमें बरसों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल शामिल हैं जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेंगे।'

यहीं खत्म होता है कप्तानी का सफर



हरमन ने आगे लिखा, 'अब मैं फिर से खेल के प्रति अपने प्यार के लिए खेलने को तैयार हूं। कप्तानी का सफर यहीं खत्म होता है, लेकिन खेल का सफर जारी रहेगा। मन में मिली-जुली भावनाएं हैं, पर साथ ही सुकून भी है। क्योंकि मुझे पूरा भरोसा है कि मेरी टीम सही हाथों में है और अच्छी स्थिति में है।'

कपिल-धोनी के क्लब में शामिल

कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद हरमनप्रीत 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीतने वाली तीसरी भारतीय कप्तान हैं। साथ ही वह कप्तान के तौर पर कोई भी वर्ल्ड कप जीतने वाले पांच भारतीय कप्तानों में से एक हैं। पुरुषों टीम की बात करें तो रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने क्रमशः 2024 और 2026 के टी20 वर्ल्ड कप में टीम को जीत दिलाई थी।

आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच बने गांगुली

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गांगुली लंबे समय से फ्रेंचाइजी से जुड़े रहे हैं और अब वह कोच की भूमिका में टीम को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गांगुली 2019 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ एडवाइजर के रूप में जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी में कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं। वह पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में भी रहे हैं। फ्रेंचाइजी के साथ उनके लंबे अनुभव को देखते हुए यह नियुक्ति बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अपनी नियुक्ति पर गांगुली ने कहा कि वह आईपीएल में हेड कोच की भूमिका निभाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स उनके दिल के बेहद करीब है और मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ तथा खिलाड़ियों के साथ उनका लंबे समय से मजबूत रिश्ता रहा है।

गांगुली ने कहा कि टीम के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अच्छा समूह है और वह नए सीजन के लिए एक मजबूत तथा निडर टीम तैयार करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं।



'दादा' लंबे जुड़ाव के बाद नई भूमिका में आएंगे नजर

दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और को-ओनर पार्थ जिंदल ने गांगुली की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका अनुभव, नेतृत्व और विजन टीम को आईपीएल खिताब के लिए चुनौती देने में मदद करेगा। को-ओनर किरण कुमार ग्रांधी ने भी गांगुली के क्रिकेटिंग अनुभव और फ्रेंचाइजी की गहरी समझ को टीम के लिए बेहद मूल्यवान बताया।

स्पोर्ट्स विंडो

मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा: मिलोस केरकेज

एजेंसी, नई दिल्ली। इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ बड़े मुकाबले से पहले लिवरपूल के डिफेंडर मिलोस केरकेज ने कहा कि उनकी टीम को मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केरकेज ने कहा कि सीजन की शुरुआत में टीम ने जरूरत से ज्यादा गोल खाए हैं, जिस पर सुधार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षकों ने वीडियो विश्लेषण और टीम बैठकों के जरिए कमजोरियों को समझने की कोशिश की है। टीम का लक्ष्य अब बेहतर रक्षात्मक संगठन के साथ मुकाबले की शुरुआत करना है। उन्होंने कहा कि लिवरपूल की पहचान अंत तक लड़ने की है, लेकिन हर मैच में पीछे से वापसी करना सही रणनीति नहीं हो सकती। टीम को शुरुआत से ही मजबूत रहकर विपक्षी को आसान मौके देने से बचना होगा। केरकेज ने मैनेजर आंदोनी इराओला की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह पहले उनके साथ बोर्नमाउथ में काम कर चुके हैं और खिलाड़ी उनकी कोचिंग शैली से खुश हैं। लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी का मुकाबला 11 अक्टूबर को होगा।



टेनिस प्रीमियर लीग के 8वें सत्र के लिए रोहन समेत 8 मार्की खिलाड़ी घोषित



एजेंसी, मुंबई। किआ टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सत्र के लिए भारतीय दिग्गज रोहन बोपन्ना समेत आठ मार्की खिलाड़ियों की घोषणा कर दी गई है। खिलाड़ियों की नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई में होगी, जहां आठ फ्रेंचाइजी अपने मार्की खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करेंगी। 46 वर्षीय रोहन बोपन्ना गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। कोलकाता थंडर ब्लेड्स ने अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा को चुना है, जबकि राजस्थान रेंजर्स के मार्की खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता होंगे। मुंबई रॉयल्स की जिम्मेदारी फ्रांस के टेरेन्स अतमान संभालेंगे। लखनऊ ब्लेजर्स ने डालिबोर स्वर्चिना को लगातार दूसरे सत्र के लिए बरकरार रखा है। हैदराबाद स्ट्राइकर्स के लिए क्रोएशिया के डिनो प्रिज्मिक, गत चैंपियन जीएस दिल्ली एसेस के लिए ऑस्ट्रेलिया के एडम वाल्टन और गुजरात पैंथर्स के लिए फ्रांस के अलेक्जांद्र मुलर खेलेंगे। टीपीएल का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर तक हैदराबाद के एलबी टेनिस स्टेडियम में होगा। लीग में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल के साथ 25 अंक वाला टीम प्रारूप जारी रहेगा।

नेशंस लीग में जिदान की पहली जीत फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से रौंदा

एजेंसी, पेरिस। फ्रांस ने नेशंस लीग 2026-27 के ग्रुप ए1 मुकाबले में बेल्जियम को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह मुख्य कोच जिदान के कार्यकाल में घरेलू मैदान पर फ्रांस की पहली जीत है। बेल्जियम ने डोडी लुकबाकियो के गोल से बढ़त बनाई थी, लेकिन फ्रांस ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। डेसिरे डुए ने 77वें मिनट में बराबरी की, जबकि चार मिनट बाद रयान शेरकी ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। माइकल ओलिसे ने इसके बाद स्टॉपेज टाइम में दो गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी। जिदान ने टीम के दूसरे हाफ के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रतिक्रिया दी।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए एचपीसीए पुरुष अंडर-19 टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ ट्रॉफी (वन डे) एलीट टूर्नामेंट 2026-27 में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लीग मुकाबले विजाग में खेले जाएंगे। एचपीसीए के सचिव मनुज ठाकुर ने बताया कि टीम की कमान नौनिहाल एटलस संभालेंगे और टीम 8 अक्तूबर को पहला मैच खेलेगी।

पुरुष अंडर-19 टीम में आदित्य कटारिया उप-कप्तान (बिलासपुर), आदित्य चंबा, अनिकेत ठाकुर हमीरपुर, किशन कुमार हमीरपुर, ओम महादेव हमीरपुर, साहिल कुमार हमीरपुर, अंश धीमान कांगड़ा, अर्जुन पठानिया कांगड़ा, शिवम शर्मा कांगड़ा, अमनदीप ठाकुर कुल्लू, दिव्यांश ठाकुर मंडी, कृष जैन सिरमौर, जपनीत सिंह सिरमौर, जयादित्य डोगरा सोलन, नौनिहाल एटलस कप्तान (सोलन) व लक्षित ठाकुर शामिल हैं। सपोर्ट स्टाफ में हेमंत डोगरा मुख्य कोच, मुकेश शर्मा गेंदबाजी कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, राजिंदर नाहटा फिजियो, अंकुश आदित्य ट्रेनर, अंकित अरोड़ा वीडियो एनालिस्ट, संदीप कुमार साइड आर्म, भूपेंद्र सिंह चौहान मसाजर, विवेक धीमान प्रबंधक शामिल हैं।

टीम की कमान नौनिहाल एटलस को

लीग मैच कल से

हिमाचल प्रदेश बनाम चंडीगढ़ वन डे 8 अक्तूबर 2026
हिमाचल प्रदेश बनाम दिल्ली वन डे 10 अक्तूबर 2026
हिमाचल प्रदेश बनाम गुजरात वन डे 12 अक्तूबर 2026
हिमाचल प्रदेश बनाम कर्नाटक वन डे 14 अक्तूबर 2026
हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड वन डे 16 अक्तूबर 2026
विजाग में खेला जाएगा।



बीबीएल-16 के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़े माइकल ब्रेसवेल

एजेंसी, मेलबर्न। न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल बिग बैश लीग (बीबीएल) के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए हैं। उनके शामिल होने से टीम के विदेशी खिलाड़ियों के दल को मजबूती मिली है। ब्रेसवेल आगामी सत्र के लिए रेनेगेड्स के दूसरे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को टीम ने अपने साथ जोड़ा था। 35 वर्षीय ब्रेसवेल ने 2022 में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और इसके बाद तीनों प्रारूपों में अपनी उपयोगिता साबित की। वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की कप्तानी भी कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी उनका अच्छा अनुभव है। वह आईपीएल, पाकिस्तान सुपर लीग, मेजर लीग क्रिकेट, द हंड्रेड और सुपर स्मैश जैसी प्रतियोगिताओं में खेल चुके हैं। ब्रेसवेल 200 से अधिक टी20 मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 3,600 से ज्यादा रन बनाए हैं और 100 से अधिक विकेट लिए हैं। 2022 के सुपर स्मैश में वेलिंगटन के लिए उनकी नाबाद 141 रन की पारी उनकी बल्लेबाजी क्षमता का शानदार उदाहरण है। ब्रेसवेल ने कहा कि वह रेनेगेड्स से जुड़कर उत्साहित हैं और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव खास होगा। मुख्य कोच ल्यूक रोंची ने ब्रेसवेल को वास्तविक ऑलराउंडर बताते हुए कहा कि उनकी बहुमुखी प्रतिभा टीम को रणनीतिक रूप से कई विकल्प देगी।

एशियाई खेलों में स्वर्ण के बाद लक्ष्मण ने टीम की तैयारी और अय्यर की कप्तानी को सराहा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर अपना खिताब बरकरार रखा। 3 अक्टूबर को खेले गए फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराया। जीत के बाद मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टीम की तैयारी, खिलाड़ियों की अनुकूलन क्षमता और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व की जमकर सराहना की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा साझा किए गए वीडियो में लक्ष्मण ने कहा कि जापान में टीम को मौसम, यात्रा और सीमित अभ्यास अवसर जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने अपनी फिटनेस और तैयारी से कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब भी टीम को मैदान पर अभ्यास करने का अवसर मिला, खिलाड़ियों ने उसका पूरा फायदा उठाया।

लक्ष्मण ने खिलाड़ियों की अनुकूलन क्षमता को टीम की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि सेमीफाइनल की मुश्किल पिच और फाइनल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद खिलाड़ियों के रवैये में कोई कमी नहीं आई। टीम ने दोनों मुकाबलों में सकारात्मक सोच और पेशेवर रवैया बनाए रखा।

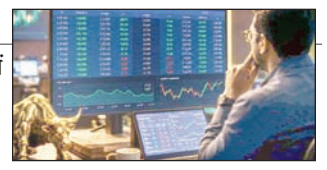
फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों में 61 रन की तूफानी पारी खेली। तिलक वर्मा ने 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, जबकि शिवम दुबे ने 14 गेंदों में 27 रन का योगदान दिया। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने हसन नवाज की 96 रन की शानदार पारी के दम पर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में संयम बनाए रखा और पाकिस्तान को छह विकेट पर 192 रन तक रोक दिया। वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।

लक्ष्मण ने कप्तान श्रेयस अय्यर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अय्यर खिलाड़ियों के कप्तान हैं और हर खिलाड़ी को सहज महसूस कराते हैं। वह उदाहरण पेश करते हुए नेतृत्व करते हैं और फिटनेस तथा तैयारी को काफी महत्व देते हैं। लक्ष्मण ने अय्यर की रणनीतिक समझ की भी सराहना करते हुए कहा कि वह विपक्षी टीम की ताकत और कमजोरियों का अच्छी तरह आकलन करते हैं।



सेंसेक्स 500 अंक ऊपर निफ्टी 22,700 के पार

एजेंसी, मुंबई



भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ 72,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी भी करीब 150 अंक ऊपर चढ़कर 22,700 के आसपास पहुंच गया। बाजार में बैंकिंग और मेटल कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखी जा रही है। निवेशकों की खरीदारी के चलते प्रमुख इंडेक्स में मजबूती बनी हुई है। बैंकिंग शेयरों में तेजी ने बाजार को सहारा दिया, जबकि मेटल सेक्टर के शेयरों में भी अच्छी मांग देखने को मिली। इसी बीच मंगलवार को दो कंपनियों शाह इन्वेस्टर्स होम लिमिटेड और एसआरआईटी इंडिया के शेयरों की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई। दोनों कंपनियों के शेयरों ने सकारात्मक शुरुआत की और इश्यू प्राइस के मुकाबले बढ़त के साथ बाजार में कारोबार शुरू किया। बाजार विशेषज्ञों की नजर अब दिनभर की खरीदारी की दिशा और प्रमुख सेक्टरों के प्रदर्शन पर बनी हुई है।

विश्व बैंक ने जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.6 से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया

एजेंसी, नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर सामने आई है। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। अप्रैल में विश्व बैंक ने इसके 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। इस तरह अनुमान में 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।



विश्व बैंक के अनुसार, पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहने के कारण पूरे वित्त वर्ष के अनुमान को संशोधित किया गया है। अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। ग्रामीण खपत में मजबूती, कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, ग्रामीण आय सहायता, खाद्य सब्सिडी और कम महंगाई ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। वहीं, आयकर में राहत और माल एवं सेवा कर में कटौती के बाद शहरी मांग में भी सुधार देखने को मिला। इसके चलते औद्योगिक गतिविधियों ने भी वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद बेहतर प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही थी, जबकि 2024-25 में यह 7.1 प्रतिशत थी।

दो साल में देश को मिलेगा पहला स्वदेशी नागरिक विमान : नायडू

महंगे एटीएफ पर एयरलाइंस और तेल कंपनियों से चर्चा जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों ने विमानन कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि एटीएफ की ऊंची कीमतों को लेकर मंत्रालय विमानन कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों के साथ लगातार बातचीत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति का असर विमान ईंधन की कीमतों पर पड़ रहा है और सरकार इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नायडू ने राजधानी में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट सम्मेलन से इतर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा है और इसमें लगातार वृद्धि भी दर्ज की गई है। इससे विमानन कंपनियों की परिचालन लागत पर दबाव बढ़ा है।

एटीएफ किसी भी एयरलाइन की कुल परिचालन लागत का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा होता है। ऐसे में ईंधन महंगा होने का सीधा असर उड़ानों के संचालन और किराये पर पड़ सकता है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी सोमवार को एटीएफ की बढ़ती कीमतों को देखते हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की थी।



महंगे विमान ईंधन से विमानन कंपनियों पर बढ़ा लागत का दबाव

रेपो रेट पर आरबीआई का फैसला आज, सुबह 10 बजे होगा ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा आज, 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों की घोषणा करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। आरबीआई की तीन दिवसीय एमपीसी बैठक में देश की आर्थिक स्थिति, महंगाई और प्रमुख नीतिगत दरों की समीक्षा की गई है। आर्थिक विशेषज्ञों और बैंक अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण महंगाई का दबाव बढ़ने की स्थिति में आरबीआई रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकता है।

0.25 फीसदी बढ़ोतरी के आसार



ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने भी अक्टूबर-दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। आरबीआई ने अगस्त में हुई पिछली एमपीसी बैठक में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा था। वर्ष 2025 में रेपो रेट में कुल 1.25 फीसदी की कटौती के बाद लगातार चार बैठकों में इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा गया है। अब बाजार की नजर बुधवार के फैसले पर टिकी है।

आपूर्ति भारत के कुल एलएनजी आयात में ओमान की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत

भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बना ओमान

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात परिदृश्य में सितंबर के दौरान महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। ऊर्जा बाजार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, ओमान भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है और उसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिम और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ आयात स्रोतों में विविधता लाने पर जोर दे रहा है।

ओमान की बढ़ी हिस्सेदारी

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भारत ने ओमान से करीब 5.85 लाख टन एलएनजी का आयात किया। यह मात्रा अगस्त की तुलना में 11.6 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही भारत के कुल एलएनजी आयात में ओमान की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत पहुंच गई। आपूर्तिकर्ताओं की सूची में नाइजीरिया 3.51 लाख टन एलएनजी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

ओमान का बढ़ता योगदान

सितंबर में भारत का कुल एलएनजी आयात भी घटा। अगस्त में करीब 25 लाख टन एलएनजी आयात के मुकाबले सितंबर में यह मात्रा लगभग 14 प्रतिशत कम होकर 21.7 लाख टन रह गई। इसके बावजूद ओमान से आयात में बढ़ोतरी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत प्राकृतिक गैस की अपनी जरूरत का लगभग आधा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है।

ऊर्जा सुरक्षा

- **प्राकृतिक** गैस भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत है। इसका इस्तेमाल उर्वरक उत्पादन, बिजली उत्पादन, औद्योगिक गतिविधियों, शहरी गैस वितरण और परिवहन क्षेत्र में किया जाता है। ऐसे में एलएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है।

समुद्री जोखिमों के बीच नई रणनीति

पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री मार्गों से जुड़े जोखिमों के कारण भारत के लिए किसी एक क्षेत्र या सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना रणनीतिक प्राथमिकता बन गई है। कतर की एलएनजी आपूर्ति में भी कमी दर्ज की गई है। इसके पीछे इस साल मार्च में रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र पर हुए हमलों का प्रभाव माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में किसी भी बड़े घटनाक्रम का असर एलएनजी उत्पादन, परिवहन और कीमतों पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत लगातार वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं और नए ऊर्जा स्रोतों की तलाश कर रहा है। भारत अब कनाडा, अल्जीरिया, मोजाम्बिक और ब्राजील जैसे देशों से भी ऊर्जा खरीद के विकल्पों को बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। इससे भविष्य में किसी एक क्षेत्र में संकट की स्थिति पैदा होने पर आपूर्ति प्रभावित होने का जोखिम कम किया जा सकता है। आयात स्रोतों का यह विविधीकरण भारत को वैश्विक ऊर्जा बाजार में अधिक लचीला बनाने में मदद कर सकता है। ओमान का भारत के लिए एक प्रमुख एलएनजी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरना इसी बदलती रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। सितंबर के आंकड़े बताते हैं कि भारत की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में आपूर्तिकर्ता देशों का संतुलन तेजी से बदल रहा है।